ले ले, उसे मैत्री में परिवर्तित

## सच के हक में.

## **Daily**

**Shares How...** 

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

**Ananya Panday** 

7,330

चांदी 100.00 (नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

#### **O** BRIEF NEWS तेलंगाना पुलिस से मुठभेड़ मारे गए सात माओवादी

HYDERABAD: रविवार को तेलंगाना के मुलुगु जिले में पुलिस से हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित संगठन के 20 लाख रुपये के इनामी एक प्रमुख नेता समेत सात माओवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मारे गए लोगों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य और येलंडु-नरसंपेट क्षेत्र समिति के सचिव कुरसाम मंगू उर्फ भद्र और एक महिला कार्यकर्ता भी शामिल है। मारे गए सात माओवादियों में से छह छत्तीसगढ़ के मूल निवासी थे। पुलिस ने बताया कि एतुरनगरम के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान तेलंगाना पुलिस के विशिष्ट नक्सल रोधी बल ग्रेहाउंडस और माओवादियों के बीच यह मुटभेड़ हुई।

#### महाराष्ट्र के सीएम का फैसला भाजपा करेगी : एकनाथ शिंदे

MUMBAI: रविवार को महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य के नए मुख्यमंत्री के बारे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) फैसला करेगी, जिसे उनका पूरा समर्थन प्राप्त होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार गढन को लेकर महायुति सहयोगियों के बीच कोई मतभेद नहीं है। सतारा जिले में अपने पैतुक गांव दारे में पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा कि सरकार गढन पर बातचीत चल रही है और सभी निर्णय महायुति के तीनों सहयोगियों शिवसेना, भाजपा और राकांपा द्वारा आम सहमति से लिए जाएंगे।

#### 4 को 'प्रोबा-3' मिशन का प्रक्षेपण करेगा इसरो

MUMBAI: : रविवार को भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इसरो का भरोसेमंद ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) ईएसए के 'प्रोबा–3' मिशन को लेकर चार दिसंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरेगा। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के 'प्रोबा-3' मिशन में इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) सहयोग कर रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह मिशन इएसए क प्राबा–३ उपग्रहा ( ५५० किग्रा) को एक विशिष्ट उच्च

अण्डाकार कक्षा में स्थापित करेगा।

Ranchi ● Monday, 02 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 309 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

## भाजपा ने की चुनाव में हार की गहन समीक्षा

#### झारखंड विधानसभा चुनाव २०२४ में

शुरू हुई प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की समीक्षां बैठक रविवार को जारी रही। इसमें हर के कर्म की गहन समीक्षा की गई। झारखंड प्रदेश भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में हो रही इस बैठक में प्रदेश संगठन प्रभारी, जिला अध्यक्ष और प्रदेश प्रवक्ताओं के साथ बैठक हो रही है। बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष, झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय मौजूद रहे। रविवार को हुई समीक्षा बैठक को लेकर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि चुनाव के बाद की समीक्षा किसी भी राजनीतिक दल के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है। यह बैठक इसलिए हो रही है, तांकि हम अपनी किमयों को दूर कर सकें और आने वाले दिनों में जनता की मजबूत आवाज बन सकें। पराजित प्रत्याशियों की समीक्षा बैठक में सीता सोरेन के शामिल नहीं होने के सवाल पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

दुसरे दिन भी जारी रही बैठक, रिजल्ट को लेकर नेताओं की ली गई राय भाजपा की करारी हार के बाद शनिवार से बाबलाल, राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष सहित कई प्रमुख नेता हुए शामिल



#### राष्ट्रीय स्तर पर भी होगी समीक्षा

झारखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद प्रदेश नेतृत्व राज्य स्तरीय समीक्षा में उन कारणों को तलाशने में जुटा है, जिनकी वजह से पार्टी को जीत नहीं मिल सकी। चुनाव परिणामों पर विजयी व पराजित प्रत्याशियों, विधानसभावार प्रभारियों, जिला अध्यक्षों, मीडिया विंग से जुड़े पार्टी पदाधिकारियों के साथ समीक्षा के बाद दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा होने की संभावना है।

#### संगठन में होगा बदलाव

जानकारी के अनुसार, शनिवार को एक साथ चार बैठकें हुई। इसमें चुनाव प्रबंधन समिति, जिला प्रभारी और जिला अध्यक्ष की बैठक शामिल थी। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद इस बात की प्रबल संभावना है कि प्रदेश स्तर पर संगठन

#### हेमंत और हिमंता आमने सामने, असम के सीएम भी झारखंड में भेजेंगे टीम

RANCHI: विधानसभा चुनाव के बाद एक बार फिर झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा आमने–सामने हो गए हैं। इसकी वजह झारखंड सरकार का एक फैसला है। बता दें कि 28 नवंबर को झारखंड कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि असम के चाय बागान में कार्यरत झारखंड मूल के जनजातीय समृह की दशा और उन्हें भविष्य में दी जाने वाली सुविधा के अध्ययन के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल व पदाधिकारियों का दल असम जाकर जमीनी स्तर पर अध्ययन करेगा। साथ ही सरकार को अपना प्रतिवेदन समर्पित करेगा। अब इस निर्णय पर असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने भी झारखंड में एक निरीक्षण दल भेजने की बात कही है। सरमा ने कहा है कि झारखंड में कुछ चीजों का अध्ययन करने के लिए दो प्रतिनिधिमंडल

## कंस्ट्रक्शन साइट में की आगजनी, वाहन को फूंका

रांची में अपराधियों ने



**PHOTON NEWS RANCHI:** 

शनिवार को देर रात में ओरमांझी

थाना क्षेत्र स्थित एक कंस्ट्रक्शन

वारदात को अंजाम दिया है।

अपराधियों द्वारा कंस्ट्रक्शन साइट

पर मौजूद एक वाहन को आग के

हवाले कर दिया गया। जानकारी

के अनुसार, ओरमांझी थाना क्षेत्र

के हुटार स्थित श्रीराम कंस्ट्रक्शन

की साइट पर अज्ञात अपराधियों

ने इस घटना को अंजाम दिया।

चार से पांच की संख्या में आए

अपराधियों ने दहशत फैलाने के

लिए फायरिंग की और फिर एक

वाहन को आग के हवाले कर

दिया। आगजनी की वारदात को

अंजाम देने के बाद अपराधकर्मी

मौके से फरार हो गए। आगजनी

की वारदात को किस गिरोह के

द्वारा अंजाम दिया गया है, अभी

#### 💻 ओरमांझी थाना क्षेत्र में शनिवार की देर रात मचाया उत्पात साइट पर अज्ञात अपराधियों ने आगजनी कर फायरिंग की

- मजदूरों को डराने के लिए फायरिंग भी की
- 💻 घटना को अंजाम देने के बाद तुरंत फरार हो गए अपराधी
- 💻 चार से पांच की संख्या में आए थे बदमाश जांच कर रही पुलिस

मामले की छानबीन में जुटी हुई है। रांची के ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि कंस्ट्रक्शन साइट पर आगजनी की वारदात को अज्ञात अपराधियों द्वारा अंजाम दिया गया है। साइट पर मौजूद एक वाहन को अपराधियों ने आग के हवाले किया है। मामले की जांच की जा रही है।

## अब हर महिला के खाते में प्रतिमाह ट्रांसफर किए जाएंगे ₹2500

## मंईयां सम्मान : पांचवीं किस्त जारी करने की शुरू हुई तैयारी

#### **PHOTON NEWS RANCHI:**

झारखंड की महिलाओं के लिए बड़ी ख़ुशखबरी। हेमंत सोरेन के दोबारा मुख्यमंत्री बनने और पहली कैबिनेट में स्वीकृति मिलने के बाद मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं के खातों में 2500 रुपये की राशि ट्रांसफर की जाएगी। कल्याण विभाग ने पांचवीं किस्त जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है। 11 दिसंबर को यह राशि महिलाओं के खातों में पहुंचने की उम्मीद है। करीब 57 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ उठा रही हैं। योजना के तहत अब तक चार किस्त महिलाओं के खातों में ट्रांसफर की गई है। पहले महिलाओं को 1000 रुपये दिए जा रहे थे। लेकिन, चुनाव से पहले हेमंत सोरेन ने घोषणा की थी कि अगर झारखंड में अबुआ सरकार आई तो दिसंबर से 2500 रुपये महिलाओं के खातों में ट्रांसफर की जाएगी।

### 11 दिसंबर तक राशि भेजने पर गंभीरता से किया जा रहा काम

■18 से 50 वर्ष की महिलाओं को हो रहा फायदा

फेंगल तुफान ने मचाई

भारी तबाही, पुडुचेरी व

तमिलनाडु के हालात बिगड़े

NEW DELHI: शनिवार को आए

चक्रवाती तूफान फेंगल ने पुडुचेरी

मचाई है। रविवार को इसका दृश्य

बारिश के बाद कई इलाकों में बाढ़

जैसी स्थिति बनी हुई है। चक्रवात

फेंगल के बारे में विशाखापत्तनम

चक्रवात चेतावनी केंद्र के एमडी

केवीएस श्रीनिवास ने कहा,

चक्रवाती तूफान फेंगल उत्तरी

तमिलनाडु को पार कर गया है। यह

पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है।

स्थान पर स्थिर था। इसके बहुत

संभावना है।

पिछले 6 घंटों के दौरान यह एक ही

धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ने की

झारखंड में हुई बारिश

तमिलनाडु में तबाही मचाने के बाद

चक्रवाती तूफान फेंगल कमजोर

पडने लगा है। यह डीप डिप्रेशन

यानी गहरे अवदाव में तब्दील हो

से झारखंड में कई जगहों पर

बारिश हुई। बंगाल की खाड़ी से

25 नवंबर को उढा फेंगल तूफान

के कराईकल और तमिलनाडु के

महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से

टकराया था। लैंडफॉल प्रोसेस रात

११.३० बजे तक चला। तूफान का

असर केरल, कर्नाटक और आंध्र

प्रदेश में भी है। लेकिन कुछ घंटों में

धीरे-धीरे यह कमजोर हो जाएगा।

पुडुचेरी में 24 घंटों के दौरान 48.4

सेमी बारिश हुई।

30 नवंबर, शाम 7:30 बजे पुडुचेरी

गया। इसके पहले फेंगल के असर

देखने को मिला। तेज हवा और

और तमिलनाडु में भारी तबाही

■ करीब 57 लाख महिलाएं उटा रहीं इस योजना का लाभ



ही इस योजना ने महिलाओं में सरकार के प्रति सकारात्मक धारणा बनाने में मदद की है।

योजना के लिए पैसे जुटाने की एक्शन प्लान तैयार पहल, पर्याप्त बजट का प्रावधान मख्यमंत्री मंईयां सम्मान

योजना के वित्तीय आकार बढ़ने की वजह से इसके लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान किया जाएगा। राशि कहां से आएगी, इस पर अधिकारियों द्वारा मंथन किया जा रहा है। राजस्व स्रोतों को बढ़ाने के लिए खनन करों में भी वृद्धि की तैयारी चल रही है, संभावना है की आने वाले दिनों में खनन पर लगने वाले टैक्स पर बढ़ोतरी कर



दी जाए। टैक्स से जो राशि सम्मान योजना के लाभुक महिलाओं को मासिक सम्मान राशि देने में की

मिलेगी. उसका व्यय मंईयां

इस योजना का चुनाव में 'इंडिया' को मिला फायदा मंइयां सम्मान योजना का विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को बड़ा फायदा हुआ। सरकार ने नवंबर में चौथी किरत महिलाओं के जारी है। नई सरकार के गठन के बाद योजना के कार्य में तेजी आ गयी है। इस योजना ने महिलाओं को आर्थिक मजबूती किया है। साथ

## करेगी सरकार

यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। सरकार जल्द ही इसके लिए एक्शन आगजनी और फायरिंग की सूचना प्लान तैयार करेगी। झारखंड मिलने के बाद ओरमांझी पुलिस खनिजधारी भूमि उपकर अधिनियम 2024 के माध्यम से कैसे राजस्व संग्रहण में वृद्धि होगी, इस पर भी विचार कियाँ जाएगा। इस नियमावली में आने वाले दिनों में टैक्स बढोतरी करने के लिए संशोधन होगा। सीएम मंईयां सम्मान योजना सफलततापूर्वक चलती रहे, इसके लिए सरकार द्वारा संचालित अन्य सामानांतर अनुदान आधारित योजनाओं की समरूपता के दृष्टिकोण से ऐसी योजनाओं को युक्तिसंगत करते हुए इसमें अन्य विभागों से पुनर्वियोग भी किया जाएगा। अधिकारी इसकी भी समीक्षा करेंगे। इस महत्वपूर्ण बात को ध्यान में रखकर सभी विभाग काम कर रहें हैं कि 'इंडिया' गठबंधन की चुनावी घोषणा का यह सबसे अहम हिस्सा है इसके लिए सरकार किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगी।

#### तल टकर क डाइवर न बताड पुरा कहाना

अपराधियों द्वारा आग के हवाले किए गए तेल टैंकर के डाइवर अखिलेश ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि वह रात में अपने घर में सो रहा था, इसी दौरान चार अपराधी आए और उसके वाहन पर पेट्रोल छिड़कने लगे। इसी बीच अखिलेश जाग गया और वाहन से बाहर आ गया। जब अपराधियों ने अखिलेश से पैसे मांगे तो उसने कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं, जिसके बाद अपराधियों ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया और फिर तेल टैंकर को आग के हवाल कर दिया। जब उसका लपटें देखकर निर्माण स्थल के अन्य मजदर उस ओर आने लगे तो

अपराधियों ने उन्हें डराने के लिए फायरिंग भी की। फायरिंग और आगजनी के बाद चारों अपराधी मौके से फरार हो गए। टैंकर ड्राइवर अखिलेश ने बताया कि पहले अपराधियों द्वारा निर्माण स्थल पर धमकी भरा पर्चा भेजा गया, उसके बाद पर्चा को लेकर क्या कार्रवाई हुई. इसकी जानकारी उसे नहीं है। गौरतलब हे कि पिछले कछ महीने से झारखंड के कुछ जिलों में कुछ आपराधिक गिरोह और उग्रवादियों के अलग-अलग गुटों द्वारा आतंक फैलाया जा रहा है। रगदारी और वसूली के लिए आगजनी और गोलीबारी की घटनाएं की जा रही हैं।

## बंगाल से आलू के आवक पर रोक मामले में सीएम हेमत ने लिया संज्ञान



#### **PHOTON NEWS RANCHI:**

रविवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य की पश्चिम बंगाल से लगी सीमा पर आलू से लंदे वाहनों को रोके जाने का संज्ञान लिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वाहनों को रोके जाने से राज्य में आलू की आपूर्ति प्रभावित हुई है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव अलका तिवारी को तत्काल प्रभाव से मामले से निपटने का निर्देश दिया। सीएम की पहल के बाद राज्य की मुख्य सचिव ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव

💻 मुख्य सचिव अलका तिवारी को समस्या के जल्द निष्पादन का दिया निर्देश

💻 बंगाल के सीएस मनोज पंत ने दिलाया भरोसा कमेटी बनाकर जल्द निकलेगा हल

मनोज पंत से फोन पर बात की है। मनोज पंत ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही एक कमेटी बनाकर आलू के मामले का निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा।

#### खदरा बाजार में ₹५ किली बढ़ गया दाम

पश्चिम बंगाल के आलू व्यापारियों के एक संगठन के अनुसार, पश्चिम बंगाल सरकार ने आलू का भंडार बनाए रखने और राज्य में आलू की कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए आलू की अंतरराज्यीय आपूर्ति पर कथित रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। एक अधिकारी के अनुसार, पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल द्वारा आलु की आपूर्ति सीमित कर दिए जाने के

कारण झारखंड के खुदरा बाजार में पिछले दो दिनों में आलू की कीमत में पांच रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है। बता दें कि पश्चिम बंगाल पूरे साल झारखंड की आलू की 60 प्रतिशत मांग को पूरा करता है, जबिक बाकी मांग उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और स्थानीय रूप से पूरी होती है। इस मामले में राजनीति भी शुरू हो गई है।

## अपने दम पर दिल्ली विस

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव आम आदमी 23 फरवरी को खत्म हो रहा है। अगले साल जनवरी में किसी भी समय विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। फरवरी में चुनाव होंगे और नई चुनाव दोनों एक साथ लड़े थे। हालांकि मिली। अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा बंटवारे के समझौता नहीं हो सका।

#### चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी : केजरीवाल

## NEW DELHI: रविवार को दिल्ली के

पार्टी (आप) अकेले अपने दम पर लड़ेगी। कांग्रेस पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। दिल्ली में विधानसभा का कार्यकाल सरकार का गठन होगा। लोकसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस विपक्षी गढबंधन 'इंडिया' का हिस्सा हैं। दिल्ली में लोकसभा इसमें दोनों पार्टियों को कोई भी सीट नहीं चुनाव से पहले 'आप' और कांग्रेस सीट-

### ग्रेड-ए धान के लिए प्रति क्विंटल २४२० रूपये का किया जाएगा भुगतान 15 से किसानों से धान खरीदेगी हेमंत सरकार

#### **PHOTON NEWS RANCHI:**

किसानों के लिए खुशखबरी। हेमंत सरकार ने उनसे धान खरीदने का निर्णय लिया है। रांची सहित दुसरे जिलों में धान की खरीद की प्रक्रिया 15 दिसंबर से शुरू होनी है। साथ ही यह भी विचार तय हुआ है कि प्रति किसान से 200 क्विंटल तक धान खरीदा जाएगा और अधिक से अधिक किसानों को एमएसपी का लाभ दिया जाएगा। धान में 17 फीसदी तक ही नमी को स्वीकार किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस बार साधारण धान की खरीद के लिए किसानों

को 2400 रुपये (प्रति क्विंटल) और ग्रेड-ए धान के लिए 2420 रुपये (प्रति क्विंटल) भुगतान करने का फैसला लिया है। इसमें

#### एक किसान से 200 क्विंटल तक खरीदारी कर एमएसपी का दिया जाएगा लाभ सुरक्षित फसल मंडारण की बताई जा रही विधि जिलों में किसानों से अपने फसल और गुणवत्ता को हानि पहुंचती है। नमी, (खासकर धान) के लिए अन्न भंडारण चुहा, भंडारण का बोरा वगैरह भी अनाज

की विधि बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि फसल कटाई (धान) प्रारंभ है। सुरक्षित अन्न भंडारण की सही जानकारी नहीं होने से 10-15 प्रतिशत तक अनाज नष्ट हो जाते हैं। कीडों के प्रकोप के कारण भंडारण की सुरक्षा

केंद्र सरकार द्वारा तय एमएसपी

2300 रुपये और 2320 रुपए के

अतिरिक्त 100 रुपये प्रति

क्विंटल का बोनस भी शामिल

के संक्रमण का कारण बनते हैं। ऐसे में भंडारण से पहले अनाज को अच्छी तरह सखा लें, जिससे दानों में 10 प्रतिशत से ज्यादा नमी नहीं रहने पाए। पक्के एवं हवादार भंडार गृह का चयन करें। भंडार गृह के नजदीक पानी का स्रोत ना हो।

है। धान केंद्र पर देने के बाद पहले 50% राशि का भगतान होगा और इसके बाद अगले राउंड में शेष राशि दी जाएगी।

#### शानदार उपलब्धि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने बढ़ाया नया कदम

## इंडियन स्पेस स्टेशन का स्ट्रक्कर बनकर लगभग तैयार

**AGENCY NEW DELHI:** 

स्पेस साइंस के क्षेत्र में इंडियन स्पेस रिसर्च ऑगेर्नाइजेशन यानी इसरो की उपलब्धियां लगातार शानदार रास्ते पर आगे बढ़ रही हैं। इसरो के हमारे वैज्ञानिक दिन–रात नए मिशन को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं और कदम-दर-कदम उन्हें कामयाबी भी मिल रही है। गत वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में हम दुनिया को नई दिशा दिखाने में सफल हुए हैं। अब उसी कड़ी में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण की प्रक्रिया बड़ा संकेत दे रही है। जानकारी के अनुसार, इसरो ने भारतीय अंतिरक्ष स्टेशन का ढांचा लगभग तैयार कर लिया है। अंतरिक्ष में शुरूआती चरण में तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना बना रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के मुताबिक, बीएएस का उद्देश्य अंतरग्रहीय अनुसंधान, जीवन विज्ञान और चिकित्सा अध्ययन समेत कई वैज्ञानिक प्रयासों को सुविधाजनक बनाना है। इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के लिए योजनाओं की घोषणा की है, जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है।

#### देश की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं को और समृद्ध बनाने का रास्ता होगा प्रशस्त **वै**ज्ञानिकों की दिन-रात की

मेहनत ने असंभव को कर दिखाया संभव

विशेषज्ञों ने 52 टन का बनाया है बीएएस

शुरुआती चरण में तीन अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में भेजने की योजना बना रहा इसरो

भविष्य में इस क्षमता को छह तक बढ़ाने की स्कीम पर भी होगा काम



युआर राव सैटेलाइट सेंटर में कन्नड़ तकनीकी सेमिनार के दौरान किया गया अनावरण

### और चिकित्सा अध्ययन को बनाना बीएएस

#### बनाने की कवायद सेमिनार के दौरान इसरो ने अंतरिक्ष में स्थायी

आवास बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला, जो लंबी अवधि के मिशनों को सक्षम करेगा और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाएगा। स्टेशन से मानव स्वास्थ्य पर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभावों को समझने और अन्य ग्रहों पर जीवन का समर्थन करने वाली तकनीकों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। इसरो की नई परियोजना के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन अंतरिक्ष पर्यटन और अंतरिक्ष संसाधनों के दोहन के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा, जो अंतरिक्ष अन्वेषण के अधिक वाणिज्यिक अनुप्रयोगों की ओर एक महत्वपूर्ण परिवर्तन को भी रेखाँकित करेगा।

स्पेस में स्थायी आवास

## तकनीक और विज्ञान

महत्वाकांक्षी परियोजना की सफलता

इसरों के अनुसार, बीएएस का वजन 52 टन है और यह शुरू में तीन लोगों के चालक दल के लिए बनाया जाएगा, भविष्य में इस क्षमता को छह तक बढाने की

योजना है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का अनावरण बेंगलूरु में युआर राव सैटेलाइट सेंटर में कन्नड़ तकनीकी सेमिनार के ढौरान किया गया।

## रामगढ़ से चोरी गए रुपये और आभूषण मध्य प्रदेश से बरामद

## होटल के कर्मचारी ने अपने घर में छिपाकर रखा था चुराए गए सभी सामान

शहर के वेब्स होटल के मालिक

संजीव चड़ा के घर से चोरी हुआ कैश और जेवर पलिस ने मध्य प्रदेश से बरामद कर लिया है। साथ ही उस चोर को भी पकड़ने में सफलता हासिल की है, जिसने इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार, आकाश धनक को उसके घर से ही पुलिस ने पकड़ा है। इस छापेमारी में मध्य प्रदेश राज्य के सागर जिले की मोतीनगर थाना पुलिस का भी योगदान सराहनीय रहा है।

संजीव चड्डा के घर का पूरा मुआयना करने के बाद रामगढ़ पलिस और टेक्निकल सेल ने काफी सक्रियता से काम करना शरू किया। रामगढ एसपी अजय कुमार ने भी इस मामले को



सीसीटीवी में कैद होटल का कर्मचारी

• फोटोन न्यूज

तत्काल उद्भेदन करने का निर्देश दिया। साथ ही मध्य प्रदेश पुलिस से संपर्क कर सहयोग करने की अपील की। चोर की पहचान संजीव चड़ा के परिजनों ने कर दी थी। उन्होंने बताया था कि आकाश

काम कर चुका है। 3 महीने पहले ही उसने नौकरी छोड़ी थी। इसके बाद होटल के जिस स्टाफ गोपाल से वह बात करता था, उसने भी इसकी पृष्टि की। सीसीटीवी कैमरे में आकाश धनक को बैग लेकर घुसते हुए और भागते हुए भी देखा

आकाश धनक सीधे अपने घर मध्य प्रदेश के सागर जिला अंतर्गत मोती नगर थाना क्षेत्र के संत कबीर दास नगर पहुंचा। उसने सबसे पहले चोरी के माल को छुपाने की रुपये के जेवर समेत कुल 50 लाख रुपये के संपत्ति चोरी की थी। अपने घर की छत पर ही

माल छुपा कर रख दिया था। पीड़ित परिवारों से पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि आकाश का नजरिया पहले से ही खराब हो गया था। तीन महीने पहले जब उसने वेब्स होटल की नौकरी छोड़ी तो वह होटल से एक

उसने एक बैग में चोरी का पूरा

स्पीकर के लिए जब होटल मालिक ने आकाश को फोन किया तो उन दोनों के बीच काफी बहस हई। इस दौरान आकाश ने संजीव चड़ा के परिजनों को धमकी भी दी थी लेकिन वह धमकी इतनी महंगी पड़ेगी शायद इसका अंदाजा उन्हें

मध्य प्रदेश राज्य के सागर जिले से आकाश धनक की गिरफ्तारी हुई है। उसके घर से चोरी की संपत्ति भी बरामद हुई है। रामगढ़ पुलिस सोमवार को सागर कोर्ट में आकाश धनक को पेश करेगी और उसे रिमांड पर लेकर रामगढ़ लाएगी। रामगढ़ आने के बाद एक बार फिर उससे गहन पूछताछ होगी, ताकि उसके अपराधिक

#### कर्रा में ट्रेन से कटकर दो लोगों की मौत

KHUNTI : कर्रा थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों मालगो और चियूर गांव के समीप ट्रेन से कटकर से दो लोगों की मौत गयी। कर्रा पुलिस शनिवार रात में दो लोगों के शव बरामद करके कर्रा थाने लाई। रविवार को सदर अस्पताल खुंटी में दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। मालगो गांव के पास पतरा मिछया गाव निवासी स्वकरमदास हेरेंज का 14 वर्षीय पत्र अनमोल हेरेंज शनिवार को मालगो साप्ताहिक हाट गया था। मालगो हाट से घर पतरा मुछिया लौटने के क्रम में ट्रेन की चपेट में आने से अनमोल हेरेंज की मौत हो गयी।

दुसरी घटना में चिउर गांव के पास कटने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गयी। ग्रामीणों द्वारा दोनों घटनाओं की जानकारी कर्रा थाना की पुलिस को दी गई। पुलिस दोनों घटनास्थलों पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर शनिवार रात्रि कर्रा हेरेंज के शव को परिजनों को सौंपा गया और अज्ञात व्यक्ति के शव को खुंटी के शीतगृह में रखा

## पलामू में सेवानिवृत्त शिक्षक की धारदार हथियार से हत्या



घटनास्थल पर जुटी भीड़ व पुलिस के जवान

PALAMU: जिले के सतबरवा प्रखंड में रविवार सुबह सेवानिवृत्त शिक्षक संघ अध्यक्ष परीक्षण सिंह (76) की निर्मम हत्या उनके पैतृक गांव हलुमाड़ में तेज धारदार हथियार से कर दी गई। परीक्षण सिंह गांव के देवी मंदिर के समीप प्यारी सिंह के खेत में शौच करने गए थे। इसी दौरान तेज धारदार हथियार से हत्या के बाद आरोपित पश्चिम दिशा की और फरार हो गए। पड़ा हुआ था। मौके की नजाकत को देखते हुए पुलिस ने स्निफर डॉग बुला लिया है और छानबीन कर हत्यारे की तलाश कर रही है। हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। सेवानिवृत होने के बाद परीक्षण सिंह 2009 में मनिका विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं। मौके पर थाना प्रभारी अंचित कमार, एसआई विश्वनाथ कुमार राणा समेत सैकड़ों लोग

### **BRIEF NEWS** तोरपा में निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर आठ को

KHUNTI : आरसी चर्च तोरपा में आठ दिसंबर को निःशल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर का आयोजन रांची के रिंग चेस्ट क्लिनिक द्वारा किया जायेगा। शिविर में हार्ट सर्जन डॉ रश्मि और उनकी टीम हृदय रोगियों को परामर्श देंगी। डॉ रश्मि ने बताया कि शिविर में ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, लिपिड प्रोफाइल और एचबीए1सी की निःशुल्क जांच की जाएगी। शिविर में सीने में दर्द, सांस फुलना, पैरों में सूजन, चक्कर, बेहोशी, दिल की तेज धड़कन, दिल की नसों में रुकावट, जन्मजात हृदय रोग, हार्ट में छेद, हार्ट वल्व की बीमारी, इको, एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, बाईपास आपरेशन, हार्ट वल्व आपरेशन, हार्ट में छेद का आपरेशन, छोटे चीरे से हार्ट का आपरेशन सहित बच्चों में हृदय रोग, दिल में छेद, बच्चों का बार-बार नीला होना, हृदय की मोटी नाली में सिकुड़न, वल्व में सिकुड़न, जन्मजात हृदय विकार संबंधी समस्याओं के लिए

परामर्श लिया जा सकता है। धनबाद रेल मंडल में यूनियन के नेताओं ने तेज किया प्रचार-प्रसार KODERMA: रेलवे में मान्यता के लिए 11 वर्ष के बाद होने वाला चुनाव 4 से 6 दिसंबर तक होगा। यूनियन के नेताओं ने प्रचार-प्रसार कोडरमा गझंडी, पहाड़पुर, हजारीबाग रोड, हजारीबाग टाऊन सहित धनबाद रेल मंडल में तेज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि गत चुनाव 2013 में हुआ था। चुनाव 5 वर्षों के लिए होता है। इधर, 2013 में इस चुनाव में एकमात्र ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन को मान्यता मिली और इस बार 7 यूनियन भी चुनाव मैदान भी

ताल ठोक रही है।

## डिवाइडर से टकराई स्कूटी, दो युवक गंभीर रूप से घायल

HAZARIBAG: कटकमसांडी में सडक हादसे में दो यवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना कटकमसांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत कटकमसांडी डांटो मार्ग पर भदुलिया के पास हुई है। तीखे घमावदार मोड़ पर स्कूटी असंतुलित होकर डिवाइडर से जा टकराई और उस पर सवार दो युवक गड्ढे में जा गिरे। दोनों को रिम्स रेफर कर दिया गया है। घायलों में डांटो निवासी विकास कुजुर तथा कटकमसांडी छलटा निवासी रंजीत नोन्हा हैं। रंजीत नोन्हा स्कूटी से विकास कुजुर को डांटो छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान दोनों हादसे का शिकार हो गए। राहगीरों ने घायलावस्था में दोनों को देखा तो घटना की जानकारी कटकमसांडी पंचायत की मुखिया को फोन से दी। कटकमसांडी पुलिस को भी



अस्पताल में इलाजरत घायल

इसकी सूचना दी गई। घायलों को कटकमसांडी सीएचसी लाया

प्राथमिक इलाज के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं वहां डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर हालत और हेड इंजरी होने के कारण तुरंत रिम्स रांची रेफर

#### परोपकार से जीवन में मिलता सुख-समृद्धि : स्वामी वैष्णवानंद



KHUNTI : महर्षि मेंही आश्रम मलियादा मुरहू में रविवार को विशेष सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग में बद्रीनाथ धाम के स्वामी वैष्णवानंद महाराज ने कहा कि परोपकार करने से जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है और अंतर साधना से परमात्मा की। उन्होंने कहा कि गुरु के वचन को शिरोधार्य करना चाहिए। माता शबरी अपने गुरु मतंग ऋषि के वचनों का पालन करती रही, जिसके फलस्वरूप श्रीराम स्वयं भक्त का दर्शन करने पहुंच गए। उन्होंने कहा कि मनुष्य को संसार के सभी प्राणियों पर स्नेह रखना



चार वर्ष से भी ज्यादा पुराने मामलों का

अपने आवासीय कार्यालय में बैठक करते एसपी अरविंद कुमार सिंह

का अवैध कारोबार करने वाले लोगों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया तथा उनके विरुद्ध सीसीए व पीआइटीएनडीपीएस का प्रस्ताव समर्पित करने का निर्देश

महिला प्रताड़ना एवं हिंसा, पोक्सो एक्ट से संबंधित तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित

कांडों में अविलंब कार्रवाई करते हुए 60 दिनों के भीतर उन कांडों का निष्पादन करने को कहा गया। नशाखोरी के विभिन्न पदार्थ जैसे कोरेक्स, व्हाइटनर आदि की अवैध खरीद-बिक्री करने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई, वाहन चोरी पर अंकुश लगाने के लिए पूर्व के कांडों में शामिल अभियुक्ति की गिरफ्तारी करने के लिए सभी

से समन्वय स्थापित कर उसका निष्पादन करने को कहा गया। अवैध कोयला, बालू व पत्थर उत्खनन पर पूर्ण रोक लगाने को कहा गया। इसके लिए संबंधित अंचल अधिकारी व जिला खनन पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अवैध खनन पर कार्रवाई करने, जमानती तथा गैरजमानती वारंट, इश्तेहार एवं

कुर्की- जब्ती के त्वरित निष्पादन

नक्सलियों के खिलाफ अभियान

सरकारी जमीन से संबंधित जितने

भी मामले थाना में लंबित हैं, उन्हें

यथाशीघ्र संबंधित अंचलाधिकारी

चलाने का निर्देश दिया गया।

## मजीत हत्याकांड में कार्रवाई को विधायक से मिला यादव समाज

प्रसाद से रविवार को यादव समाज के प्रतिनिधियों ने विशेष मुलाकात की और उन्हें विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समाज के प्रतिनिधियों ने हाल ही में हुई मंजीत यादव हत्याकांड पर गहरी चिंता व्यक्त की और

न्याय की मांग की। प्रतिनिधियों ने विधायक से अपील की इस मामले में त्वरित कार्रवाई सनिश्चित की जाए और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए। यादव समाज ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए। विधायक प्रदीप प्रसाद ने यादव समाज को भरोसा



विधायक से मिलने पहुंचे समाज के लोग

दिलाया कि वह इस मामले को गंभीरता से लेंगे। उन्होंने कहा कि वह जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से तुरंत संपर्क करेंगे और इस मामले का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करेंगे। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि यह मामला बेहद संवेदनशील है और मैं यादव समाज को विश्वास दिलाता हुं कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। न्याय दिलाना मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने यह

भी कहा कि समाज के लोगों को एकजुट होकर प्रशासन पर सकारात्मक दबाव बनाना होगा ताकि मंजीत यादव के परिवार को न्याय मिल सके। उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि वह इस मद्दे को हर स्तर पर उठाएंगे और मंजीत यादव के परिवार के साथ खड़े रहेंगे। यादव समाज ने विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रति

आभार व्यक्त किया और न्याय

#### टाटा स्टील ने झरिया में निकाली एड्स जागरूकता रैली

समीक्षा की गई। सभी कांडों के

त्वरित निष्पादन के लिए निर्देश दिए

गए। इसमें 4 वर्षों से अधिक पुराने

लंबित कांडों के अविलंब निष्पादन

संगठित अपराध गिरोहों, अवैध

खनन में संलिप्त व्यक्तियों तथा

सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने

वाले व्यक्तियों के खिलाफ सीसीए

व एनएसए के तहत कार्रवाई का

निर्देश दिया गया। अवैध पोस्ता व

अफीम की खेती तथा ब्राउन शुगर



JAMADOBA : टाटा स्टील फाउंडेशन, झरिया डिवीजन ने विश्व एड्स दिवस पर रविवार विभिन्न ब्लॉकों में जागरूकता रैलियों का आयोजन किया। यह अभियान 29 नवंबर को भेलाटांड़ स्थित टाटा स्टील फाउंडेशन कार्यालय से रामपुर दुर्गा मंदिर तक आयोजित रैली के साथ आरंभ हुआ था।

इसके बाद जामाडोबा क्षेत्र अंतर्गत पेटिया गांव में एक रैली निकाली गई। समापन समारोह 1 दिसंबर को हुआ, जो आदर्श स्कूल लालबंगला से अपर डुमरी गांव तक भव्य रैली के साथ

## गृह रक्षा वाहिनी की पारण परेड में शामिल हुई हजारीबाग डीसी



हजारीबाग के झारखंड गृह रक्षा सेवा मूल्यों को बनाए रखने,

वाहिनी क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में रविवार को पासिंग आउट परेड समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय शामिल हुईं। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त ने परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी प्रशिक्षणरत गृहरक्षा वाहिनी के जवानों को संविधान में श्रद्धा और सच्ची निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने की शपथ दिलाई गई। मार्च पास्ट के दौरान प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण का शानदार नजारा दिखा। उपायुक्त ने कहा कि 188 होमगार्ड के जवानों ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया है।



परेड का निरीक्षण करतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय

की थी। प्रशिक्षण के बाद गढवा जिले के 388 गृहरक्षकों ने मार्च पास्ट में उत्कष्ट प्रदर्शन किया। अब ये गृह रक्षक अपने गृह जिला गढ़वा में सेवा देंगे। उपायुक्त ने इनके कड़े प्रशिक्षण की सराहना की और प्रशिक्षकों ने भी बहुत कम समय में प्रशिक्षण की अवधि को पूर्ण कराया उन्हें भी सराहा। उपायुक्त ने सभी नवनियुक्त होमगार्ड को शुभकामनाएं दी और होमगार्ड कमांडेंट और उनकी पूरी टीम को भी अच्छे प्रशिक्षण देने के

## ब्रास व ब्रोंज के बर्तन तथा कजरी कॉटन के उत्पादों ने देश और दुनिया से कराया अपना परिचय

## इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में हजारीबाग के उत्पादों को मिली सराहना

PHOTON NEWS HAZARIBAG: समय का सदुपयोग करने वाला व्यक्ति हमेशा सफल, संतुष्ट और सम्मानित होता है। समय और धन का सदुपयोग हमारे जीवन को सुंदर और सार्थक बनाता है। इसी कथन को चरितार्थ करते हुए डीएमएफटी मद का सदुपयोग कर उपायुक्त ने कई उल्लेखनीय कार्य को गति दी है। डीएमएफटी मद से पोषित और संचियत दो संस्थानों के उत्पादों को अपने कला का जौहर दिखाने का

नई दिल्ली में 21 से 27 नवंबर तक आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में डीएमएफटी मद के सहयोग से जिले के स्थानीय निर्मित उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली के प्रगति मैदान में हजारीबाग जिले के दो संस्थानों को स्टॉल लगाने का अवसर मिला तथा स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पाद से पूरी दुनिया को अवगत कराया

मिला मौका मिला है।



गया। हम बात कर रहे है जमुनिया सखी मंडल के द्वारा निर्मित ब्रास तथा ब्रोंज बर्तन उत्पाद की तथा मार्शल प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति लिमिटेड,कजरी कॉटन के कपड़ों की। ये दोनों संस्थानों द्वारा प्रगति मैदान, नई दिल्ली में स्थानीय उत्पादित सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई गई। इन स्थानीय उत्पादों को दुनिया भर के लोगों से साक्षात्कार

हजारीबाग के स्थानीय उत्पादों को इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर प्रदर्शनी स्थल पर खूब सराहना मिली। उपायुक्त ने कहा कि इस प्रकार के बड़े मंच के माध्यम से हम अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध करा सकते हैं। जिले में ऐसी कई संस्थाएं है, जो अच्छा कार्य कर रहे हैं। यह एक सकारात्मक पहल है।

#### चतरा में मिले सरकारी पौष्टिक आहार के हजारों खाली पैकेट

CHATRA : गरीबों के बीच निशुल्क बांटे जाने वाले फूड सप्लीमेंट के हँजारों खाली पैकेट मिले हैं। झारखंड सरकार के द्वारा आंगनबाड़ी केदो के माध्यम से गांव के नवजात, कुपोषित बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं के बीच पौष्टिक आहार बांटे जाते हैं। इन आहार के पैकेट को कहीं खाली कर खाली पैकेट को किनारे फेंक दिया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों एवं महिलाओं के बीच वितरित होने वाले फूड सप्लीमेंट के हजारों खाली पैकेट सडक किनारे रविवार को फेके हुए मिले हैं। फूड सप्लीमेंट के पैकेट आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण बच्चों और महिलाओं के बीच निशुल्क वितरित किए जाते हैं। दर्जनों बोरों में बंद हजारों खाली रैपर सड़क के किनारे पड़े हुए हैं। आधा किलोमीटर के दूरी में हजारों की संख्या में पैकेट और बोरी बिखरे पडे हैं। इधर से गुजरने वाले राहगीर

इन पैकेट को देखकर तरह तरह के

#### हजारीबाग में नशा व चोरी की घटनाओं से तंग ग्रामीणों ने की बैठक

इस प्रशिक्षण की अवधि 63 दिनों



HAZARIBAG : कटकमदाग के खपरियावा में बढ़ती चोरी और महिलाओं से छेड़छाड़ को लेकर रविवार को बैठक मुखिया राजेश गुप्ता कि अध्यक्षता में की गई। बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि खपरियावा में नशा और छेडछाड के कारण गांव का माहौल अशांत हो गया है। साथ ही इन दिनों चोरी कि घटना घटित हो रही है। इसको लेकर यदि अभी से ही ग्रामीण नहीं चेतेंगे तो आने वाले समय मे स्थिति और भी भयावह हो जाएगी। इससे मुक्ति के लिए रविवार को 50 सदस्य की टीम बनाई गई है ताकि इसे रोका जाए। बैठक में कटकमदाग के उप प्रमुख विमल गुप्ता, उप मुखिया प्रतिनिधि बैजनाथ साव, वार्ड सदस्य वीरेंद्र साव, राजकुमार साव, बबलू मिश्रा, रवि गुप्ता, रवि मिश्रा, सुबोध वर्मा, जोगिंदर राम, प्रकाश राम, मंटू वर्मा, रतन दास, संजू पासवान, नरेश पासवान, प्रकाश गुप्ता, संजय साहू, मनोज वर्मा, विवेक गुप्ता, संतोष गुप्ता, सुमित विशाल रंजीत सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

## पुल न होने से गांव तक नहीं पहुंची एंबुलेंस, घर में ही कराया गया प्रसव

सरकार संस्थागत प्रसव को

बढ़ावा देने के लिए कई तरह के

प्रयास कर रही है और इसके लिए प्रोत्साहन राशि भी दे रही है लेकिन गांव तक जाने के लिए पुल नहीं होने के कारण तोरपा प्रखंड के जिलिंगबुरु गांव की मेरी सुरीन का प्रसव घर में ही कराया गया।जिलिंगबुरु गांव जाने के रास्ते में नाला पर बना पुल वर्षों टूटा पड़ा है। नाला में पानी भरा होने के कारण गांव तक वाहन नहीं पहुंच पाता है। जिलिंगबुरु गांव की मेरी सुरीन को शनिवार को प्रसव पीड़ा हुई। इसकी जानकारी सहिया को मिली लेकिन पुल के अभाव में उसे स्वास्थ्य उपकेंद्र तक लाना मुश्किल था। बाद में एएनएम रूपा रानी तिग्गा, सहिया प्यारी केरकेट्टा तथा आंगनबाड़ी देविका शिलवंती कोनगाडी मेरी के घर पहुंची तथा उसका सुरक्षित प्रसव कराया। मेरी



बच्चे को लिए महिला

को पुत्र की प्राप्ति हुई। उल्लेखनीय है कि रोन्हें से जिलिंगबुरु जाने के रास्ते में नाले पर पुल बनाने की मांग ग्रामीण एक वर्ष से भी अध्का समय से कर रहे हैं। यहां बनी पुलिया बरसात में टूटकर बह गयी है। पुल नहीं होने के कारण चार पहिया वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाता है।















#### **BRIEF NEWS** अवैध बाल पर रोक

लगाएं डीसी : सीएम RANCHI: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बालू और लॉटरी के अवैध धंधे पर

उपायुक्तों को तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया पर बोकारो में टैक्टर से बाल की अवैध ढुलाई

करती तस्वीर पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिया। साथ ही अन्य जिलों के डीसी को भी कार्रवाई करने को कहा है। उधर दुमका में लॉटरी के अवैध धंधे पर भी डीसी को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया पर डाली गयी एक खबर के अनुसार दुमका में रातों रात करोड़पति बनने के चक्कर में युवाओं के बर्बाद होने की जानकारी दी गयी है। कहा गया है कि प्रतिबंधित लॉटरी के चक्कर में दुमका के युवा अपनी मेहनत और समय को गवां रहे हैं।

#### लोअपा से अजहर आलम ने दिया इस्तीफा

RANCHI: लोकहित अधिकार पार्टी के प्रधान महासचिव अजहर आलम ने पद से दिया इस्तीफा। उन्होंने



ही साथ हमारे साथ काम करने वाले विश्वसनीय नेताओं के पार्टी हित में दी गई सलाह को भी दरकिनार कर अपने ढंग से पार्टी को चलाया गया। इस कारण कहीं ना कहीं पार्टी को लोकसभा एवं विधानसभा में बहुत अच्छा परिणाम नहीं आया। इससे मन बहुत आहत एवं दुखी है, इसलिए अपने पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। साथ ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे रहा हूं।

#### झारखंड में बढ़े गैस सिलेंडर के दाम

RANCHI: 2024 के अंतिम महीने दिसंबर के पहले दिन ही लोगों को मंहगाई का झटका लगा है। 1 दिसंबर से रांची सहित पूरे झारखंड में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी हुई है। गैस के दामों में बढ़ोतरी होने के कारण अब 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1977 रुपये हो गई है। 1 दिसंबर 2024 से कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 16 रुपये की बढ़ोतरी हुई जिस कारण से अब 19 किलो वाले गैसे सिलेंडर की कीमत 1977 रुपये हो गई है। नवंबर में इसकी कीमत १९६१ रुपये थी। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम लगातार पांचवे महीने बढ़ें हैं। अगस्त में 8 150 रुपये, सितंबर में 38 रुपये, अक्टूबर में 49 रुपये, नवंबर में 61 रुपर्ये और दिसंबर में 16 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अगर 14 किलो वाले घरेलू गैसँ सिलेंडर की बात करें तो इसके दाम पिछले कुछ महीने से स्थिर हैं। फिलहाल रांची में इसका कामत 860 .50 रुपये है । घरेलू गैस की कीमत में अंतिम बार बदलाव मार्च 2024 में देखने को मिला था जिसमें

#### रक्षा राज्य मंत्री ने किया यादव भवन का उद्घाटन

१०० रुपये की कटौती की गई थी।

RANCHI: रक्षा राज्य मंत्री संजय सेंठ ने अपने सांसद मद से यादव भवन का रविवार को उद्घाटन किया। यादव भवन २४०० स्क्वायर फीट में बनाया गया है। इस अवसर पर सांसद संजय सेंठ ने कहा कि किसी भी समाज का अपना भवन होना अनिवार्य है। इस भवन के निर्माण से समाज के गरीब बच्चों की शादी एवं अन्य कार्यक्रम के लिए यह सदुपयोग में काम आयेगा। समाज को आगे बढ़कर इस तरह के कार्य करने चाहिए। जिससे समाज के लोगों को लाभ हो। मेरा प्रयास है जो भी समाज के लोग हैं उनके हर सुख दुख में मैं उनके साथ हमेशा खड़ा रहंगा। प्राथमिकता के आधार पर समाज के हर वर्ग का कार्य मेरी प्राथमिकता में है।

## दो महीने से बंद पड़ा है 60 कमरों वाला रिम्स का रैन बसेरा

**VIVEK SHARMA@RANCHI** 

झारखंड का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल रिम्स कभी अव्यवस्था को लेकर चर्चा में रहता है, तो कभी उपलब्धियों को लेकर। लेकिन, लाख कोशिशों के बाद भी हॉस्पिटल में व्याप्त अव्यवस्था खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रिम्स कैंपस में मरीजों के परिजनों के लिए तीन करोड़ की लागत से बने रैन बसेरा में ताला लंगा दिया गया है। अव्यवस्था का

आलम यह है कि 60 कमरों वाले इस रैन बसेरा में रहने के बजाय लोग हॉस्पिटल के शेड में रात काटने को मजबूर हैं। चार मंजिला रैन बसेरा में अब गंदगी का आलम है। रिम्स में

इलाज कराने के बिहार, झारखंड, ओडिशा और बंगाल से हर दिन ढाई हजार मरीज पहुंचते है। जिसमें इमरजेंसी में 500 मरीज होते है। जबिक ओपीडी में 2000 मरीज इलाज

### तीन करोड़ की लागत से कराया गया था निर्माण, बेड-पंखा और टॉयलेट की मिल रही थीं सुविधाएं 50 रुपये में मिलता था 24 घंटे के लिए कमरा, अब आलम यह कि चारों ओर फैली हुई है गंदगी



#### 2015 में किया गया था उद्घाटन

बता दें कि इस रैन बसेरा का उद्घाटन 12 अगस्त 2015 को तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी ने किया था। रैन बसेरा में रहने के लिए हर दिन प्रत्येक व्यक्ति से 50 रुपए चार्ज लिए जाते थे। इसके तहत मरीजों को रूम में बेड, बेडशीट और पंखा की सुविधा मिल रही थी। ये सुविधा 24 घंटे के लिए होती थी। इसके अलावा हर फ्लोर पर टॉयलेट और बाँथरूम भी थे।

#### बेसमेंट में चल रहा हेल्थमैप

रैन बसेरा के बेसमेंट फ्लोर में ही हेल्थमैप सेंटर चल रहा है। वहां भी हजारों मरीज जांच कराने के लिए आते है। सेंटर के संचालन के लिए रिम्स ने ये जगह उपलब्ध कराई है। वहीं रैन बसेरा से भी रिम्स को कमाई हो रही थी। लेकिन, बंद कर दिए जाने से मरीजों के परिजनों को परेशानी तो हो ही रही है। वहीं रिम्स को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसके बावजूद रैन बसेरा को इस तरह से बंद कर देना समझ से परे है।



हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों के परिजनों को ये कमरा एडिमशन स्लिप दिखाकर मिल जाता था। इसके बाद परिजनों को कमरा आवंटित कर दिया जाता था। 50 रुपये में परिजन आराम से एक कमरे में रह रहे थे। इतना ही नहीं गेट बंद करने के बाद वे और उनका सामान भी सुरक्षित रहता था। यह सुविधा समाप्त होने के बाद अब मरीजों के परिजन परेशान हो रहे हैं।

#### दुकान लगाने वालों का अवैध कब्जा

अस्पताल कैंपस में सैंकड़ों दुकानें लग रही हैं। उनमें से कुछ दुकानदारों ने अवैध रूप से रैन बसेरा में भी कब्जा जमा लिया है। रैन बसेरा के पीछे से वे अपना सामान रख रहे हैं। वहीं से हर दिन अपनी दुकान लगाते हैं। दुकान का सारा सामान भी वहीं रख रहे हैं। इस काम के लिए न तो उन्हें कोई किराया देना होता है और न ही उन्हें कोई टेंशन होती है। कुछ लोग तो वहां पर अवैध रूप से रहने भी लगे हैं। इससे सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिम्स प्रशासन और प्रबंधन को इस गंभीर समस्या पर विचार करके शीघ्र इसका हल निकालना चाहिए। पूरे राज्य से इस अस्पताल में आने वाले मरीजों के परिजनों की सुविधा इस तरह समाप्त नहीं की जानी चाहिए।

### विश्व एड्स दिवस पर संत जेवियर्स कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

## झारखंड में एचआईवी के 17 हजार मरीज, हजारीबाग में सर्वाधिक

रविवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर संत जेवियर्स कॉलेज में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबू इमरान थे। अतिथियों ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का एचआईवी संक्रमण दर कम है, लेकिन हजारीबाग जिला में उच्च संक्रमण दर है। वहां एनजीओ और कैम्प के माध्यम से उच्च जोखिम वाले समुहों की पहचान की जा रही है। साथ ही लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। अभियान निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि एड्स एक संक्रामक और जानलेवा बीमारी है। जिसका सही समय पर जानकारी मिलने से ही बचाव और उपचार संभव है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में करीब 17,000 एड्स मरीज हैं। सरकार ने एचआईवी संक्रमित मरीजों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें कंबल वितरण और अन्य सहायता

#### सरकार ने एचआईवी संक्रमित मरीजों के लिए शुरू की कई योजनाएं, मिल रहा इसका लाभ



जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि।

के माध्यम से मुफ्त इलाज दिया जाता है।

राज्य में चल रहें 59 आईसीटीसी सेंटर

वहीं रेड रिबन क्लब के सदस्य, संत जेवियर्स कॉलेज के स्टूडेंट्स और

एनएसएस के सदस्य उपस्थित थे। जहां पर नर्सिंग के स्टूडेंट्स ने नुक्कड

नाटक के माध्यम से एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

झारखंड में २००२ से एडस कार्यक्रम की शरूआत हुई थी। आज राज्य में ५९

एचआईवी परीक्षण किया जाता है। पॉजिटिव पाए जाने पर उन्हें एआरटी सेंटर

कार्यक्रम के दौरान विवज और पेंटिंग प्रतियोगिता में स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट

किया। असिस्टेंट प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ एस एस पासवान ने बताया कि

आईसीटीसी सेंटर कार्यरत हैं। इन सेंटरों में हाई रिस्क ग्रुप के लोगों का

उन्होंने यह भी कहा कि एडस के • फोटोन न्यूज

प्रसार को रोकने के लिए धार्मिक स्थानों, बाजारों और जेलों में जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, चूंकि एचआईवी के केस जेल में भी मिल रहे है। साथ ही यवाओं को अनसेफ सेक्स प्रैक्टिस से बॅचने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में सिविल सर्जन रांची डॉ . प्रभात कुमार, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक अणिमा किस्कू सत्यप्रकाश प्रसाद, रवि शंकर और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

#### रांची में 203 केस गढवा में एक भी नहीं सभी जिलों में डिलीवरी के लिए

आने वाली महिलाओं की स्क्रीनिंग की जाती है। वहीं उनके पति का भी एचआईवी टेस्ट कराया जाता है। इस दौरान पिछले ८ महीने में एचआईवी के सबसे ज्यादा 203 केस रांची में मिले है। गढवा में पिछले 2 साल में एचआईवी का एक भी नया मामला सामने नहीं आया है।

#### ८ माह में इन जिलों में मिले मरीज

Trici acioi		
बोकारो	70	
कोडरमा	74	
धनबाद	124	
दुमका	81	
पलामू	87	
गिरिडीह	72	
पूर्वी सिंहभूम	194	CULE
रांची	203	
हजारीबाग	149	
साहिबगंज	49	A THE YEAR

## तैयार किया जा रहा द्वितीय अनुपूरक बजट, विधानसभा के शीतकालीन सत्र में होगा पेश



**PHOTON NEWS RANCHI:** झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में राज्य सरकार दित्तीय अनुपूरक व्यय 2024-25 पेश करेगी। वित्त विभाग ने इसके लिए सभी विभागों को पत्र लिखा है। विधानसभा का सत्र नौ दिसंबर से 12 दिसंबर तक चलेगा। ऐसे में वित्त सचिव ने कहा है कि भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित योजना, केंद्रीय सेक्टर स्कीम की हिस्सेदारी में परिवर्तन के फलस्वरूप यदि बजट में संशोधन अपेक्षित है, तो उसका प्रस्ताव तैयार करके दें। विगत वर्ष, चालू वित्तीय वर्ष में केंद्र प्रायोजित

स्कीम या केंद्रीय सेक्टर स्कीम में

भारत सरकार से राशि प्राप्त हो गई

है और उसका उपबंध, व्यय नहीं

किया गया है या उपबंधित राशि

अपर्याप्त हे तो उसके अनसार

#### माणिक लाल हेंब्रम बने विस के सचिव

झारखंड विधानसभा के संयुक्त संचिव माणिक लाल हेंब्रम को विधानसभा का सचिव बनाया गया है। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय के अवर सचिव जितेंद्र कुमार ने शनिवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके मुताबिक, माणिक लाल को एक दिसंबर से अगले आदेश तक झारखंड विधानसभा के सचिव पद का प्रभारी बनाया जाता है।

प्रस्ताव दें। केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं के तहत भारत सरकार द्वारा निर्धारित किए गए शेयरिंग पैर्टन के अनुरूप केंद्रांश एवं राज्यांश के अतिरिक्त राज्य के अपने संसाधानों से प्रस्तावित व्यय टॉप अप के रूप में लिया जाएगा। प्रस्ताव ऑनलाइन या ऑफलाइन दिया जा सकता है।

## 'सरकार ने ट्रेजरी के 2812 जनता व्हाट्सएप पर करोड़ अपनी झोली में डाले'

**PHOTON NEWS RANCHI:** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हाल ही में ट्रेजरी से 2.812 करोड निकाले गये हैं, जिसे सरकार अपनी झोली में डालकर बैठी है। मरांडी ने कहा कि यह पैसा विकास कार्यों में खर्च करने के बजाय सरकारी और उनके मुलाजिमों की तिजोरी में डालने की साजिश चल रही है। आगे कहा कि जब इस राशि का हिसाब मांगा गया, तो सरकार ने चुप्पी साध ली। मरांडी ने अपनो पोस्ट में आगे कहा कि भ्रष्टाचार इतना बढ़ चुका है कि एक विभाग का पैसा दसरे विभाग वाले निकालकर हजम कर रहे हैं।

विकास के नाम पर जनता के पैसे



का दुरुपयोग हो रहा है। यह विकास की राह में सबसे बड़ी रुकावट है। बाबुलाल ने आगे कहा कि विकास का पैसा विकास में लगाइये, ना कि अपनी तिजोरी का वजन बढ़ाइये। सरकार को जनता के पैसे का हिसाब देना होगा और इसका सही इस्तेमाल सुनिश्चित करना होगा। मरांडी के इस पोस्ट के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

## कर सकेगी शिकायत

RANCHI - राची डीसी मजनाथ भजंत्री पदभार लेने के बाद रेस हो गये हैं। जनों की शिकायतों के लिए एक दिसंबर) से शुरू होगा। इस नंबर पर रांची की जनता 24\*7 शिकायत कर सकेंगे। संबंधित विभाग लोगों की प्राप्त होने वाले शिकायतों को ससमय निराकरण के लिए संबंधित विभाग को भेजा जायेगा। शिकायत पर की गयी पर उपलब्ध कराना होगा।

वे लगातार पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जनता की समस्याओं पर चर्चा कर रहे हैं। शिकायत लेकर समाहरणालय पहंचने वाली जनता को किसी तरह की परेशानी ना हो, इसको लेकर भी डीसी ने पदाधिकारियों को कई निर्देश भी दिये हैं। डीसी के निर्देश पर जिला प्रशासन आम व्हाट्सएप नंबर 9430328080 जारी कर रहा है, जिसमें जनता अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। यह नंबर सोमवार (2 समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेगा और उसका समाधान करेगा। इसके लिए तीन पारियों में दो-दो कर्मियों और पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है। प्रत्येक सप्ताह के शनिवार के दिन जनता के शिकायतों की समीक्षा की जायेगी। इसमें लोगों से कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन समय–समय

## एटीएस के साथ मिलकर जिला पुलिस चलाएगी ज्वाइंट ऑपरेशन

## रंगदारी के लिए दहशत फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी

राजधानी रांची में कछ आपराधिक तत्व रंगदारी के लिए एक्टिव होने की कोशिश करने लगे हैं। इसका नतीजा यह है कि कछ स्थानों पर अपराधियों द्वारा आगजनी और फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया गया है। ऐसे आपराधिक गिरोहों पर नकेल कसने के लिए रांची में एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वाड का गठन किया गया है। एक्सटॉर्शन के मामलों में एटीएस भी जिला पलिस के साथ सहयोग करेगी। राजधानी रांची में रंगदारी के लिए दहशत फैला रहे अपराधी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी की गई है। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने



लगातार मिल रही चुनौती : बता दें कि राजधानी रांची के ग्रामीण इलाकों में उग्रवादी संगठनों के अलग होकर बने छोटे छोटे आपराधिक गुट और कुछ संगठित आपराधिक गिरोह पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। सभी का एक मात्र उद्देश्य रंगदारी वसूलना है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि ऐसे तत्वों पर नकेल कसने के लिए रांची में एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वाड का गढन किया गया है। एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वाड को डीएसपी रैंक का अधिकारी लीड कर रहे हैं।

बताया कि एटीएस और जिला पुलिस एक साथ ऑपरेशन कंडक्ट करने के साथ इन गिरोहों के गुर्गों

की प्रोफाइलिंग की तैयार की जा है. उसके सहयोग से दशक फैला रही है। एटीएस के पास आपराधिक

राजधानी रांची में हाल के दिनों में दो ऐसी वारदात हुई हैं, जिसमें बताया जा रहा है कि गैंगस्टर सजीत सिन्हा का हाथ है। ओरमांझी में हुई फायरिंग की वारदात में दो लोग घायल हुए थे। इस मामले में सूजीत सिन्हाँ सहित उसकी पत्नी पर भी एफआईआर किया गया है। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि सुजीत सिन्हा की गिरोह के अपराधी फरार चल रहे हैं, लेकिन

पुलिस उनके पीछे लगी हुई है।

गैगस्टर सुजीत के

गुर्गों की तलाश

रहे अपराधिक गटों को सलाखों के गिरोहों की जो प्रोफाइलिंग की गई

#### सदर अस्पताल : बेडों की संख्या बढ़ाने के साथ एक अलग यूनिट बनाने की भी तैयारी

## गर्भवती महिलाओं के लिए बनाए जाएंगे 40 अतिरिक्त बेड

मरीजों की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए रांची सदर अस्पताल में लगातार बेहतर करने का प्रयास जारी है। इस कड़ी में अस्पताल में गर्भवती महिलाओं को इलाज में परेशानी न हो, इसके लिए अब 40 अतिरिक्त बेड बढ़ाने की तैयारी है। सिविल सर्जन प्रभात कुमार ने बताया कि बड़ी संख्या में महिलाएं सदर में प्रसव के लिए पहुंचतीं हैं। इसके अलावा अन्य स्त्री एवं प्रसूति रोग की समस्याओं के साथ इलाज के लिए आती है। कई बार बेड नहीं मिल पाता। इस समस्या को देखते हुए ४० बेड बढ़ाए जाने हैं, ताकि किसी को बेड की कमी के कारण इलाज से वंचित नहीं रहना पड़े। 40 बेड बढ़ाने के साथ एक अतिरिक्त यूनिट भी तैयार हो जाएगा। बेड के साथ महिलाओं को बेहतर इलाज के लिए ट्रेंड स्टाफ की संख्या भी बढ़ाई जानी है। इस दिशा में काम किया जा रहा है। जल्द ही इस व्यवस्था को शुरू कर दिया जाएगा।

#### मरीजों की बेहतर देखरेख के लिए ट्रेंड स्टाफ की संख्या बढ़ने पर भी किया जा रहा काम

प्रसव के अस्पताल, राँची बाद भी मॉनिटरिंग के लिए व्यवस्था को और किया जाएगा

### आईसीयू का भी होगा इंतजाम, नहीं होगी परेशानी

सदर अस्पताल में इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) की कमी के कारण कई बार क्रिटिकल मामलों में गर्भवती महिलाओं को सदर से रिम्स रेफर कर दिया जाता है। ऐसा न करना पड़े, इसलिए महिलाओं के लिए

आईसीयू और ट्रेंड स्टाफ की भी व्यवस्था की जाएगी। जल्द ही जल्द आईसीयू की व्यवस्था कर दी जाएगी, ताकि देर रात आने वाली गंभीर अवस्था में गर्भवती महिलाओं को रेफर न करना पड़े।

#### ओटी के बाहर नहीं करना पड़ेगा इंतजार

सदर अस्पताल में गर्भवती जब प्रसव के लिए आती हैं, तब ओटी के बाहर वेटिंग के लिए भी बेड नहीं मिल पाता। उन्हें युनिट के बाहर बरामदे और वेटिंग एरिया में लगी कुर्सियों पर इंतजार करना पड़ता हैं। सदर में औसतन 40 महिलाओं का प्रसव कराया जाता है। प्रसव के बाद भी मॉनिटरिंग के लिए बेड की संख्या कई बार कम पड़ जाती है। ऐसे में महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है, इसलिए यहां भी 10 से 15 बेड बढ़ाए जाएंगे। इन सुविधाओं को बढ़ाने से मरीजों के इलाज की व्यवस्था मजबूत हो सकेगी।

#### भाजपा कार्यालय के बाहर कुशवाहा समाज ने किया प्रदर्शन

RANCHI: झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद पार्टी कें अंदर खींचतान की तस्वीरें सामने आने लगी है। एक तरफ पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दो दिवसीय समीक्षा बैठक चल रही है। वहीं दूसरी तरफ कार्यालय के बाहर कुशवाहा समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कुशवाहा समाज के विधायक शशिभषण मेहता को नेता प्रतिपक्ष बनाया जाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर भाजपा कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर वे यह जताने की कोशिश की कि पार्टी में कुशवाहा समाज का प्रतिनिधित्व मॅजबूत होना चाहिए। इधर भाजपा के कछ नेताओं ने आरोप लगाया है कि विधायक शशिभूषण मेहता के समर्थकों ने कार्यालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया. ताकि पार्टी पर दबाव बनाया जा सके। पार्टी सूत्रों का कहना है कि हार के बाद पार्टी के भीतर असंतोष के सुर तेज हो गये हैं।

### वैष्णो देवी मंदिर में ११ दिसंबर को होगा अखंड हरि कीर्तन



#### **PHOTON NEWS RANCHI:** रविवार को माता वैष्णो देवी मंदिर

परिसर बांस टोली इटकी रोड रांची में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। सर्वसमिति से 11 दिसंबर को 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन के आयोजन का निर्णय लिया गया। कीर्तन का समापन 12 दिसंबर को 1 बजे दिन में होगा। इसके बाद 3 बजे से महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में मशहूर मां कालेश्वरी कीर्तन मंडली

हंटरगंज के बसंत लाल माधव, रविंद्र शर्मा, सरयून यादव, कालेश्वर यादव, सूर्यदेव यादव और अन्य भक्तों द्वारा भक्ति संगीत प्रस्तुत किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर सहमति मिल गई। बैठक में मंदिर के पुजारी सुबोध कुमार मिश्रा, सरयू शर्मा, केपी यादव, जयप्रकाश सिंह, रमाकांत शर्मा, शिव किशोर शर्मा, संतोष शर्मा, सत्यानंद शर्मा, विजय समेत अन्य मौजूद थे।

## खेत से तोड़ कर खाया खीरा 12 वर्षीय बच्चे की हो गई मौत

किसान ने किया था कीटनाशक का छिड़काव, 6 अन्य बच्चे बाल-बाल बचे

PHOTON NEWS JSR:

पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा थाना क्षेत्र अंतर्गत नैंगजुड़ी गांव के सात बच्चे पश्चिम बंगाल के बांदोवान की ओर घमने निकले थे। इसी बीच रास्ते में उन्होंने एक खेत से तोड़कर खीरा खाया, जिसमें 12 वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। दरअसल, सातों बच्चे रविवार को चार साइकिल पर सवार होकर घूमने निकले थे। घर से करीब 10 किलोमीटर दूर टोटको नाला के पास पश्चिम बंगाल के बांदोवान थाना क्षेत्र में एक खेत में खीरा देखकर बच्चों ने तोडकर खाना

बताया जा रहा है कि 12 वर्षीय विजय बास्के ने खीरा बिना धोए ही खा लिया, जबकि उसके बाकी साथियों ने पानी से धोकर खाया। बिना धोए खीरा खाने से

JAMSHEDPUR : वृहद झारखंड कला संस्कृति मंच द्वारा 5

जनवरी को डहरे टुसु का

आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर

रविवार को करम आंखड़ा कमेटी,

बालीगुमा में बैठक हुई। इसमें

वक्ताओं ने बताया कि यह

कार्यक्रम जमशेदपुर में तीसरी बार

आयोजित किया जा रहा है,

जिसमें डहरे दुसु की परंपरा को

जीवंत करने के लिए लोक नृत्य व

लोक संगीत सहित विभिन्न

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

**PHOTON NEWS JSR:** 

सुबह 9 से 10 बजे के बीच

अफरातफरी का माहौल बन गया।

दरअसल सुबह अचानक दो ट्रेनों के

प्लेटफॉर्म बदलने से लोगों को काफी

परेशानी का सामना करना पडा।

लोग अपना सामान लेकर किसी

तरह एक से दूसरे स्टेशन की ओर

दौड़ते दिखे। इस दौरान बुजुर्ग और

वैसे यात्री, जिनके पास सामान

ज्यादा था, मुसीबत में आए। सुबह

9 बजे लगातार सूचना दी जा रही

थी कि आरा से आने वाली ट्रेन

नंबर-13288 आरा-दुर्ग दक्षिण

बिहार एक्सप्रेस 3 नंबर प्लेटफॉर्म

पर आएगी, इसी बीच अचानक

सूचना दी गई कि अब ट्रेन प्लेटफॉर्म

नंबर 4 पर आएगी। इसके बाद तो

जैसे अफरा तफरी मच गई। दर्जनों

लोग अपना सामान लेकर प्लेटफॉर्म

नंबर 4 की ओर भागने लगे। इसी

डहरे टुसू ५ जनवरी को, तैयारी

बालीगुमा में बैठक करते झारखंड कला संस्कृति मंच के सदस्य 🏻 • फोटोन न्यूज

ओडिशा और छत्तीसगढ़

सांस्कृतिक प्रेमी भाग लेंगे। इससे

पहले मंच द्वारा पूरे झारखंड में 3

साल के दौरान 13 डहरे कार्यक्रम

का आयोजन किया जा चुका है।

बैठक में दीपक रंजीत, दिलीप

कुमार महतो, मंटू महतो, संतोष

कुमार महतो, प्रताप महतो, अंकुर

कुमार महतो, चंदन महतो, सुमन

महतो, बिरसा महतो, प्रकाश

महतो, राजेश महतो, चंदन महतो,

इंद्रजीत महतो, बुद्धेश्वर महतो,

महेश महतो, सुचांत महतो,

काकोली महतो आदि उपस्थित थे।

दक्षिण बिहार एक्स. व हावड़ा-रांची वंदेभारत

का प्लेटफॉर्म बदला, मची अफरातफरी

कुछ ट्रेनों को री-शिड्यूल कर चलाया जाएगा।

एक्सप्रेस हावड़ा से 5 घंटे री-शिड्यूल होकर चलेगी।

• इतवारी टाटानगर इतवारी एक्सप्रेस

बीच प्लेटफॉर्म नंबर-5 पर लोग

हावडा-रांची वंदेभारत एक्सप्रेस का

इंतजार कर रहे थे। ट्रेन आने के

ठीक पहले प्लेटफॉर्म बदलने की

सूचना जारी हुई। सुबह 9.40 बजे

अनाउंसमेंट किया जाने लगा कि

अब टेन 3 नंबर प्लेटफॉर्म पर आने

वाली है। लोग किसी तरह अपना

लगेज लेकर फिर सीढ़ी चढ़कर

चक्रधरपुर रेल मंडल में पांच को मेगा ब्लॉक

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल

मुख्यालय स्थित चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के पुराने फुटओवर ब्रिज हटाने एवं

सोनुआ में नया फुटओवर ब्रिज लगाने के लिए 3 दिसंबर को चक्रधरपुर रेल

ये ट्रेनें रहेंगी रद्द : • हावड़ा काटाबाजी टिटलागढ़ इस्पात एक्सप्रेस

मंडल के चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन में 5 घंटे का मेगा ब्लॉक रहेगा। इसके कारण

चक्रधरपुर रेल मंडल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है।

• चक्रधरपुर राउरकेला चक्रधरपुर मेमू • राउरकेला टाटानगर राउरकेला मेमू

री-शिड्यूल होकर चलने वाली ट्रेनें : • पुणे संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस से

2 घंटे री-शिड्यूल होकर चलेगी। • नई दिल्ली संतरागाछी सुपर फास्ट एक्प्रेस

नई दिल्ली से 1.30 घंटे री-शिड्यूल होकर चलेगी। • हावड़ा मुंबई दुरती

में जुटा कला संस्कृति मंच



अस्पताल में बैठे बच्चे

विजय की तबीयत तुरंत बिगड़ गई और वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग पहुंचे और सभी बच्चों को कांकीडीह स्थित नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में जांच के दौरान चिकित्सक ने विजय बास्के को मत घोषित कर दिया। बाकी छह बच्चे फिलहाल खतरे से बाहर हैं। घटना की जानकारी मिलते ही कमीर पंचायत के मखिया दीपक कुमार मुदी, समाजसेवी

मलेरिया का प्रकोप बढ़ा, दर्जनों अस्पताल में भर्ती



CHAKRADHARPUR: चक्रधरपुर प्रखंड के विभिन्न गांवों में मलेरिया का प्रकोप बढ़ गया है। चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में मलेरिया तथा ब्रेन मलेरिया के 8 मरीज भर्ती हैं। चक्रधरपुर प्रखंड के सुरबुड़ा पंचायत के ग्राम आराहांगा गांव निवासी लोकनाथ तांती, धनगांव गांव निवासी तुराम पूर्ति, डुगसुग पूर्ति, गुड़ासाई गांव निवासी जुगसिंह बांकिरा, कुलीतोडांग गांव निवासी फुलमनी जींको, तिलोपदा गांव निवासी 12 वर्षीय जोबना पूर्ति तथा ब्रेन मलेरिया पीड़ित धरमसाई गांव निवासी ३ वर्षीय बालक आदिरिया जामुदा तथ धनगांव गांव निवासी ५ वर्षीय तुलसी पूर्ति शामिल हैं। सभी मरीजों का चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। नुमंडल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अंशुमन शर्मा ने बताया कि ठंड बढ़ते ही मलेरिया प्रकोप ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ जाता है। इसलिए ग्रामीणों को मच्छरदानी का प्रयोग जरुर करना चाहिए। मच्छरदानी के प्रयोग से मलेरिया की रोकथाम की जा सकती है। इसके साथ ही लोगों को गरम पानी का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए। फिलहाल सभी मरीजों को अस्पताल में मलेरिया की दवा दी जा रही है।

हरिहर टुडू और झामुमो नेता सुभाष कर्मकार अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

मानगो, जमशेदपर

– डॉ. संतोष गुप्ता, चिकित्सक

• फोटोन न्यूज

कीटनाशक का छिड़काव

ज्यादा मात्रा में किया गया

होगा। आखिर किस

हुई, यह पोस्टमार्टम से ही पता

परिवार को पोस्टमार्टम जरूर

एक छात्र का

फंदे पर झुलता

किया गया है।

मतक छात्र के

पिता का आरोप

है कि उसके बेटे

नहीं की है। उसके बेटे की हत्या कर

शव को फंदे पर लटकाया गया है। एक

भी बड़ा सवाल खड़ा कर दियाँ है। छात्र

का नाम उचित महतो है। उचित महतो

था। 17 साल के उचित महतो ने इसी

साल अगस्त महीने में पश्चिम सिंहभूम

के पॉलीटेक्निक कालेज में दाखिला

लिया था। कुछ दिनों से चल रही

कॉलेज की छुट्टियों में वह बोकारो

को वह वापस पॉलीटेक्निक कालेज

लौटा था। पॉलीटेक्निक कालेज के

कॉलेज के प्रिंसिपल ने फोन कर

हॉस्टल में रहकर वह पढ़ाई करता था।

30 नवंबर को उचित महतो के पिता को

हुआ शव बरामद

चलेगा। मेरी सलाह है कि पीड़ित

केमिकल की वजह से तत्काल मौत

स्थानीय लोगों के अनुसार, जिस कीटनाशक का छिड़काव किया खेत में खीरा उगाया गया था, था। इस घटना के बाद क्षेत्र में उसमें सुबह ही किसान ने

### परसुडीह मंडी की बदहाली पर झारखंड चैंबर ने जताई चिंता



चैंबर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने रविवार को परसुडीह बाजार समिति का दौरा कर कृषि मंडी की बदहाल स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान समिति ने मंडी में दकानों, गोदामों और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त की। चैंबर सदस्यों ने कहा कि मंडी की दुकानें और गोदाम जर्जर हालत में हैं। सड़कों की स्थिति बेहद खराब है। व्यापारियों ने बताया कि मंडी में न तो सफाई की समुचित व्यवस्था है, ना व्यापारियों और ग्राहकों की सुरक्षा का ध्यान रखा जा रहा है। इसके अलावा मंडी में पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इस दौरान झारखंड चैंबर के सदस्य शैलेश अग्रवाल, अमित शर्मा, रोहित पोद्दार, व्यापार मंडल जमशेदपुर के अध्यक्ष दीपक भालोटिया, उपाध्यक्ष पवन नरेडी और सचिव दिलीप अग्रवाल भी मौजूद रहे।

#### समाचार सार

प्राचार्य डॉ. रवींद्र चौधरी नेपाल में सम्मानित

GHATSILA: घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डा. रवींद्र कुमार चौधरी को नेपाल के विराटनगर में रविवार को मान इंटरनेशनल अवार्ड-2024 से सम्मानित किया गया। यह अंतरराष्टीय सम्मान इन्हें मैथिली एसोसिएशन, नेपाल की ओर से नेपाल के पर्यटन, वन व पर्यावरण मंत्री सदानंद

मंडल ने प्रदान किया। इस आयोजन में नेपाल व भारत के प्रमुख व्यक्तित्व को

विभूषित किया गया। प्राचार्य डॉ. चौधरी को यह सम्मान शिक्षा एवं मैथिली लेखन के क्षेत्र में उत्कष्ट सेवा के लिए प्रदान किया गया।

#### काशिदा में खुला आनंदमार्ग का ज्ञान मंदिर

GHATSILA: आनंदमार्ग प्रचारक संघ महिला विभाग ने काशिदा

पंचायत के प्रेमनगर गांव में नया ज्ञान मंदिर खोला है, जिसका उद्घाटन रविवार को किया गया। इस मौके पर 6 घंटे का बाबा नाम केवलम कीर्तन भी हुआ। इस संबंध में श्यामलेंद्र सीट ने बताया कि क्षेत्र के स्कूली बच्चों के



बीच कॉपी तथा पेंसिल का वितरण किया गया। होम्योपैथी व एलोपैथी स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ गांव के लोगों ने लिया। इस मौके पर दीपा शिवा कोटी, आनंदमार्ग के संन्यासी आचार्य सुचिथानेंद अवधृत, आनंद करुणा अवधृत व सचिव आचार्य शांत शिवानंद अवधृत भी उपस्थित थे।

#### रक्तदान शिविर में कुल 80 यूनिट रक्त संग्रह

GHATSILA: सोशल वेलफेयर कमेटी, अलमानार सोशल सर्विस

जमशेदपुर व कुर्मी विकास समिति के संयक्त तत्वाधान में रविवार को पंचायती धर्मशाला घाटशिला में रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 80 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर में विधायक



रामदास सोरेन, विशिष्ट अतिथि मुखिया पार्वती मुर्मू, उपप्रमुख गोपाल कृष्ण अग्रवाल, समाजसेवी फकीरचंद अग्रवाल, एसएन जैन, थाना प्रभारी मधुसुदन दे, प्रो इंदल पासवान, जगदीश भगत, हाजी सतरुद्दीन आदि ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। शिविर को सफल बनाने में सोशल वेलफेयर कमेटी के अध्यक्ष मो. शोएब, सचिव रहमत अंसारी, मो. शाहिद, कोषाध्यक्ष शकील अहमद आदि सक्रिय रहे।

#### टिनप्लेट के शिविर में 40 युनिट रक्त संग्रह

JAMSHEDPUR: संस्था नई चेतना ने रविवार को टिनप्लेट स्कूल में रक्तदान शिविर लगाया, जिसमें 40 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। मजदुर नेता सिद्धेश्वरी चौधरी की स्मृति में लगे शिविर को सफल बनाने में अभिषेक चौधरी, उमेश उपाध्याय, करण सिंह, शिव



थापा. अरविंद सिंह, संदीप श्रीवास्तव, चंदन सिंह, मोहम्मद सलीम, रफी आलम, पंकज ठाकर आदि सक्रिय रहे।

#### क्विज में बनटोला चाईबासा को मिला पहला स्थान

CHAIBASA: आदिवासी विकास समिति धूमकुडिया के तत्वाधान में

टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से गोकुलधाम सेन टोला में रविवार को कोल्हान प्रमंडलीय क्विज हुआ, जिसमें कोल्हान के विभिन्न क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं ने



में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को परस्कत किया गया। वहीं नौकरी प्राप्त करने वाले युवाओं को भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में पहला स्थान बन टोला चाईबासा, द्वितीय स्थान गीतिलिपि चाईबासा और ततीय स्थान स्टेट लाइब्रेरी चाईबासा ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक दीपक बिरुवा व विशिष्ट अतिथि सुभाष बनर्जी एवं अन्य उपस्थित थे।

#### गंगा प्रसाद को मिलेगा मिलिंद स्मृति सम्मान

JAMSHEDPUR: कवि निर्मल मिलिंद स्मृति सम्मान से गंगा प्रसाद अरुण को सम्मानित किया जाएगा। इन्हें 11 हजार रुपये नकद और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। गंगा प्रसाद अरुण हिंदी और भोजपरी के लोकप्रिय साहित्यकार हैं। ये लंबे समय से लेखन कार्य से जुड़े रहे हैं। मुख्य रूप से



इन्होंने गीत और गजल विधा में रचनाएं की हैं। इनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हैं। इनमें हहरत हियरा, अंगना महुआ झड़ल, तीन डेगे त्रिलोक, गजल गवाह बनीं, द्वंद समास (भोजपुरी) तिरती सी परछाइयां, प्रेम न बाड़ि उपजे, मनुवां मनगीत लिखे ( हिंदी ) मुख्य हैं। इन्होंने लकीर, रचनाकार, पत्रिकाओं के साथ-साथ अनेक ग्रंथों का संपादन किया है।

### एड्स के प्रति जागरूकता को टीएमएच ने कराया वॉकथॉन



वॉकथॉन को झंडी दिखाते टाटा स्टील के वीपी-सीएस चाणक्य चौधरी

JAMSHEDPUR: टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) ने विश्व एड्स दिवस पर रविवार को वॉकथॉन का आयोजन कराया। इसकी शुरूआत सुबह 6.30 बजे टीएमएच स्थित जेएन टाटा की प्रतिमा से हुई। टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट सर्विसेज) चाणक्य चौधरी ने झंडी दिखाकर इसका उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि चाणक्य चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज को एड्स के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एड्स से ग्रस्त हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान मिले। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, स्वास्थ्य कर्मी और युवा शामिल हुए। यह आयोजन न केवल एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास था, बल्कि समाज में एड्स सर्वाइवर्स के प्रति संवेदनशीलता और सहानुभूति को बढ़ाने का भी संदेश था।

#### पॉलीटेविनक कालेज में नशे में धुत्त युवक ने मचाया उत्पात छात्र का फंदे पर झुलता शव बरामद, जांच शुरू दो घंटे तक परेशान रहे ग्रामीण CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभम जिले के जगन्नाथपुर पॉलीटेक्निक कॉलेज में

बंगाल के बांदोवान का रहने वाला है युवक, दो बार कुएं में लगाई छलांग

पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा थाना क्षेत्र अंतर्गत लावा गांव में रविवार सुबह करीब 8 बजे एक सिरिफरे युवक ने जमकर उत्पात मचाया। दो घंटे तक गांव के लोग परेशान रहे।

सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान बृंदावन दास मौके पर पहुंचे। जांच में युवक की पहचान पश्चिम बंगाल के बांदोवान थाना क्षेत्र के कड़मो गांव निवासी समीर गोराई (25) के रूप में हुई। उसके पिता का नाम सुबल गोराई है। समीर अपने पिता के साथ जमशेदपुर में मजदूरी करता है और नशे की लत के कारण उसकी मानसिक स्थिति बिगड



कुएं से युवक को निकालते पुलिस के जवान

चलती गाड़ी से कूदा, घर में घुसकर किया हंगामा

रविवार सुबह समीर जमशेदपुर से अपने गांव लौट रहा था। रास्ते में जलडहर पेट्रोल पंप के पास उसने अचानक सवारी वाहन से छलांग लग राहेरडीह टोला के एक घर में घुस गया और जमकर हंगामा किया। जब ग्रामीणों ने उसे वहां से बाहर निकाला, तो उसने पास के सिंचाई कए में छलांग लगा दी।

#### दोबारा कुएं में कूदा, पुलिस ने किया गिरफ्तार ग्रामीणों ने युवक को कुएं से बाहर

निकाला। एक स्थानीय व्यक्ति ने उसकी मदद करने की कोशिश की लेकिन युवक ने गाली-गलौच करते हुए फिर से कुएं में छलांग लगा दी। सूचना पर पहुँची पटमदा पुलिस युवक कों कुएं से बाहर निकालकर थाने ले गई। पुलिस युवक की लत और मानसिक स्थिति की जांच कर रही है।

#### जिले के 13 केंद्रों पर 4572 अभ्यर्थियों ने दी चौकीदार बहाली की परीक्षा



JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के 13 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को चौकीदार भर्ती लिखित परीक्षा हुई, जिसमें ४५७२ अभ्यर्थी शामिल हए। एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनिकेत सचान ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। वहीं स्थापना समाहर्ता मृत्युंजय कुमार व जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी भी भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों के विधि व्यवस्था संधारण का जायजा ले रहे थे। एडीएम ने निरीक्षण के दौरान प्रतिनियुक्त स्टैटिक, गश्ती, उड़नदस्ता, पुलिस पदाधिकारियों को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से परीक्षा संचालन व संपन्न कराने को लेकर दिशा निर्देश दिए। सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में कदाचार के आरोप में 18 परीक्षार्थी निष्कासित किए गए। परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बल के अलावा महिला पुलिस की भी तैनाती



असंगटित मजदूरों का १५ को

धतकीडीह में महासम्मेलन

साकची में पत्रकारों को संबोधित करते सपन घोषाल

• फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : ठेका व असंगठित मजदूरों का महासम्मेलन 15 दिसंबर को धतकीडीह की मुखी बस्ती स्थित ठक्कर बापा हॉल में होगा। साकची स्थित भाकपा कार्यालय में रविवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में एटक के महासचिव सपन कुमार घोषाल ने बताया कि 10 वर्ष पहले श्रम कानून, कारखाना अधिनियम आदि के सहारे ठेका एवं असंगठित मजदूरों को अपना हक पाने का अधिकार था, लेकिन रघुवर दास ने मुख्यमंत्री बनकर इसे खत्म कर दिया। इसके बाद सभी प्रतिष्ठानों में

ठेका मजदुरों को कम मजदुरी देकर काम कराना शुरू किया गया। धीरे-धीरे मजदुरों का सभी अधिकार छीन लिया गया। 8 घंटे के बदले 12 घंटे की ड्यूटी होने लगी। छंटनी होने पर ग्रेच्युटी पाना तक कठिन हो गया। 1979 में पटना में हुए त्रिपक्षीय समझौते के बाद टाटा स्टील, टेल्को तार कंपनी टीआरएफ, टिनप्लेट आदि कंपनी में परमानेंट कार्यों में ठेका मजदरों से कार्य करने पर प्रतिबंधित लगा दिया गया, लेकिन यहां आज भी ठेका मजदूरों से गैरकानूनी तरीके से कार्य कराया जा रहा है।

## सरयू राय ने मानगो ट्रैफिक जाम को लेकर फिर की उपायुक्त से बात, पुलिस-प्रशासन की बैठक का कोई नतीजा नहीं निकला 'दिन में भारी वाहनों की एंट्री रोके प्रशासन, वरना जनता रोकेगी'

दूसरी छोर की ओर हड़बड़ी में जाने

लगे। खासकर बुजुर्गों और

महिलाओं को इस दौरान काफी

दिक्कत हुई। वहीं रेलवे अधिकारियों

का कहना है कि कभी-कभी

प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों के प्लेसमेंट या

किसी ट्रेन को सिग्नल नहीं मिलने

पर प्लेटफॉर्म बदलना पड़ जाता है,

इससे थोडी समस्या होती है।

PHOTON NEWS JSR:

विधायक सरयू राय ने कहा कि जिला प्रशासन दिन में भारी वाहनों की एंट्री रोके, वरना जनता रोकेगी। विधायक ने कहा कि मानगो में ट्रैफिक जाम की समस्या दूर करने के बारे में मैंने रविवार को फिर दूरभाष पर पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त से वार्ता की और कहा कि प्रशासन जाम की समस्या को गंभीरता से ले और उसके लिए ठोस उपाय करे। मैंने उपायुक्त को याद दिलाया कि मैं विगत छह दिनों से इस बारे में जमशेदपुर प्रशासन और पुलिस का ध्यान आकृष्ट कर रहा हूं पर अभी तक कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है। दो दिन पहले पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की एक बैठक होने की सूचना समाचार पत्रों से मिली पर उसका भी कोई



नतीजा अभी तक नहीं निकला है। मैंने उपायुक्त से स्पष्ट शब्दों में कहा है कि प्रशासन सबसे पहले जमशेदपुर में भारी वाहनों के नो एंट्री के समय में बदलाव करे। दिन में किसी भी भारी वाहन को जमशेदपुर में प्रवेश करने की तरफ से डोभो होकर आने वाले भारी वाहनों तथा सरायकेला की ओर से आने वाले भारी वाहनों को केवल रात में 12 से सुबह 6 बजे तक ही जमशेदपुर में प्रवेश करने की इजाजत दी जाए। दिन में इन वाहनों को जमशेदपुर में, मुख्य रुप से टाटा स्टील की फैक्ट्री में जाने के लिए दी जाने वाली ढील मानगो पुल पर जाम का कारण

मैंने उपायुक्त के ध्यान में यह बात भी लाया कि यदि प्रशासन जमशेदपुर में भारी वाहनों की दिन में एंट्री बंद करने में आनाकानी करेगा तो बाध्य होकर जाम से

जूझ रही जनता को खुद आगे आकर दिन में भारी वाहनों की एंट्री बंद करानी पड़ेगी। ऐसी स्थिति में मैं आम जनता के साथ खड़ा रहुंगा, क्योंकि मेरी प्राथमिकता आम जनता को सुविधा दिलाने की है। मानगो पुल पर जाम की स्थिति तो चिंताजनक है ही, जमशेदपुर शहर में करीब एक दर्जन अन्य स्थान हैं, जहां यातायात की व्यवस्था का संचालन सुचारू रुप से करने की जरूरत है।

मुझे उम्मीद है कि जिला प्रशासन मानगो पुल और मानगो चौक पर लगने वाली जाम की समस्या से जनता को छुटकारा दिलाने के लिए मेरे उपर्युक्त सुझाव पर गंभीरता से विचार करेगा और एक सप्ताह के भीतर इसे लागू करना

## में छात्रों ने जाना शांत



JAMSHEDPUR : केपीएस कदम में जमशेदपुर यूथ कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन रविवार को 12 स्कूलों के छात्र शामिल हुए। दिन की शुरूआत भावपूर्ण प्रार्थना और शांत श्वास अभ्यास के साथ हुई, जिसमें दैनिक जीवन में शांत समय के महत्व पर जोर दिया गया। एक महत्वपूर्ण सत्र में बाहरी दिखावे और आंतरिक सत्य के बीच के अंतर को दशार्ने के लिए फूलों के गुलदस्ते का इस्तेमाल किया गया। जहां जीवंत फूल बाहरी व्यक्तित्व का प्रतीक थे, वहीं नीचे की सूखी पत्तियां अतीत से अनसुलझे मुद्दों और बेईमानी का प्रतिनिधित्व करती थीं। अतिथि राजीव अग्रवाल व श्रद्धा क्षेत्रीय समन्वयक, एल .एम .ए .डी . शरत चंद्रन, निदेशक, केपीएस स्कूल, लक्ष्मी आर. शैक्षणिक निदेशक, केपीएस स्कूल्स आदि ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार अहंकार प्रायः आत्मनिरीक्षण में बाधा डालता है।

### जमशेदपुर युथ कॉन्फ्रेंस समय का महत्व

पैक्स चुनाव नतीजे के बाद दो पक्षों

में खूनी झड़प, एक को लगी गोली

#### Monday, 02 December 2024

## **O** BRIEF NEWS

#### अररिया व किशनगंज को ३२ करोड २६ लाख की मिली सौगात

ARARIYA: बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग के मंत्री मंगल पांडेय ने रविवार को अररिया और किशनगंज जिला योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य के क्षेत्र में 32.26 करोड़ का सौगात दिया। सदर अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री मंगल पांडेय ने 59 हजार 524 वर्ग फीट मे 21 करोड 67 लाख रुपए की लागत से बने एक सौ शैय्या वाले मातृ शिशु अस्पताल का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के अंतर्गत ग्राउंड फ्लोर के साथ तीन तल वाले मकान में 53 शैय्या के सामान्य कक्ष, १७ उच्च निर्भरता इकाई, १४ नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एसएनसीयू),16 शैय्या के मां नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एमएनसीयू), लैब,अल्ट्रासाउंड एवं फामेर्सी की सेवा से सुसज्जित है।इसके अलावे दो अत्याधृनिक ऑपरेशन कक्ष,दो सामान्य ऑपरेशन कक्ष,एक माइनर ऑपरेशन कक्ष, 10 शैय्या के प्रसृति कक्ष, छह बाह्य चिकित्सा कक्ष (ओपीडी) का प्रावधान है।नवनिर्मित भवन में अत्याधुनिक अग्निशमन प्रणाली,वातानुकूलन प्रणाली,ऑक्सीजन पाइप लाइन प्रणाली लिफ्ट. रैम्प फर्नीचर आदि से संसज्जित है। स्वास्थ्य मंत्री ने एक करोड़ १६ लाख रुपए की लागत से बने मां नवजात गहन चिकित्सा डकार्ड के साथ 9 करोड़ 42 लाख 48 हजार रुपए की लागत से अररिया जिला के 14 स्वास्थ्य उपकेंद्र और हेल्थ वेलनेस सेंटर और किशनगंज जिला के विभिन्न स्थानों पर बनने वाले 8 स्वास्थ्य उपकेंद्र और हेल्थ वेलनेस सेंटर निर्माण का शिलान्यास किया इसके अलावे किशनगंज के खानियाबाद में एक करोड़ 27 लाख से बने अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का उद्घाटन किया।

#### दिल्ली में बिहार महोत्सव की तैयारी हुई पूरी

PATNA: दिल्ली के शाह ऑटोरियम में अगामी 3-4 दिसम्बर को आयोजित होने वाले बिहार महोत्सव की तैयारी पूरी कर ली गयी लोक रस रंग से सराबोर इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बिहार के विभिन्न जिलों से कलाकार दिल्ली पहुंचने लगे है।इसमे भाग लेने के लिए लगभग दो सौ लोक कलाकार दिल्ली पहुंच रहे हैं। इसकी जानकारी देते बिहार महोत्सव के प्रणेता एवं प्रसिद्ध रंगकर्मी मोतिहारी निवासी प्रसाद रत्नेश्वर ने बताया कि 3 दिसम्बर को बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा महोत्सव का उदघाटन करेंगे। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन होंगे। विशिष्ट अतिथि जमुई की विधायक एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी श्रेयसी सिंह उपस्थित होगी इसके अलावा लक्ष्मीनगर दिल्ली के विधायक अभय वर्मा, इजेडसीसी एवं एनसी जेडसीसी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक आशीष कुमार गिरि, गाधी स्मृति एवं दर्शन समिति, संस्कृति मंत्रालय , भारत सरकार के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद किरोडीमल कॉलेज, दिल्ली के पर्व प्रधानाचार्य डॉ. भीम सिंह भी कार्यक्रम

#### अपने भाई को फंसाने की साजिश रचने वाला अरेस्ट

NAWADA : नवादा में एक भाई अपने ही भाई को फंसाने के लिए बड़ी साजिश रच डाली। आरोपित को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।आरोपित भाई ने अपने भाई को फंसाने के लिए दो जगहों पर रंगदारी मांगने को लेकर पर्चा चिपकाया था। वहीं रंगदारी ना देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने आरोपित भाई को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, नवादा शहर के दो स्थानों पर आढ लाख रुपये रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपित मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लोहरा गांव निवासी साधु यादव का पुत्र पप्पू कुमार है। नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि 28 नवंबर को विजय सिनेमा के पास सरस्वती भट्ट के मकान राजेंद्र नगर में एक शख्स के घर पर आठ-आढ लाख रुपये की रंगदारी से संबंधित पर्चा चिपकाया गया था।

## बक्सर के राजपुर थाना क्षेत्र की घटना, परिवार में मचा कोहराम

## मिट्टी में दबकर दो सगी बहनें समेत चार लड़कियों की मौत

बिहार के बक्सर में 4 लड़िकयों की दर्दनाक मौत से हाहाकार मच गया है। जिले के राजपुर थाना क्षेत्र स्थित सरेंजा गांव में दिल को दहला देने वाली घटना हुई है। जहां घर में मिट्टी का चुल्हा बनाने के लिए मिट्टी लाने गई पांच बच्चियां के ऊपर मिट्टी खोदने के दौरान मिट्टी का टीला भरभराकर गिर गया, जिसमें चार बच्चियो की दबने से मौत हो गई है। वहीं, एक बच्ची की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार राजपुर थाना क्षेत्र के सरेन्जा गांव में स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय के पास एक पुराने मिट्टी के टीले में दबकर चार बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई है। बच्ची टीले के पास मिट्टी खोद रही थी, तभी उनके ऊपर मिट्टी का टीला भरभरा कर उनके ऊपर गिर गया। जिसमें 5 बच्चियां दब गई, पास ही में खेल रहे बच्चों ने शोर मचाना शरू

**AGENCY PATNA:** 

बिहार के मसौढ़ी प्राथमिक स्वास्थ्य

केन्द्र के प्रभारी चिकित्सा

पदाधिकारी डॉ रामानुजम सिंह पर

उनके सहकर्मी डॉ सत्येन्द्र नारायण

मोहन पासवान ने कथित रूप से

रिवाल्वर तान दी फिर गाली गलौज

करते हुए मारपीट की। बताया

जाता है कि चिकित्सा पदाधिकारी

जख्मी हो गये। उनका चश्मा भी टूट

गया। अस्पताल परिसर में मौजूद

कर्मियों ने चिकित्सा पदाधिकारी को

बचाकर वहां से हटाया। इस दौरान

आरोपी चिकित्सक धमकी देता

रहा। घटना की सूचना मिलते ही

मसौढ़ी पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस के पहुंचने से पहले मामला

शांत हो गया था। चिकित्सा

पदाधिकारी डॉ रामानुजम सिंह ने

चिकित्सक सत्येन्द्र नारायण मोहन

पासवान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

करायी है। घटना के कारण के बार

में बताया कि छठ पर्व में आरोपी

चिकित्सक की डयटी लगायी गयी

**AGENCY PATNA:** 

बिहार सीएम नीतीश कुमार एक

बार फिर पश्चिमी चंपारण के

वाल्मीकि नगर से यात्रा शरू करने

जा रहे हैं। इस यात्रा में सीएम

नीतीश आम जनता के हित में

चलाए जा रहे विभिन्न विकास

योजनाओं, मुख्यमंत्री सात निश्चय

योजना फेज वन और टू की

समीक्षा करेंगे। 15 दिसम्बर 2024

से मुख्यमंत्री यात्रा शुरू करने जा

रहे हैं। यह जानकारी बिहार विधान

परिषद सदस्य और जेडीय बगहा

जिला अध्यक्ष भीष्म साहनी ने दी।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार

यात्रा के दौरान महिलाओं से संवाद

करेंगे, जीविका दीदियों से मिलेंगे

और विकास योजनाओं की समीक्षा

करेंगे। इसके अलावा पांच पंचायतों

में सरकार द्वारा जनहित में चलाए

जा रहे विकास योजनाओं का



घटना के बाद विलाप करते परिजन।

किया, जिसके बाद आसपास के लोग वहां पहुंचे और मलबे को हटाकर सभी बच्चियों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि अस्पताल में मौजूद डॉक्टर ने चार बच्चियों को मत

थी। लेकिन, वह अनुपस्थित रहे।

इसलिए प्रभारी ने उस अवधि का

वेतन रोक दिया। इससे नाराज

आरोपी चिकित्सक ने इस घटना को

अंजाम दिया। चिकित्सक चिकित्सा

पदाधिकारी के ऊपर जब रिवाल्वर

ताना गया था तब वो सुबह पीएचसी

परिसर में स्वास्थ्य प्रबंधक व लेखा

प्रबंधक के कक्ष में बैठ कर

अस्पताल संबंधित कार्यों की

समीक्षा कर रहे थे। तभी आरोपी

चिकित्स तमतमाते हुए मौके पर

पहुंच गया और रिवाल्वर तान दी।

इस दौरान उनके साथ रहे कुछ

कर्मियों ने रामानुजम सिंह को

बचाने का प्रयास किया लेकिन

सत्येन्द्र मोहन ने गाली गलौज

करते हुये उनके चेहरे पर थप्पड़

१५ दिसंबर से महिला संवाद यात्रा पर

निकलेंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

निरीक्षण करेंगे। भीष्म साहनी ने

बताया कि सात निश्चय पार्ट ट

सुशासन यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के

लिए स्वरोजगार के साथ जीविका

दीदियों से मुलाकात करेंगे और

उनके अनुभव साझा करेंगे। इसके

अलावा जल जीवन हरियाली

योजना की समीक्षा करते हुए इसके

दूसरे चरण की भी शुरूआत की

जाएगी । दरअसल, इस यात्रा का

वेतन रोके जाने से नाराज डॉक्टर ने

अस्पताल प्रभारी पर तानी पिस्टल

घोषित कर दिया। वहीं एक बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई, जिसका इलाज चल रहा है। उधर, सूचना मिलते ही दलबल के साथ पहुंचे राजपुर थाना प्रभारी ने घटना की जानकारी लेने के साथ ही

झोपड़ी में सो रही नाबालिग

से दो लड़कों ने किया रेप

NALANDA: नालंदा के तेल्हाड़ा

आगाज वर्ष 2025 बिहार

विधानसभा चुनाव की तैयारी के

रूप में देखा जा रहा है। वही

एमएलसी भीष्म साहनी ने बताया

कि मुख्यमंत्री प्रत्येक चुनाव से

पहले राज्य में यात्रा करते हैं ।

निश्चित तौर पर इस यात्रा को चनाव

से जोड़कर देखा जा सकता है ।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2005

से अब तक बिहार में कल 14

यात्राएं की हैं, जिनमें अधिकतर

यात्रा की शुरूआत पश्चिमी चंपारण

से हुई है। जिसमें अधिकांश यात्रा

बगहा अनुमंडल से शुरू हुई हैं।

इस बार भी मुख्यमंत्री सात निश्चय

योजना फेज टू समेत विभिन्न

विकास योजनाओं सुशासन

कार्यक्रम के तहत विकास कार्यों

का निरीक्षण कर सरकार की

योजनाओं को और मजबूती देने

अस्पताल में भर्ती घायल बच्ची का हालचाल जाना। बक्सर पलिस कप्तान शभम आर्य ने घटना की जांच के लिए सदर एसडीपीओ धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया है।

#### पुराना है यह टीला स्थानीय लोगों ने बताया कि मिट्टी

लोगों ने कहा, बहुत

का टीला बहुत पुराना था। जिसके नीचे कई सालों से लोग घर की लिपाई और मिट्टी के चूल्हे को बनाने के लिए मिट्टी की खुदाई करते आ रहे थे, जिससे वह खतरनाक हो गया था। आज भी पांच बच्चियां मिट्टी लाने के लिए टीले के अंदर बने गड्डे में मिट्टी खोद रही थी। उसी समय ही टीले का हिस्सा उनके ऊपर गिर गया, जिसमें सभी दब गई।

#### इनकी हुई मौत

मरने वालों में दो सगी बहनें भी शामिल हैं। मृत बच्चियों की पहचान सरेजा गांव निवासी श्याम नारायण की बेटी नयनतारा कुमारी (11 वर्ष) और शालिनी कुमारी (8 वर्ष), रमेश राम की 6 वर्ष की पुत्री शिवानी कुमारी और टिंकू राम की 11 वर्षीय बेटी संजू कुमारी के रूप में हुई है। वहीं, रामचंद्र की 10 साल की बेटी करिश्मा कुमारी की हालत

गोली लगने से घायल हो गए हैं। बताया जाता है कि दसरे पक्ष से उसी गांव के उमाशंकर कुशवाहा के पुत्र कमलेश कुशवाहा मारपीट के दौरान घायल हैं। सभी घायलों को कुदरा पीएचसी में इलाज के लिए ले जाया गया। जहां से चिकित्सक ने भभुआ सदर अस्पताल रेफर किया। जहां तीनों घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कर चिकित्सक द्वारा इलाज किया जा रहा है। वहीं गोली लगने से घायल व्यक्ति के परिजनों ने बताया कि पैक्स का चुनाव जीते थे। जिसके बाद से विपक्षी राम अधीन सिंह और उनके लोगों के द्वारा गाली गलौज करने लगे। काफी समझाने के बाद भी नहीं माने तो दोनों तरफ से मारपीट

### AGENCY KAIMUR:

बिहार के कैमूर पैक्स चुनाव में फायरिंग और मारपीट की घटना कम होने नाम नहीं ले रहा है। नतीजे आने के बाद दो पक्षों मे जमकर लाठी डंडे चले और गोलीबारी की घटना हुई। दोनों पक्षों से चार लोग बुरी तरह से घायल हुए हैं। फायरिंग में एक व्यक्ति को गोली लगी है। घटना कुदरा थाना क्षेत्र के मधुबनी गांव की है। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है। दरअसल, रविवार को कुदरा प्रखण्ड के मधुबनी गांव में बीते पैक्स चुनाव में मिली हार-जीत को लेकर दो पक्षों में मारपीट के साथ गोली चल गई। जहां दोनों पक्षों से तीन लोग गंभीर रूप से घायल है। कुदरा थाना क्षेत्र के मधबनी गांव निवासी गिरीश नारायण हो गई। इसी दौरान राम अधीन सिंह सिंह के पुत्र बालेश्वर सिंह को के द्वारा लाइसेंसी बंदुक से गोली से धारदार बल्लम लगने से गंभीर रूप 10 राउंड फायरिंग कर दी। जिसमें घायल हो गए, जबकि छोटेलाल एक को गोली लग गई है और एक को बल्लम लगा है।

#### वाहन चेकिंग में पिकअप पर लदे 833 लीटर विदेशी शराब जब्त. तस्कर अरेस्ट

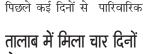
ARARIYA: जिले के जोकीहाट

थाना क्षेत्र के एनएच 327ई रानी चौक के पास पुलिस ने चलाये गये वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक पिकअप गाड़ी पर लंदे भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया। वाहन चेकिंग अभियान के क्रम में पिकअप गाड़ी पर लदे विभिन्न ब्रांडों के करीबन 833 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। पिकअप गाड़ी पर शराब को केला और उसके पत्ते से ढंक कर पश्चिम बंगाल से मुजफ्फरपुर ले जाया जा रहा था। मामले में पुलिस ने शराब तस्कर वैशाली जिला के गरौल थाना क्षेत्र के भानपुर बरैवा वार्ड संख्या दो के रहने वाले 24 वर्षीय रणधीर कमार पिता -लखेंद्र महतो गिरफ्तार किया गया। जिससे पुलिस ने शराब तस्करी के

#### गंभीर बनी हुई है। सिंह के पुत्र प्रीतेश कुमार को पेट में बेटे का बर्थडे बना पिता की जिंदगी का आखिरी दिन, केक कटने से पहले फांसी लगा दी जान

**AGENCY SAMASTIPUR:** 

थाना क्षेत्र में इंसानियत को समस्तीपुर जिले में रहने वाले एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। एक नाबालिग लड़की आदमी ने अपने बेटे के बर्थडे को उसके ही गांव के दो वाले दिन को अपनी जिंदगी के नाबालिग लड़कों ने दरिंदगी का आखिरी दिन के रूप में चुना। एक शिकार बनाया। इसके बाद जान तरफ परिवार के लोग जहां केक से मारने की धमकी देते हुए भाग काटने की तैयारी कर रहे थे वहीं, निकले। यह घटना समाज में दुसरी तरफ तनाव से गुजर रहे पिता ने कमरे में फांसी लगाकर फैली मानसिक गंदगी और जान दे दी। घटना की जानकारी कमजोर सामाजिक ताने-बाने की मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस एक भयावह तस्वीर पेश करती है, जहां नाबालिग भी शातिर की ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तरह अपराध करते नजर आ रहे हैं। घटना शनिवार रात की है। इसके साथ ही मामले की जांच में तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव जुट गई। मृतक शेखपुरा जिले में झोपड़ीनुमा घर में किशोरी के मुरादपुर निवासी सुधांशु शेखर अकेली थी। उसके माता-पिता (45) समस्तीपुर बिजली विभाग किसी काम से बाहर गये थे। में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत तभी गांव के ही दो नाबालिग था। नौकरी के सिलसिले में वह लडके अंधेरे का फायदा उठाकर परिवार को लेकर नगर थाना घर में घुस आते हैं। दोनों अंतर्गत प्रोफेसर कॉलोनी में रहता नाबालिग उस किशोरी के साथ था। बताया जा रहा है कि मृतक बारी बारी से दष्कर्म करता है।



से लापता युवक का शव

NAWADA : नवादा जिले के नेमदारगंज थाना क्षेत्र के गांव के एक तालाब से रविवार को एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान रामपुर गांव के स्व. रामस्वरूप चौहान के 30 वर्षीय पत्र धर्मेंद्र चौहान के रूप में की गई है। वह चार दिनों से लापता था। मृतक के भाई संजय कुमार ने बताया कि धर्मेंद्र बुधवार की शाम में घर से निकला था और फिर घर वापस लौटकर नहीं आया था। काफी खोजबीन किया गया, लेकिन कहीं भी नहीं मिला। जानकारी मिली कि नेमदारगंज थाना क्षेत्र के डेरमा गांव के तालाब में भाई का शव है। सूचना पाकर वहां पहुंचे और शव की पहचान के बाद बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। उन्होंने कहा कि भाई की मौत कैसे हुई है, यह हम लोगों को पता नहीं है।



विभाग में अकाउंटेंट के पद पर थे कार्यरत शेखपुरा के मुरादपुर निवासी थे सुधांशु शेखर

समस्तीपुर में बिजली

बहुत देर तक कमरे में किसी तरह की हलचल न होने पर पत्नी ने जब कमरे में झोंका तो सन्न रह गई। दरअसल, सुधांशु ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। पत्नी की चीख सुनकर पड़ोस के लोग जुट गए और मृतक को उतारकर सदर अस्पताल ले गये। जहां अस्पताल के डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। लोगों ने बताया कि पिछले दिनों सुधांशु के साथ साइबर फ्रॉड की घटना भी हुई थी, जिसके बाद से वह तनाव में था।

कलह से परेशान चल रहा था। मृतक की पत्नी पूनम कुमारी ने बताया कि शनिवार को उसके बेटे का जन्मदिन था, जिसकी तैयारी में वह जुटी हुई थी। रात में केक काटने का प्रोग्राम था जिसमें परिवार के लोग व्यस्त थे। शाम में उसके पति सुधांशु ऑफिस से घर आने के बाद

खाना खाने को लेकर दोनों में विवाद हो गया। जानकारी होते ही मौके पर पहुंचे नगर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया की प्रथम दृष्ट्या यह पारिवारिक कलह में आत्महत्या की बात लग रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के

### लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट मामले को लेकर पूछताछ की है। किशनगंज में आभूषण कारोबारी के बेटे को अपराधियों ने दिनदहाडे लटा

**AGENCY KISHANGUNJ:** जिले के कोचाधामन थानाक्षेत्र में एक कारोबारी के बेटे से लूट की घटना दिनदहाड़े घटी है। गौर करे कि कोचाधामन प्रखंड के बिशनपुर में अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। लूट के बाद दहशत फैलाने के लिए अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग भी की है। इस दौरान एक व्यक्ति को गोली लगी है जिसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना से कारोबारियों में दहशत है। वहीं मौके पर पहुंची पलिस मामले की जांच में जटी है। बिशनपुर में अपराधियों ने दिन दहाड़े लूट की घटना को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दे दी है। सरार्फा कारोबारी कैलाश

अग्रवाल के पत्र सन्नी अग्रवाल को अपराधियों ने रविवार को



पुलिस को घटना के बारे में जानकारी देते पीड़ित।

निशाना बनाया। घटना अपराधियों ने उस समय अंजाम दिया जब सन्नी अपने घर से दुकान जा रहे थे। उसी दौरान बिशनपुर मंडी स्थित मस्जिद के सामने अपराधियों ने पिस्तौल दिखाकर उन्हें रोक लिया और उनके पास से पैसे व सोना-चांदी से भरा हुआ एक बैग छीन लिया। लूट के बाद दहशत फैलाने के उद्देश्य से बिशनपुर मंडी में होने लगी थी।

अपराधी फायरिंग करते हुए भाग निकले। अपराधियों के द्वारा की गयी फायरिंग में एक व्यक्ति जख्मी हो गयी। जख्मी के पैर में गोली भी लगी हैं। वहीं इस घटना के बाद से मंडी के सरार्फा व्यापारियों सहित अन्य कारोबारियों में दहशत का माहौल है। गौर करे कि एक दशक पूर्व बार-बार छिनताई, डकैती की घटना

#### केंद्र सरकार ने दी मंजूरी, पथ निर्माण विभाग ने 3 महीने के भीतर टेंडर जारी करने का तय किया लक्ष्य खुशखबरी :

## ५०१३ करोड़ की लागत से बनेगी मोकामा-मुंगेर फोर लेन सड़क

**AGENCY PATNA:** 

मोकामा-मुंगेर फोर लेन सड़क के निर्माण के लिए जल्द ही जमीन अधिग्रहण का काम शुरू होगा। पथ निर्माण विभाग ने 3 महीने के भीतर इस सड़क का टेंडर जारी करने का लक्ष्य तय किया है। 5013 करोड़ की मोकामा से मुंगेर तक बनने वाली चार लेन सड़क की योजना पर अगले साल से काम शुरू हो जाएगा। उपमुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने परियोजना मंजूर करने के लिए केंद्र सरकार का आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक सिविल कार्य के लिए निविदा आमंत्रित कर निर्माण कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा। पथ निर्माण विभाग के



अनुसार मोकामा से मुंगेर तक की एलाइनमेंट की केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने से अब इसके निर्माण की बाधा दूर हो गई है। उपमुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में किसी

भी कोने से 5 घंटे में पटना पहुंचने के लक्ष्य को पुरा करने के लिए लगातार काम हो रहा है। बक्सर से मिर्जा चौकी तक चार लेन पथ का निर्माण हो रहा है, इसमें बक्सर से परेब तक चार लेन पथ का निर्माण

पुरा हो चुका है। परेब से दानापुर तक एलिवेटेड पथ का निर्माण हो रहा है। इसके निर्माण के बाद पटना रिंग रोड होते हुए बख्तियारपुर तक फोर लेन संपर्कता पूरी हो जाएगी। बख्तियारपुर में बन रहे दोनों

आवागमन में होगी सुविधा मोकामा से मुंगेर तक फोर लाइन सड़क के निर्माण के बाद न केवल बिहार में, बल्कि बिहार से बाहर भी संपर्कता बेहतर होगी। इसके निर्माण से बिहार के सुदूर पूर्वी हिस्सों के

झारखंड, दिल्ली व बंगाल

साथ–साथ झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र और पश्चिम बंगाल में मालदा और फरक्का क्षेत्र को पटना के साथ चार लेन संपर्कता मिलेगी पूर्वाचल एक्सप्रेसवे के माध्यम से इस क्षेत्र से दिल्ली तक पहुंचना आसान हो जाएगा।

आरओबी का निर्माण दिसंबर 2024 तक पूरा होने के बाद मोकामा तक लगातार 4 लेन संपर्कता हो जाएगी। मिर्जा चौकी से मुंगेर तक वर्तमान राष्ट्रीय उच्च पद 80 को 10 मीटर चौड़ी कंक्रीट रोड निर्माण के साथ ग्रीन फील्ड एलाइनमेंट पर अतिरिक्त चार लेन सड़क का निर्माण कार्य प्रगति में है, जो जून 2025 में पूरा हो जाएगी। मोकामा में राजेंद्र सेतु के समानान्तर 6 लेन पुल का निर्माण कार्य भी जनवरी 2025 तक पूरा हो जाएगा। इससे उत्तर बिहार के साथ बेहतर संपर्कता उपलब्ध हो जाएगी और इसी क्रम में मोकामा से मुंगेर तक की वर्तमान दो लेन सड़क को भी चार लेन करने का निर्णय अब ले लिया गया है। इस पर 5013 करोड़ की राशि खर्च होगी केंद्र ने इस परियोजना के लिए बजट में 4000 करोड़ का प्रावधान किया है। इसके निर्माण के बाद बिहार के बड़े हिस्से में आवागमन की सुविधा बढ़ेगी जाम से भी मुक्ति मिलेगी।

### राजद और 'आप' देश की सबसे म्रष्टाचारी पार्टी : चिराग पासवान

**AGENCY PATNA:** केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने

मुख्यमंत्री की यात्रा पर राजद द्वारा 225 करोड़ रुपए के दुरुपयोग का आरोप लगाने पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राजद खुद भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा है और इस मुद्दे पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं रखता। उन्होंने राजद से पूछा कि उनके कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार का जवाब कौन देगा। वहीं आम आदमी पार्टी के विधायक की गिरफ्तारी पर उन्होंने आप को देश की सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी पार्टी करार दिया। संविधान खतरे में होने के कांग्रेस के बयान पर चिराग ने निशाना साधते हुए कहा कि अगर संविधान सचमुच खतरे में होता तो जनता एनडीए को राज्यों में बड़ी जीत न दिलाती। उन्होंने 1975 के आपातकाल को असल खतरे का



समय बताया। आम आदमी पार्टी के विधायक की गिरफ्तारी पर उन्होंने आप पर हमला करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता अब भ्रष्टाचार से ऊब चुकी है और जल्द ही भाजपा सरकार बनेगी। चिराग पासवान ने साफ-साफ कहा कि आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार की बात कर रही है। अरविंद केजरीवाल को याद कीजिए कि जिस समय वह राजनीति में नहीं थे भ्रष्टाचारियों का लिस्ट लेकर घूमते रहते थे और जब मुख्यमंत्री बन गए उसके बाद वह भ्रष्टाचारियों का साथ देने लगे।

### नीतिगत क्रियान्वयन, भारत और सहकारिता आदोलन

आर्थिक समद्भि को बढावा देने के लिए समावेशी विकास रणनीति 'सहकार से समृद्धि' के देश में अब तक काफी कारगर नतीजे सामने आए हैं। स्वतंत्रता से पहले के दौर में अगर हम भारत में सहकारिता आंदोलन की उत्पत्ति को देखें तो पाएंगे कि इसकी शुरूआत किसानों की गरीबी कम करने की चुनौती से हुई थी, जिसका मुख्य कारण बार-बार पड़ने वाला सुखा और साहुकारों की सुदखोरी की प्रवृत्ति था। एनएएफआईएस 2021-22 के अनुसार, यह काफी प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण सहकारी ऋण संस्थानों के माध्यम से केंद्र सरकार की निरंतर और लक्षित वित्तीय समावेशी पहलों के कारण ग्रामीण परिवारों की साहकारों और जमींदारों पर निर्भरता अब घटकर मात्र 4.2 प्रतिशत रह गई है। देश में सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने वाली प्रारंभिक शक्तियां भले ही अब कमजोर पड़ रही हों, लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस समय कई नई और जटिल उभरती चनौतियां हैं, जिनके लिए सहकारी आंदोलन को नई दिशा और उस पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसी के अनुरूप देश 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इन नई चुनौतियों में किसानों की आय बढ़ाने से लेकर एक कुशल ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला हासिल करना, स्थायी आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना, कृषि के अलावा अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना, कृषि उत्पादकता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले प्रयासों को बढ़ाना और डिजिटल क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना शामिल है। सहकारी संस्थाएं अपने मजबूत स्थानीय ज्ञान, पूर्व की घटनाओं से अनुभव हासिल कर भविष्य की नई योजनाएं, संपर्क कार्यक्रम बनाने तथा इन्हें मजबूत करने की क्षमता और नए कारोबारी माहौल के अनुरूप ढलने के कारण इन चनौतियों से निपटने के लिए विशेष रूप से उपयक्त हो सकती हैं। सहकारी संस्थाओं के लिए मददगार नीतियां बनाने की दिशा में संयक्त राष्ट्र महासभा की 'सामाजिक विकास में सहकारी समितियों पर रिपोर्ट' (जुलाई 2023) से जानकारी प्राप्त करना उपयोगी हो सकता है, जो इस बात पर जोर देती है कि सहकारी सिमतियां बाजार संबंधी विफलताओं से निपटने, हाशिए पर पडे लोगों को सशक्त बनाने, रोजगार के अवसर बढाकर सतत विकास को सहारा देकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं'। यह रिपोर्ट सहकारी सिमितियों के लिए एक उद्यमी प्रक्रियागत दृष्टिकोण की सिफारिश करती है, जो एक स्थानीय माहौल में आपस में जुड़े हुए नेटवर्क के माध्यम से सभी हिस्सेदारों को जोड़ती है। भारत के सहकारी क्षेत्र में दध और चीनी के क्षेत्रों में मिली अपार सफलता केवल एकीकत दृष्टिकोण के महत्व को ही प्रमाणित करती है। इसका एक और अन्य सफल उदाहरण भारत की सबसे पुरानी श्रमिक सहकारी संस्था- उरालुंगल लेबर कॉन्ट्रैक्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी का है, जो बुनियादी ढांचे से जुड़ी है और इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रही है। यह वैकल्पिक उद्यमशीलता मॉडल का एक अनुठा उदाहरण है। यहां सहकारिता के दो विशिष्ट पहलुओं का उल्लेख करना आवश्यक है- पहला, 'सहकारी समितियों के बीच सहयोग' का महत्व- जब उरालुंगल को एक सड़क परियोजना हेतु लिए गए भारी कर्ज की किस्तें चुकानी थीं, तो उसने 38 प्राथमिक सहकारी समितियों का एक संघ बनाया और उनकी मदद से यह भारी राशि जुटा सकी, जिससे उसकी साख भी बनी रही और साथ ही उसका विस्तार भी हुआ। दुसरा, निजी फर्मों के विपरीत, संकट की स्थिति में एक श्रिमिक सहकारी सिमति द्वारा रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के शानदार नेतृत्व में सरकार में एक नए सहकारिता मंत्रालय के गठन के परिणामस्वरूप सहकारी समितियों के लिए भारत में हाल की नीतियों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उभरती चुनौतियों की व्यापक और जटिल प्रकृति को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। इस तरह के कुछ बड़े प्रयासों में कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का गठन, इसे कंप्यूटरीकृत करना, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन और पैक्स के लिए खुदरा पेटोल/डीजल आउटलेट/एलपीजी वितरण अधिकार, सहकारी क्षेत्र में गोदामों का व्यापक नेटवर्क, मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) का गठन, शामिल नहीं की गई पंचायतों में नए बह उद्देशीय पैक्स/डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियां और पैक्स के लिए मॉडल उप-नियम शामिल हैं। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), सहकारी सिमितियों के लिए अपने बहुस्तरीय और गतिशील रूप से उत्तरदायी सहयोगात्मक ढांचे के साथ, मंत्रालय के मार्गदर्शन में, सतत प्रक्रिया के रूप में नीति क्रियान्वयन से जुड़े लोगों को सक्षम बनाता है, जिसमें (अ) ग्रामीण सहकारी बैंकों को पनर्वित्तपोषण का प्रावधान, किष, संबद्ध क्षेत्रों और ग्रामीण गैर किष गतिविधियों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋण देने के लिए उनके संसाधनों में पूर्ति करना, (ब) सहकारी विकास निधि के माध्यम से विकासात्मक समर्थन और वित्तीय समावेशन निधि के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढावा देना, (स) नीति और कार्यान्वयन समर्थन, जैसे पैक्स का कम्प्यूटरीकरण और 300 से अधिक ई-सेवाएं प्रदान करने वाले सामान्य सेवा केंद्रों के रूप में पैक्स का कार्यान्वयन, और (द) वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षण जैसे प्रयास शामिल हैं। नाबार्ड सहकारी समितियों को एक-दूसरे के तुलनात्मक लाभों से लाभान्वित करने की सुविधा प्रदान कर इस आंदोलन को मजबूत करने के लिए 'सहकारी समितियों के बीच सहयोग' को बढ़ावा दे रहा है। इस पहल में वित्तीय पक्ष से जुड़ा एक महत्वपर्ण बिंद- सहकारी समितियों और उनके सदस्यों के मौजदा बैंक खातों को विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों में समेकित करना और उन्हें एक केंद्रीकत जिला/राज्य सहकारी के तहत रखना होगा, जिससे सहकारी

## एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व से उत्पन्न चुनौतियां



एशिया में चीन के सैन्य प्रभूत्व द्वारा उत्पन्न चुनौतियां क्षेत्रीय विवाद और विस्तारवाद हैं। एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व से उत्पन्न चुनौतियां दक्षिण चीन सागर और भारत-चीन सीमा पर चीन के क्षेत्रीय दावे क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती देते हैं, जिससे अक्सर सैन्य टकराव होते रहते हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन के नाइन-डैश लाइन के दावे के कारण कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ विवाद पैदा हो गया है, जिससे नेविगेशन की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय शांति कमजोर हो गई है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) ने प्रमुख क्षेत्रों में सैन्य संपत्तियों के निर्माण की अनुमति दी है, जिससे पड़ोसी देशों के पास उसकी सैन्य उपस्थिति बढ़ गई है। जिबूती में एक सैन्य अड्डे और श्रीलंका और पाकिस्तान में रणनीतिक बंदरगाही के निर्माण से हिंद महासागर क्षेत्र में चीन का प्रभाव बढता है, जिससे भारत की सुरक्षा चिंताएं प्रभावित होती हैं। चीन का नौसैनिक विस्तार और सैन्य आधुनिकीकरण इंडो-पैसिफिक में शक्ति संतुलन के लिए सीधी चुनौती है, जहां जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसे देश चिंतित हैं।

सुरक्षा परिदृश्य को काफी बदल दिया है, जिससे उसके पड़ोसियों में चिंता पैदा हो गई है। उन्नत सैन्य क्षमताओं, रणनीतिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और मुखर क्षेत्रीय दावों के साथ चीन ने पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाया है। इसने क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चनौतियां खडी कर दी हैं. जिससे भारत जैसे देशों को अपने हितों की रक्षा करने और शांति बनाए रखने के लिए रणनीतिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व द्वारा उत्पन्न चुनौतियां क्षेत्रीय विवाद और विस्तारवाद हैं। एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व से उत्पन्न चुनौतियां दक्षिण चीन सागर और भारत-चीन सीमा पर चीन के क्षेत्रीय दावे क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती देते हैं, जिससे अक्सर सैन्य टकराव होते रहते हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन के नाइन-डैश लाइन के दावे के कारण कई दक्षिण पर्व एशियाई देशों के साथ विवाद पैदा हो गया है, जिससे नेविगेशन की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय शांति कमजोर हो गई है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) ने प्रमख क्षेत्रों में सैन्य संपत्तियों के निर्माण की अनुमति दी है, जिससे पड़ोसी देशों के पास उसकी सैन्य उपस्थिति बढ गई है। जिबती में एक सैन्य अड्डे और श्रीलंका और पाकिस्तान में रणनीतिक बंदरगाहों के निर्माण से हिंद महासागर क्षेत्र में चीन का प्रभाव बढ़ता है, जिससे भारत की सुरक्षा चिंताएं प्रभावित होती हैं। चीन का नौसैनिक विस्तार और सैन्य आधुनिकीकरण इंडो-पैसिफिक में शक्ति संतुलन के लिए सीधी

सैन्य प्रभुत्व ने क्षेत्रीय

ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसे देश चिंतित हैं। इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति और ताइवान स्ट्रेट और मलक्का स्ट्रेट के पास लगातार सैन्य अभ्यास ने क्षेत्रीय सुरक्षा के बारे में चिंता बढ़ा दी है। चीन की सैन्य ताकत अक्सर उसके आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ चलती है. जिसका उपयोग वह क्षेत्रीय प्रभत्व को सुरक्षित करने और छोटे देशों की रणनीतिक स्वायत्तता को सीमित करने के लिए करता है। श्रीलंका में चीन की ऋण-जाल कुटनीति, हिंद महासागर में इसकी सैन्य उपस्थिति के साथ मिलकर इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे आर्थिक निर्भरता सैन्य उत्तोलन में तब्दील हो सकती है। चीन का सैन्य निर्माण उसके पडोसियों के लिए एक निवारक के रूप में कार्य करता है, जिससे वे चीनी आक्रामकता का सामना करने में झिझकते हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा को बाधित कर सकता है। भारत और चीन के बीच 2017 का डोकलाम गतिरोध क्षेत्रीय दावों पर जोर देने के लिए चीन द्वारा सैन्य

सैन्य प्रभुत्व के प्रति भारत की प्रतिक्रिया राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए रणनीतिक गठबंधनों को मजबूत कर रही है। भारत ने विशेष रूप से भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक गठबंधन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड (चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता) में भारत की भागीदारी सैन्य सहयोग को मजबूत करती है और चीन के मुखर व्यवहार के लिए सामृहिक प्रतिक्रिया सुनिश्चित करती है। भारत को चीनी आक्रामकता को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए, खासकर साइबर युद्ध, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और मिसाइल रक्षा जैसे क्षेत्रों में। रूस से भारत की एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद और ब्रह्मोस मिसाइल विकास चीन की बढ़ती मिसाइल और वायु शक्ति के खिलाफ इसकी रक्षा को मजबूत करता है। आर्थिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक साझेदारी भारत को राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने, चीन के आर्थिक उत्तोलन के प्रति अपनी भेद्यता को कम करने में

मदद कर सकती है। आत्मनिर्भर भारत पहल भारत को महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के लिए चीन पर निर्भरता कम करते हुए स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए अपनी समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने और नौसैनिक क्षमताओं को बढ़ाने पर भारत का ध्यान महत्त्वपूर्ण है। भारत ने चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर में नेविगेशन की स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रित करते हए जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ नौसैनिक सहयोग को मजबत किया है। भारत को दक्षिण पर्व एशियाई देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए सॉफ्ट पावर का उपयोग करते हुए चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ क्षेत्रीय सहमति बनाने के लिए राजनियक प्रयासों में भी शामिल होना चाहिए। आसियान मंचों पर भारत की सक्रिय भूमिका और इसकी एक्ट ईस्ट नीति दक्षिण पूर्व एशिया के साथ घनिष्ठ सम्बंधों को बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्र में चीन के आर्थिक

होता है। चीन के सैन्य प्रभुत्व के प्रति भारत की प्रतिक्रिया क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देते हुए बहुपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित कर रही है। भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और भारत-प्रशांत देशों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए बहुपक्षीय ढांचे को बढ़ावा देना चाहिए। पर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में भारत की भागीदारी चीन के प्रभाव का मुकाबला करने सहित सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा देती है। भारत बाहरी दबाव के खिलाफ अपनी संप्रभुता का दावा करने में छोटे देशों का समर्थन करके क्षेत्रीय स्वायत्तता आत्मनिर्भरता को मजबूत कर सकता है। एमजीसी (मेकांग-गंगा सहयोग) जैसी परियोजनाओं के माध्यम से चीनी आर्थिक प्रभाव का विरोध करने में श्रीलंका और नेपाल को भारत का समर्थन स्वायत्तता को बढ़ावा देने का उदाहरण है। भारत को क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए रक्षा खर्च और सैन्य गतिविधियों में पारदर्शिता के महत्व पर जोर देना चाहिए। भारत का खुला रक्षा बजट और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भागीदारी क्षेत्रीय विश्वास में योगदान करती है और संघर्ष के जोखिम को कम करती है। समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर और समान विकास सुनिश्चित करके, भारत चीन की आर्थिक जबरदस्ती का मुकाबला कर सकता है और अधिक स्थिर क्षेत्रीय सम्बंध बना सकता है। बुनियादी ढांचे में सुधार और आसियान देशों के साथ व्यापार को बढ़ावा देने पर भारत का ध्यान चीनी परियोजनाओं पर

और सैन्य प्रभुत्व का मुकाबला

## वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन योजना मंजूर

🛂 द्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले 🚺 दिनों देशभर के छात्रों को विद्वानों के शोध लेखों और जर्नल प्रकाशन तक आसान पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) नामक एक नई योजना को मंजूरी दी। इस योजना के माध्यम से देश के लगभग 1.8 करोड़ छात्र, शिक्षक और शोधकर्ता विश्व स्तर पर प्रकाशित हो रहे 13,000 से अधिक ई-जर्नल तक आसान पहुंच हासिल कर सकेंगे। ओएनओएस योजना केवल प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों में ही नहीं, बल्कि टियर 2 और टियर 3 शहरों में भी रहने वाले छात्रों, शोधकताओं और शिक्षकों को भी वैश्विक स्तर पर सृजित हो रहे ज्ञान का लाभ उठाने का अवसर प्रदान करेगी। इससे पहले जर्मनी और उरुग्वे सरकारों ने अनसंधान सामग्री तक समान राष्ट्रीय पहुंच की शुरूआत की थी। वास्तव में वैज्ञानिक और शैक्षणिक प्रगति तभी प्राप्त की जा सकती है, जब वैश्विक ज्ञान तक

ल के विधानसभा चुनाव हाँ ल के विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा

(झामुमो) और उसके

गठबंधन सहयोगियों को शानदार

जीत दिलाने के बाद हेमंत सोरेन

ने एक और कार्यकाल के लिए

मुख्यमंत्री का पद संभाला है।

जोरदार मुकाबला वाले चुनाव ने

नई सरकार के लिए चुनौतियां और

मुश्किल बना दी हैं। सोरेन ने

अपने दूसरे कार्यकाल के लिए

प्राथमिकताओं की सूची बना ली

है। इस सूची में सबसे ऊपर है

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान

योजना के तहत महिलाओं के

लिए नकद सहायता बढ़ाकर

2500 रुपये महीने करना और

झारखंड राज्य सेवा आयोग

चयन

(जेएसएससी) के तहत भर्ती तेज

करने सहित नए रोजगार पैदा

जेपीएससी

जेएसएससी की भर्तियों में शीघ्रता

लाने के वादे के सामने एक और

चुनौती एक अन्य प्रमुख वादे

(सन 1932 के खतियान के

व

झारखंड

आयोग

और

( जेपीएससी )

विकास ही हम सभी के लिए बेहतर जीवन का द्वार खोलती है। भारत पिछले कुछ वर्षों में श्रम आधारित अर्थव्यवस्था को कौशल आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने में काम कर रहा। 15 अगस्त 2022 को अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की प्रगति में अनसंधान और विकास की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बात की थी और जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान के बाद जय अनुसंधान जोड़ा था। सरकार की यह पहल गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा एवं शोध तक शहरी और साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की पहुंच को आसान बनाएगी। यह नई राष्टीय शिक्षा नीति, विकसित भारत और नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के लक्ष्यों के अनुरूप है, जो भारतीय शिक्षा जगत और युवा सशक्तीकरण के लिए गेम-चेंजर साबित होगी। इस योजना का लक्ष्य उन संस्थानों के लिए शोध पत्रिकाओं तक पहुंच का विस्तार करना है, जिनके पास पर्याप्त संसाधनों की कमी है। यह प्लेटफार्म एक जनवरी 2025 को शुरू होने वाला है। इस मंच पर एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट (लैंसेट सहित), स्प्रिंगर नेचर, विली ब्लैकवेल पब्लिशिंग, टेलर एंड फ्रांसिस, आइईईई, सेज पब्लिशिंग, अमेरिकन केमिकल सोसायटी, अमेरिकन मैथमेटिकल सोसायटी, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस और बीएमजे जर्नल्स सहित 30 अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित 13,000 पत्रिकाएं उपलब्ध होंगी। वर्तमान में विभिन्न मंत्रालयों के अंतर्गत दस अलग-अलग पुस्तकालय संघ हैं, जो अपने प्रशासनिक दायरे में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान करते हैं। इसके अलावा अलग-अलग संस्थान अलग-अलग पत्रिकाओं की सदस्यता लेते हैं। वैज्ञानिक पत्रिकाओं की सदस्यता एक महंगा मामला है। ओएनओएस के आरंभ होने से यह बहुत सस्ता हो

मुद्रा का उपयोग करने का

उदाहरण है, जिससे अपने क्षेत्रीय

पडोसियों के साथ भारत के

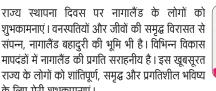
पत्रिकाएं उपलब्ध होने से शोधार्थियों को भटकना भी नहीं पडेगा। एक आंकडे के अनसार. भारत ने 2018 में इलेक्टॉनिक और प्रिंट पत्रिकाओं की सदस्यता पर लगभग 1,500 करोड़ रुपये खर्च किए थे। शोध अंतर्दृष्टि डाटाबेस स्किवल के अनुसार, 2017 और 2022 के बीच भारत के शोध प्रकाशन में लगभग 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वैश्विक औसत (22 प्रतिशत) के दोगने से भी अधिक है। भारत का शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन में चौथा स्थान (13 लाख अकादिमक पेपर) रखता है, जो चीन (45 लाख), अमेरिका (44 लाख) और ब्रिटेन (14 लाख) के ठीक बाद है, परंतु जब उत्पादित शोध के प्रभाव की बात आती है, तो उद्धरणों (साइटेशन) की संख्या में भारत पीछे रह जाता है और दुनिया में नौवें स्थान पर आता है। सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग इंस्टीट्यूट कांपीटिटिवनेस द्वारा किए गए एक

अध्ययन के अनुसार, भारत का जिसने यह दिखा दिया है कि एक अनुसंधान एवं विकास पर यह खर्च दुनिया में सबसे कम है। देश की नवाचार सफलता में एक और बाधा अनसंधान एवं विकास कर्मियों की कम संख्या है। यूनेस्को इंस्टीट्यूट स्टैटिस्टिक्स के अनुसार प्रति दस लाख आबादी पर केवल 253 विज्ञानी या शोधकर्ता हैं, जो विकसित राष्ट्रों की तुलना में काफी कम है। निजी क्षेत्र का योगदान अनसंधान एवं विकास चलते भारतीय निमार्ता विश्व स्तर पर सकल व्यय का 40 प्रतिशत से कम है, जबकि उन्नत देशों में यह 70 प्रतिशत से अधिक है। दुनिया में अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करने के मामले में शीर्ष 2,500 वैश्विक कंपनियों की सूची में केवल 26 भारतीय कंपनियां हैं, जबिक चीनी कंपनियों की संख्या 301 है। इस अंतर को प्राथमिकता के आधार पर पाटने की आवश्यकता है। चीन का मकाबला करने के लिए उससे सीख लेने में हर्ज नहीं। इजरायल से भी सीख ली जानी चाहिए,

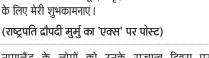
छोटा राष्ट्र होने के बावजूद अनसंधान एवं विकास में निवेश को प्राथमिकता देकर सतत विकास हासिल किया जा सकता है। भारत में निजी कंपनियां मख्य रूप से बिक्री और विपणन में निवेश करती हैं और अनसंधान एवं विकास में पर्याप्त संसाधनों का निवेश नहीं करती हैं। यही कारण है कि भारतीय ब्रांड नवाचार नहीं कर रहे हैं, जिसके पर अनुकरणीय उत्पाद नहीं बना रहे हैं और विश्व बाजार में चीनी कंपनियों की चुनौती का सामना नहीं कर पा रहे हैं। अब समय आ गया है कि मेक इन इंडिया के लिए अनुसंधान एवं विकास पर फिर से ध्यान केंद्रित किया जाए। भारत के पास नवाचार का वैश्विक चालक बनने के लिए आवश्यक सभी सामग्रियां, एक मजबूत बाजार क्षमता, असाधारण प्रतिभावान आबादी और मितव्ययी नवाचार की एक संपन्न संस्कृति हैं।

## Social Media Corner

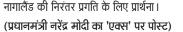
सच के हक में



प्रणाली के संसाधन प्रणाली के भीतर ही बने रहेंगे।



नागालैंड के लोगों को उनके राज्यत्व दिवस पर शुभकामनाएं। नागालैंड को उसकी समृद्ध संस्कृति और राज्य के लोगों के अद्भुत स्वभाव के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है। नागा संस्कृति अपने कर्तव्य और करुणा की भावना के लिए जानी जाती है। आने वाले समय में



विकास के लिए जो पैसे निर्धारित हैं, उन्हें सरकार और उनके मुलाजिमों की तिजोरी में डालने की साजिश चल रही है। हाल ही में, ट्रेजरी से 2,812 करोड़ रुपये निकाले गए हैं, जिन्हें सरकार अपनी झोली में डालकर बैठी है। जब इस फंड का हिसाब मांगा गया, तो सरकार चुप्पी साधे बैठी है। भ्रष्टाचार इतना बढ़ चुका है कि एक विभाग का पैसा दूसरे विभाग वाले निकाल कर हजम कर रहे हैं, और जवाब तक नहीं मिलता।



(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

## केंद्र और झारखंड सरकार



आधार पर डोमिसाइल नीति लागू करने) के साथ तालमेल बिठाना है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि बड़ी तादाद में विदेशियों की आवक से राज्य का आदिवासी चरित्र बदल रहा है, जिसे देखते हुए डोमिसाइल के मुद्दे ने एक नई अहमियत हासिल कर ली है। डोमिसाइल कानून में बदलाव के लिए केंद्र की मंज़्री की भी जरूरत होगी और झामुमो ने भाजपा पर इसे रोकने का आरोप लगाया है। सोरेन को इसके अलावा भी राज्य में कई अन्य शासन संबंधी मुद्दों पर केंद्र के

साथ मिल कर काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की आकांक्षाओं को समर्थन देने का वादा किया है, लेकिन भाजपा का राजनीतिक जोड़-घटाव सोरेन के एजेंडे में अड़ंगा डाल सकता है। नई सरकार को नौकरियों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण बढ़ाने के चुनावी वादे पर भी काम करना होगा और सरना धर्म कोड लागु करना होगा। सोरेन ने कहा है कि उनकी पिछली सरकार ने इन

बदलाव, सरना धर्म कोड, और आरक्षण पर निर्णय पारित किए थे, पर केंद्र ने इन्हें रोक दिया था। उन्हें 450 रुपये में एलपीजी सिलिंडर देने, धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 3200 रुपये प्रति क्विंटल करने,श और मुफ्त राशन योजना के तहत परिवारों के लिए अनाज की मात्रा बढ़ाने जैसे अपने चुनावी वादे पूरे करने के लिए रास्ता तलाशना होगा। सोरेन को झगड़े की कगार पर खड़े समाज, चोट करने का मौका तलाश रही विपक्षी भाजपा, और कमजोर सहयोगियों, कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल से निपटना होगा। सोरेन केंद्रीय एजेंसियों की जांच के निशाने पर रहे हैं, जो अक्सर भाजपा की राजनीतिक सुविधा के मुताबिक काम करती हैं। उनकी राजनीतिक मुद्रा राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर भाजपा विरोधी है और उन्हें शासन में केंद्र का सहयोग भी तलाशना है। इसे देखते हुए उनके सामने आगे कठिन जिम्मेदारी है।

तीनों मुद्दों- डोमिसाइल नीति में

### ओएनओएस का झटका

आम तौर पर अवांछनीय होते हुए भी केंद्रीकरण ने भारत की वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) योजना के जरिए शोधों की सार्वजनिक सुलभता के नजरिए से एक वरदान साबित होने का भरोसा दिया। शोध पत्रिकाओं द्वारा विद्वानों एवं बडे पैमाने पर लोगों से उनके द्वारा प्रकाशित शोधपत्रों को पाने के एवज में भारी शुल्क वसूले जाने, जो कि अभी भी जारी है - के जवाब में ओएनओएस को पहली बार देश की राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति (2020) के पांचवें मसौदे में प्रस्तावित किया गया था। राजस्व जुटाने के इस मॉडल के तहत शोध पत्रिकाएं विद्वानों द्वारा प्रस्तुत शोध-पत्रों को स्वीकार व प्रकाशित करती हैं और जो लोग उन शोधों को पढ़ना चाहते हैं, उनसे शुल्क लेती हैं। विभिन्न शोध संस्थान भी इन पत्रिकाओं की सदस्यता लेते हैं, ताकि विद्वान उनके पुस्तकालयों के जरिए सभी शोधपत्रों को पा सकें। जैसे-जैसे वक्त के साथ ये फीस बढ़ती गई, पुस्तकालयाध्यकक्षों (लाइब्रेरियन) सौदेबाजी के दौरान अपनी मोलभाव की शक्ति बढ़ाने के लिए समूह (कंसोर्टिया) में शामिल हो गए। ओएनओएस, जिसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 25 नवंबर को मंजूरी दे दी, इन कंसोर्टियों की जगह पर राष्ट्रीय सरकार को लाता है और शोध पत्रिकाओं को उन तक पहुंचने के लिए एकल शुल्क प्रदान करने के लिए बाध्य करता है। नतीजा यह है कि महंगी पत्रिकाएं अब कम वित्तपोषित सरकारी संस्थानों में भी उपलब्ध होंगी। हालांकि ओएनओएस सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित संस्थानों तक ही सीमित होगा और यह विद्वतापूर्ण प्रकाशन पर व्यावसायिक प्रकाशकों के दबदबे को जारी रहने की इजाजत देता है। कई शोध पत्रिकाएं सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित शोध पर निर्भर रहती हैं और साथ ही शोधों तक पहुंचने के लिए लोगों से पैसे भी वसूलती हैं। ओएनओएस भले ही इन रकमों को कम कर देगा, लेकिन 30 प्रमुख प्रकाशकों को तीन कैलेंडर वर्षों में 6,000 करोड़ रुपये आवंटित करने की सरकार की इच्छा को अनुसंधान एवं विकास पर किए जाने वाले सकल व्यय की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए, क्योंकि सकल घरेलू उत्पाद का एक हिस्सा स्थिर हो गया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

### The peril of allowing disputed mosque surveys

THE dispute over the Shahi Jama Masjid in Sambhal is the most recent instance in a spate of petitions in courts, seeking directions to survey existing mosques to determine temple remains. This is part of a concerted attempt to intensify disputes over mosques in Varanasi, Mathura and, now, the Shahi Jama Masjid in Sambhal, which enjoys the official status of a 'protected monument' and has been earlier declared a 'monument of national importance.'Over the past few years, these disputes have been escalated with the active encouragement of politically affiliated rightwing groups, aimed at weaponising faith and puffing up interreligious conflicts. After the Supreme Court delivered the verdict in favour of the Hindu parties in the Ayodhya case, it was widely believed that conflicts over disputed sites would cease and communal mobilisation would, henceforth, abate. Contrary to this, the Ayodhya judgment opened up the pathway for petitions demanding access to mosques on grounds that there was a temple beneath it. There is an expectation that given the prevailing political climate, the courts will respond favourably. The template is clear a court-mandated archaeological survey and a judiciary which privileges the faith of the majority in interreligious disputes.It was to prevent such attempts to change the character of the places of worship in the name of correcting perceived historical wrongs that Parliament enacted the Places of Worship (Special Provisions) Act, 1991. This law essentially lays down that the religious character of all places of worship would remain the same as it was on August 15, 1947, barring the Ram Janmabhoomi in Ayodhya, and that no person shall convert any place of worship of any religious denomination into one of a different denomination or section. This, however, couldn't stop proceedings in the Gyanvapi case from taking a swift turn after five Hindu devotees moved a Varanasi civil court, seeking permission to offer daily prayers at the Gyanvapi mosque, which they claimed housed several Hindu deities.

This was followed by an order of a district curt directing the Archaeological Survey of India (ASI) to determine if a mosque was superimposed on a pre-existing temple. The Anjuman Intezamia Masjid, which manages the affairs of Gyanvapi, had argued in the apex court that the survey of the mosque premises would defeat the spirit of the 1991 Act. But this was set aside. The Supreme Court allowed the right-wing groups to proceed with the litigation. The survey was subsequently carried out by the ASI.

Claims to the Gyanvapi mosque are a re-enactment of the events in Ayodhya. As in the case of Ayodhya, this dispute is not about law, nor history, but about politics and pushing the farright project of Hindu supremacy, with courts coming up with ingenious legal justifications to circumvent the Act. The former Chief Justice of India (CJI), DY Chandrachud, set the ball rolling by his observation that changing the 'religious character' of a place of worship may be prohibited under the Act, but 'finding the nature of the religious place' was not. This opened the way for resurrecting dozens of historical disputes as there was nothing barring courts from trying to ascertain the 'religious character' of a particular place of worship.In line with this approach, the Supreme Court refused to stay the Allahabad High Court's order allowing a survey to be conducted at the Shahi Idgah mosque in Mathura to examine whether it was built on a temple.Not only can this train of events be used to alter the character of the place of worship, but it also allows the right-wing to rake up issues around disputed sites of worship nationally and dredge up religious sentiments locally to keep the communal pot boiling. The mosque management committees in Varanasi and Mathura cases challenged the survey exercises based on the Places of Worship (Special Provisions)

## Why women vote matters, not mandir-masjid

HE landslide nature of the victory of the BJP-led NDA in the 2019 Lok Sabha polls captured so much attention that pundits virtually forgot a historical milestone. For the first time ever since the Lok Sabha elections were held in...

THE landslide nature of the victory of the BJP-led NDA in the 2019 Lok Sabha polls captured so much attention that pundits virtually forgot a historical milestone. For the first time ever since the Lok Sabha elections were held in 1952, the female voter turnout surpassed the male turnout. So focused was everyone on the 'Balakot' effect that not much attention was paid to tens of millions of women who thanked the then ruling party for toilets, gas cylinders, pucca houses, electricity connections, Jan Dhan accounts and Mudra loans by voting in droves for the BJP. How do you think the BJP vote share jumped from about 31 per cent in 2014 to almost 38 per cent in 2019?Interestingly, the gap between male and female voter turnout dropped from 4.5 per Unfortunately for the Congress, the 'silent' female

cent in 2009 to 1.5 per cent in 2014. And the BJP became the first party in 30 years to win a Lok Sabha majority. Even more interesting: the female voter turnout dropped significantly in the 2024 Lok Sabha elections as compared to 2019. And the BJP lost its majority. The message is stark: even misogynist politicians can no longer afford to underestimate the power of the female voter to make a decisive difference in elections. Mandal and mandir are considered to be turning points in the Indian electoral history, having irreversibly changed politics and elections in India. The growing role and power of the female voter, too, can be described as a historical turning point in Indian politics. Gradually, yet irreversibly, the female voter is no longer willing to follow the

diktats of a panchayat or a patriarch on whom and which party to vote for. She may not be as noisily aggressive as the female voter in the United States, but is still quietly enjoying her own agency.

For decades, savvy marketing professionals have family choose your brand. Savvy politicians, too, are now realising and recognising this reality. Caste, ethnic and religious identity do matter even today. But the female voter is demolishing these silos. A CSDS (Centre for the Study of Developing Societies) survey of the Maharashtra Assembly elections found that close to a quarter of Muslim women have voted for the Mahayuti. Another CVoter post-poll survey of Jharkhand has revealed that a large proportion of the upper-caste women

have voted for the "tribal" party, the Jharkhand Mukti Morcha (JMM).It is not just the Lok Sabha elections whose outcomes now depend on what women think and how they decide to vote. They, perhaps, play an even bigger role in determining the outcome of the Assembly elections in the states. And they do snub and reject the BJP if they are convinced that there is a better alternative. When the Assembly elections were held in Haryana in October, Congress candidate and champion wrestler Vinesh Phogat became a symbol of the resurgence of the Congress in the state. The outcome seemed a foregone conclusion, with almost everyone expecting a Congress sweep.



voter had other ideas. She seemed to have prioritised her satisfaction with the incumbent on important issues than get swayed by the Jat machismo. In the end, the BJP won 48 seats while the Congress had to be content with just 37 in a House of 90.

realised that it is the woman who can make her But the real impact and power of the female voter reverberated when the Assembly elections were held in Jharkhand and Maharashtra. In both states, analysts talked about strong anti-incumbency and anger at food inflation that eroded household budgets. Other analysts argued that the ruling incumbents in both states had played a trump card by implementing direct cash transfer schemes for women. It was the Ladki Bahin scheme in Maharashtra and the Maiya Samman Yojana in Jharkhand. In the end, these female welfare and

empowerment-oriented cash transfer schemes played a decisive role. What many analysts forget is that 'bribing' voters has been a factor in Indian elections since long. These were mostly confined to cash and liquor to males who would then 'decide' which way the family voted. Bypassing males and directly helping females is a relatively new phenomenon and is clearly paying rich dividends.

There is another factor that is being missed by most analysts while arguing about the growing power of the female vote. Almost all of it seems confined to just the impact of direct cash transfers. It is almost as if the female voter is concerned only with the cash in her bank account when she decides whom to vote for. That she is not concerned about other issues that

would engage a male voter. At best, such an analysis is deeply patriarchal. Women have agency. They think independently. And while they do prioritise money in the bank (who doesn't), they also think about other issues. Once again, Jharkhand and Maharashtra provided telling examples. CVoter surveys in Jharkhand had been repeatedly showing that the arrest of Chief Minister Hemant Soren by the ED had backfired politically. Many local voters considered it to be an assault on their identity and pride. This added a multiplier effect to the Maiya Samman Yojana and the JMM-led alliance romped home.

Add to this the Kalpana Soren factor. Kalpana went out of her way to campaign for her husband Hemant Soren when he was in jail. A simple housewife, when asked to fill the vacuum of leadership in her party not only rose

to that occasion but also became the most potent and lethal campaigner in the moment of crisis. Yes, India remains a patriarchal society. The representation of women in the Lok Sabha and Assemblies is still abysmal. But while they are still to get elected in large numbers, they now decide who gets elected. Ten years back, they became one of the deciding factors of the election mandates. After the current round of elections, they have arrived as the dictating factor of the mandate. Now just wait for the 33 per cent reservation to become reality, and the politics of India will be forced to go beyond the realms of Mandal and kamandal. It is not a question of 'if' anymore but just a question of 'when' that will happen. Well, that 'when' actually happened

### Charisma vs crisis

Priyanka Gandhi Vadra's landslide victory in Wayanad, with a margin of over 4.1 lakh votes, marks a significant moment in her political career and for the Congress party. Her win, alongside her mother Sonia Gandhi and brother Rahul Gandhi holding...

Priyanka Gandhi Vadra's landslide victory in Wayanad, with a margin of over 4.1 lakh votes, marks a significant moment in her political career and for the Congress party. Her win, alongside her mother Sonia Gandhi and brother Rahul Gandhi holding positions in Parliament, consolidates the Gandhi family's influence in politics. It underscores the party's reliance on dynastic leadership. Priyanka's charismatic presence and oratory skills are seen as valuable assets for the Congress, especially as her brother continues to face criticism over his leadership. Her ability to emotionally engage with voters, particularly women, during her campaign helped secure a decisive win. Many within the party hope her rise can inject fresh energy and broaden the Congress appeal.

However, her elevation comes at a critical time. The



Congress has been facing significant electoral setbacks, having been thrashed in Maharashtra and losing ground in

Haryana. These defeats highlight the party's diminishing relevance and raise questions about its ability to compete against the BJP's organisational strength and narrative control.

The key question is: Can Priyanka Gandhi Vadra's ascent breathe new life into a struggling Congress? While her victory in Wayanad demonstrates localised success, translating this into a national momentum will require strategic reforms, alliances and a clear vision for the future. It remains to be seen whether she emerges as a transformative leader or simply a continuation of the Congress dynastic politics. As she steps into the national spotlight, Priyanka faces the daunting challenge of revitalising her party as also proving that the Congress can offer a viable

alternative in the political landscape.

## Priyanka consolidates Gandhi fief

#### A gentleman whom I have never met wrote a letter to me last week. He is 74 and holds a post-graduate degree in arts from Punjab. He begins his epistle by stating, "Your role in Punjab as the police chief...

THE glacial silence in the Congress party following its decimation in the Maharashtra Assembly polls last week tells you why Prime Minister Narendra Modi and his BJP continue to wield power across the country.In one word, it's because the Congress enables them to do so.Photos by The Tribune photographer Mukesh Aggarwal of a Congress Working Committee meeting in the capital on Friday unerringly captures this unwitting state of play in the grand old party. One photo shows the elderly president Mallikarjun Kharge, wrapped in his trademark muffler, obsequiously showing his younger colleague Rahul Gandhi, also in his trademark white T-shirt, a sheet of paper — instead of it being the other way round. Over the last six days, the airwaves have been full of tugs and pressures within Maharashtra's Mahayuti alliance on who is going to be the next chief minister, Devendra Fadnavis or Eknath Shinde. In contrast, the Congress seems to have rolled over and gone back to sleep. Some talk about Uddhav Thackeray exiting from the MVA alliance is roiling the state, but much of the sound and fury between the alliance constituents had actually come before the poll results had come in when they argued about who would be the chief minister of Maharashtra. Certainly, it's a remarkable state of affairs. The Congress and Rahul Gandhi regularly accuse the BJP of promoting Modi to demigod status – a fact the PM himself acknowledged in an interview to News18 in the run-up to the Lok Sabha election in Varanasi, when he said he "was convinced God had sent (me), as this energy cannot be from my biological body" — but the fact remains

that although it continues to lose one election after another, and Jharkhand is the exception rather than the rule, the Congress has simply refused to look inwards. The astonishing fact remains that the Congress' refusal to squarely point the finger at Rahul Gandhi's leadership allows Modi and the BJP to consolidate themselves in state after state. When the BJP lost its majority in Parliament this summer, it closely examined what happened, including why the RSS hadn't helped out. In the Haryana and Maharashtra polls that followed, it ensured it learnt from its mistakes — so it micro-managed every Assembly seat in Haryana to pull the rug from under the feet of an overconfident Congress and romped home in Maharashtra with the help of schemes like Ladki Bahin that guaranteed to put money directly into the bank accounts of women. In sharp contrast, the Congress has blamed the EVMs and put down its failure to "large-scale fraud". Instead of acknowledging failure, like all good leaders, Rahul led the charge in celebrating the win of his very charismatic sister from Wayanad — all very sweet, especially as the young lady showed up in Parliament in a traditional Kerala kasavu sari to take her oath as an MP in impeccably spoken Hindi.But look at it, really. There are now three Gandhis in the house mother Sonia in the Rajya Sabha, children Rahul and Priyanka in the Lok Sabha, he from the heart of Uttar Pradesh in Raebareli, she from the stunning southern hill district of Wayanad. Make no mistake, the family fief has gotten even stronger. The control of the Gandhis over the Congress has become even tighter. The anti-dynasty argument has been long



closed in Indian politics — every political party today, not just the Congress, is littered with the sons and daughters of their mothers and fathers supposedly fighting the good fight. We know the argument by now. That the people of India are so smart that they won't accept you, however entitled you are, if you don't work hard enough for them. The problem with the Congress is no longer dynasty. It is the fact that the Gandhis continue to insist on a 'mukhauta,' a man with a mask, a puppet, really, while the Family pulls the strings from behind. With her elevation to the Lok Sabha, Priyanka has joined the ranks of the puppeteers. As her mother, a remarkable woman who held the family together in the awful aftermath of her husband's assassination in

that tragic summer of 1991 and went on to give the Congress 10 years under the remarkable chairmanship of Manmohan Singh, fades from public life, her daughter has stepped up to the plate.It's irrelevant who the baton has been passed to, whether Sonia's son or daughter. Just the incredibly magnetic presence of the newest Gandhi in the House is enough warning that the Gandhis are no pushovers. That's why Priyanka matters. She may charge up the party and shake up politics. When she speaks in Parliament, she is sure to electrify the free-floating ions. She is unlikely, though, to rock the boat, because it is her brother who is steering it. This means that the Rahulled Congress would rather undermine the vote, both in Maharashtra and Haryana. Or that the brothersister duo are okay with cracks in the INDIA bloc as the Trinamool Congress pleads that Parliament be allowed to function this winter session — rather than climb down from Rahul's Adani-fuelled bugbear.

All this would be fine if the Congress had won a few states — after all, everyone loves a winner. But when it continues to lose and lose, the question why the Gandhis are so special and cannot be challenged like the G23 once thought it could, to its detriment has still not been properly answered. Certainly, no one will be more pleased with this development than Modi. He knows that when he taunts the Congress for its lack of inner-party democracy, he strikes a chord in millions of Indians. He knows and the country knows that the days of 'India is Indira' are long over, and if the Gandhis refuse to take responsibility, the grand old party will slowly wither and the mothballs take over.

### Claim rejections have come down to 25% till November: **EPFO**

NEW DELHI. The Employee Provident Fund Organisation (EPFO) has reduced the rejection of claims to 25% till November 2024, the organisation informed the Central Board of Trustees (CBT) in its meeting on Saturday in New Delhi"As of 26 November 2024, the combined rejection and return ratio was 21.59%. This includes 13.77% inadmissible claims, and returns (deficiency in claims) stood at 7.82%. The final withdrawal claims reflect 11.92% rejections and 13.44% return cases," the EPFO recently said in a post on social media platform X.In 2022-23, the combined rejection and return ratio was 34%, while in the year before, the claim rejections had touched 35%. Claims are rejected when the claimant is not eligible for the type of advance or withdrawal. Claims are returned if there is any deficiency. Returned claims can be resubmitted after corrections. The Board appreciated the fact that rejection ratio (excluding returns) has come down to 14% in November 2024. During the 2023-24, EPFO settled 4.45 crore claims for an amount of Rs 1.82 lakh crore.In the current financial year, 3.83 crore claims have already been settled for more than Rs 1.57 lakh crore, the CBT was informed. In FY25, 1.15 crore claims have been settled in auto mode, whereby requests for withdrawals for education, marriage and medical purposes are settled automatically.

The limit for auto claims settlement faility has also been extended to Rs 1 lakh from Rs 50,000, which has also been extended to advances for housing, marriage and

### FPIs' selling spree continues in Nov at Rs 21,612 crore

Foreign investors pulled out Rs 21,612 crore (USD 2.56 billion) from the Indian equity market in November, mainly due to the rising US bond yields, strengthening dollar and expectation of a slowdown in the domestic economy. While the sell-off continues, the quantum of net outflow significantly reduced compared to October, when FPIs recorded a massive withdrawal of Rs 94,017 crore (USD 11.2 billion). With the latest pull out, Foreign Portfolio Investors (FPIs) have experienced total net outflow of Rs 15,019 crore in 2024 so far. Looking ahead, the flow of foreign investments into Indian equity markets will hinge on several key factors. These include the policies implemented under Donald Trump's presidency, the prevailing inflation and interest rate environment, and the evolving geopolitical landscape, Himanshu Srivastava, Associate Director Manager Research, Morningstar Investment Research India, said.

Additionally, the third-quarter earnings performance of Indian companies and the country's progress on the economic growth front will play a crucial role in shaping investor sentiment and influencing foreign inflows, he added. According to the data, FPIs recorded a net outflow of Rs 21,612 crore in November. This came following a net withdrawal of Rs 94,017 crore in October, which was the worst monthly outflow. However, in September, foreign investors made a nine-month high investment of Rs 57,724 crore.Market analysts attributed the latest outflow to the rising US bond yields, strengthening dollar and expectation of a slowdown in the domestic economy. Overall, November experienced net outflow but FPIs staged a notable reversal at the beginning of the week ended November 29, due to decisive victory of the BJP-led Mahayuti alliance in the Maharashtra Assembly elections. The resulting political stability appears to have strengthened investor confidence, Srivastava said.

Another factor that contributed to his buying activity is the rebalancing of MSCI's key indices, which added few select Indian stocks in its index. Further, a glimmer of hope for ceasefire between Israel and Lebanon may have also positively influenced market sentiment, particularly from a geopolitical standpoint, he added. A perplexing feature of the recent FPI activity is their highly erratic nature. For instance, during November 23-25, FPIs were buyers, however, in the next two days they again turned massive sellers having sold equity worth Rs 16,139 crore, V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said.

### Real estate developers' luxury push continues even as launches below Rs 2.5 crore slow down

NEW DELHI. After growing at a robust 52 per cent annually since the Covid-19 pandemic, residential launches across India's top real estate markets fell by 2 per cent in the first three quarters of 2024 compared to the same period in 2023. This marks the sector's first slowdown since the post-2020 boom, with just one ticket size bucking the trend – luxury units priced above Rs 2.5 crore.

The growing premiumisation of India's residential real estate sector amidst easing demand is also evident in sales, which fell by 3 per cent year-on-year (y-o-y) between April and September 2024, while the average ticket size of units sold grew by 23 per cent, an analysis of data from Anarock showed. In the Delhi-NCR market, where demand for luxury housing is especially pronounced, sales fell by 0.6 per cent while the average price of units sold surged by 56 per cent. The first signs of a slowdown in residential real estate mirror recent concerns around waning urban demand across sectors, from automobiles to consumer goods. Major developers have announced plans to transition away from affordable housing as they no longer see a business opportunity in the segment. Even in the upper-end Rs 1.5-2.5 crore segment, launches fell by 15 per cent yo-y in the first three quarters of 2024, as against doubling each year between 2020 and 2023.

Strong demand for luxury housing

Launches of residential units priced above Rs 2.5 crore across the top seven cities—including the Mumbai Metropolitan Region (MMR), Delhi-NCR, Bengaluru, and Chennai—surged at a compounded annual growth rate (CAGR) of 116 per cent between 2020 and 2023...

## Catching fast: Quick commerce is here to stay

**BENGALURU.** A few years ago, when the concept of quick commerce, a business year. This shows non-grocery items' concept of quick commerce, a business model where goods are delivered within traction, venture capitalists and even a few start-up founders raised questions on the model and wondered whether it is scalable, and do customers really require 10 minutes delivery.But in 2024, all major ecommerce companies are betting big on quick commerce as customers' preferences have changed over years. Not just groceries, major q-commerce players such as Blinkit and Zepto have extended their services in many categories and have introduced new features. From LEGO sets to sports, gym equipment, yoga needs and travel bags, Zomatobacked Blinkit delivers everything in 10 minutes.Now, Amazon India mulls foraying into the quick commerce space early next year with Tez. Swiggy shares got listed on the exchanges on November 13 at around Rs 420. Swiggy said in its draft offer documents filed with SEBI that the assortment of non-grocery items available on Instamart has been growing. The category contribution to the

assortment has increased from 18.20% in

growth and popularity among users.

10 minutes to 1 hour, started gaining Also, for FMCG companies, q-commerce emerges as a fastest growing channel. Nestle India recently said that qcommerce is 50% of its e-commerce business and that it is the fastest channel of growth. Tata Consumer saw its festive sales increase through q-commerce.

> According to a Nielsen IQ Shopper Trends 2024 Report, 31% of Indian shoppers now rely on quick commerce for their main grocery needs, while 39% use it for top-up purchases. Among the popular categories, 42% of shoppers use quick commerce for Ready-to-Eat meals, and 45% for Salty Snacks."Like any other sector, FMCG companies are also experiencing significant benefits from the rise of q-commerce, focusing heavily on ultra-fast deliveries. This shift is being driven by changing consumer expectations and the need for speed in delivery, leading to substantial growth in e-commerce sales," says Somdutta Singh, angel investor, Founder and CEO of Assiduus.Singh adds that quick commerce enables FMCG brands to

penetrate urban micro-markets.For instance, by utilizing local warehouses or dark stores, companies can ensure faster deliveries and better serve densely populated areas."This strategy not only improves service speed but also allows brands to access new customer bases that value quick service. The immediacy of qcommerce encourages impulse purchases, as consumers are more likely to buy items on a whim when they know they can receive them almost instantly,' she says."This can significantly boost average order values, particularly in categories like snacks and personal care products. Also, quick commerce allows FMCG companies to reduce reliance on traditional retail channels, streamlining their supply chains and potentially increasing profit margins by eliminating intermediaries," Singh explains.

Expansion of dark stores

A strong network of dark stores (which is a retail distribution centre for online orders) is essential for quick commerce players, especially to increase its market share. Quick commerce companies are raising money to invest in dark stores. In just six months, Zepto announced three fundraising rounds and in the latest round, it raised \$350 million.Quick commerce logistics enabler Blitz recently raised Rs 40 crore in Series A funding led by IvyCap Ventures to enhance its 60-minute delivery infrastructure and expand its dark store network across the country's top 20 cities. Yash Sharma, Co-founder of Blitz told TNIE that Blitz is committed to empowering marketplaces and brands with 60-minute delivery capabilities, setting the stage for 10x growth in FY25. "Quick commerce in India is currently a \$3 billion market, representing just 5% of the total e-commerce space. Having grown 3x in the past two years, it is projected to become a \$30 billion industry within five years," he said.

Talking about various challenges, he said many brands lack the infrastructure to enable quick commerce on their platforms, resulting in lost sales. Nearly 30% of customers abandon carts due to slow delivery timelines, highlighting a critical gap. Vikram Gupta, Founder and Managing Partner, IvyCap Ventures, pointed out that they are seeing opportunities in this space as the market is expected to grow significantly.

## Capex slowdown helps govt cut deficit by 6.6 per cent in Apr-Oct

NEW DELHI. Trading sentiment in the equity market this week will be guided by global trends, foreign fund movement, macroeconomic data announcements and RBI's interest rate decision, analysts said. The monthly auto sales data announcement will also be tracked by investors this week. Markets Brace for GDP Reaction"Looking ahead, markets are likely to react to the disappointing GDP growth of 5.4 pc on Monday. The upcoming RBI policy will be crucial, with both the interest rate decision and commentary being key focus areas.

Global Geopolitical and Macroeconomic Concerns"On the global front, geopolitical tensions, particularly the Russia-Ukraine situation, remains a concern. Important macroeconomic data such as manufacturing PMI from India, the US, and China, along with US jobs data and Fed Chair Jerome Powell's speech, will also influence market sentiment," Santosh Meena, Head of Research, Swastika Investmart Ltd, said.India's Economic Growth Slows but Remains RobustIndia's



economic growth slowed to near twoyear low of 5.4 per cent in the July-September quarter of this fiscal due to Focus Areas for the Upcoming Week poor performance of manufacturing and mining sectors as well as weak consumption, but the country continued to remain the fastest-growing large economy, data showed on Friday. Equity Market Ends Volatile Week on Positive NoteThe Indian equity market ended the last week on a positive note after experiencing significant volatility. Key Domestic and Global Data to Influence Markets

"The outlook for the market will be

guided by the major domestic and global economic data such as India's manufacturing PMI, services PMI, interest rate decision, US S&P global composite PMI, manufacturing PMI, services PMI, non-farm payrolls and initial jobless claims," Palka Arora Chopra, Director, Master Capital Services

Weekly Performance of Key Indices Last week, BSE benchmark Sensex jumped 685.68 points or 0.86 per cent and NSE Nifty climbed 223.85 points or 0.93 per cent.

"Participants will first react to the GDP data released post-market on Friday. The primary focus will be on the RBI monetary policy review. Additionally, high-frequency indicators such as auto sales, along with manufacturing and services PMI data, are expected to provide further market direction. Foreign inflows will also remain in focus as a major driver of sentiment,' Ajit Mishra – SVP, Research, Religare

## Commercial LPG Cylinder Price Up By Rs 16.5, ATF Price Hiked 1.45%

NEW DELHI. Jet fuel, or ATF, price on Sunday was hiked by 1.45 per cent and rates of commercial LPG used in hotels and restaurants increased by Rs 16.5 per 19-kg cylinder in the monthly revision done in line with international oil price trends.

Commercial LPG Prices Increased

Oil firms also increased the price of commercial LPG by Rs 16.5 to Rs 1818.50 per 19-kg cylinder. Fifth Consecutive Monthly Hike in Commercial

This is the fifth stright monthly hike in commercial LPG price. Rates were hiked by Rs 62 per 19-kg cylinder at the last revision on November 1.

Year-High LPG Prices After Recent Increases

In five price increases, commercial LPG rates have hiked by Rs 172.5 per 19-kg cylinder. Rates are now at their highest level in one year.

The increases negated the four monthly reductions prior to the current cycle that started in August. In the four rounds, prices had been cut by Rs 148 per 19-kg cylinder.LPG Price Variations Across CitiesCommercial LPG now costs Rs 1771 per 19-kg cylinder in Mumbai, Rs 1,927 in Kolkata and Rs 1,980 in Chennai. Prices of ATF and LPG differ from state to state depending on the incidence of local taxes including VAT.

No Change in Domestic LPG Prices

The rate of cooking gas used in domestic households, however, remained unchanged at Rs 803 per 14.2-kg cylinder.

ATF Prices Increased Again in December

The aviation turbine fuel (ATF) price was increased by Rs 1,318.12 per kilolitre, or 1.45 per cent, to Rs 91,856.84 per kl in the national capital – home to one of the busiest airports in the country, according to state-owned fuel retailers.

Consecutive Monthly Hikes in Jet Fuel Prices

This is the second straight monthly increase in jet fuel prices. Rates were increased by Rs 2,941.5 per kl (3.3 per cent) on November 1. That hike came after two rounds of reduction which had taken the rates to their lowest level this year. ATF price on October 1 was cut by 6.3 per cent (Rs 5,883 per kl) and by Rs 4,495.5 per kl, or 4.58 per cent on September 1.

ATF Price Hike in Mumbai

The ATF price in Mumbai was increased to Rs 85,861.02 per kl on Sunday from Rs 84,642.91 previously.Factors Influencing ATF and LPG PricingState-owned Indian Oil Corporation (IOC), Bharat Petroleum Corporation Ltd (BPCL), and Hindustan Petroleum Corporation Ltd (HPCL) revise prices of ATF and cooking gas on the first of every month based on the average price of benchmark international fuel and foreign

## EPFO Board approves reinvestment norms for ETF redemption, amnesty scheme for employers

**NEW DELHI.** A redemption policy for investments in exchange-traded funds of those redemption proceeds into ETFs, along with an amnesty scheme for employers to voluntarily disclose and rectify past non-compliance without penalties was approved by the Central Board of Trustees of the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) in its 236th meeting Saturday. The Board also discussed the pilot of the Centralised Pension Payment System (CPPS), which is likely to be launched on December 31. The EPFO, which has 7.37 crore contributing subscribers and a total of 32.56 crore members, plans to increase the ETF redemption period to 7 years from 4 years over the next six years to improve yields. While 50 per cent of the redemption proceeds will

such as Bharat 22 and CPSE ETFs, the to 15 per cent of the fresh accretion. (ETFs) and reinvestment of 50 per cent remaining 50 per cent would be The 44-member CBT, headed by Labour existing pattern such as government securities and corporate bonds. The changes in investment norms is being done with an aim to earn better returns through investment in equity. The investment committee of the EPFO had earlier noted that "there is a need to balance the short-term returns on investments under EPF Scheme with the future growth prospects in equity". As per the notified pattern of investment by the Ministry of Labour and Employment, the EPFO can invest up to 15 per cent of its incremental flows in equity. EPFO started with an investment of 5 per cent in equity through ETFs on Sensex or Nifty in August 2015. Subsequently from 2017

invested in other asset classes as per the and Employment Minister Mansukh Mandaviya and having both employees' and employers' representatives, also gave nod for the EPFO Amnesty Scheme 2024. The scheme is being brought as the Labour and Employment Ministry moves ahead with the implementation plan for the Budget announcement of Employment Linked Incentive (ELI) scheme. The initiative is designed to encourage employers to voluntarily disclose and rectify past noncompliance or under-compliance without facing penalties or legal repercussions. A simple online declaration from employers will be

the Ministry said in a statement.

sufficient to avail the scheme benefits," exchange rate.

## COP29 in Baku: Oil and money stain climate talks

**NEW DELHI.** It is indeed ironical the UN Climate Conference, also known as the Conference of Parties (COP), chooses to hold their jamborees in capitals that are the hub of fossil fuel interests. The World, desperately fighting Climate Change and global warming, held its 200-nation gathering in December 2023 in Dubai; and now COP29 has just concluded in Baku, Azerbaijan – the oldest oil exploration town existing since 1840!

The President of Azerbaijan, Ilham Aliyev, Poor compromise opened COP29 on 11 November, The Baku conference seemed doomed from embarrassingly referring to the country's oil wealth as "the gift of God" to his people. What could he say? Oil represents 90% of Azerbaijan's exports.

It was billed as a 'finance conference'. The focus of the summit this year was to get the developed world to agree to a new target of funding pegged at \$1.3 trillion a year. It was to help the poorer nations to move away from fossil fuels and to repair the climate change havoc wrought on communities around the world.

There's been a history of skirmishing between the rich and poor nations on who will pay for the environmental damage.

With much back-and-forth, a deal was finally reached in 2009 at the Climate Conference in Copenhagen when the rich nations agreed to raise \$100 billion by 2020.Expectedly, the developed world reneged from its commitments, and it was only in 2022 that the target was met when funding touched \$106 billion. Much of this was disguised low-interest loans, something the poor nations had not bargained for.

the start. The demand for \$1.3 trillion a year by the Global South was met with derision by the rich nations. At one point, representatives for the Alliance of Small Island States (AOSIS) walked out of the summit, after dismissing an offer of \$250bn from richer countries. It seemed the climate catastrophe was not registering. Tuvalu, a small south Pacific island nation, was facing submergence with rising tides, but who cares?

In this melee of spats and protests, by 24 November, when the conference was supposed to close, there was no agreement. The differences were so sharp



that Mukhtar Babayev, the Azerbaijan environment minister, also president of the Conference, had two speeches in hand when he walked up for his closing remarks. But the rich nations, with a push from China and India, finally delivered. The gavel came down with the adoption of the rich nations' proposal to raise \$300 billion a year by 2035. It was a bitter compromise for the poor natins. Most environmental groups said it would have been better not to have any deal at all; but a deal is always better than no deal, as it let's one build on it.

**India and China** 

India led the developing countries at COP29, and continued to reiterate the demand for raising funding to \$1.3 trillion a year. When the gavel came down on \$300 billion, India's delegate Chandni Raina, in a fierce speech called the deal "paltry" and "nothing more than an optical illusion", and unable to "address the enormity of the challenge we all face.'

However, as the world's third biggest emitter and fifth biggest economy, India has been caught in a cleft between advocating renewable energy and continuing a legacy of electricity generation that relies heavily on coal power plants. India generates 80% of its electricity from coal-fired plants, and it is rising. In January 2024, coal-fired electricity generation in India reached a record high of 115 terawatt hours (Twh), a 10% increase from the same month in 2023. This was reflected in India's ambivalence at COP29 - fierce public opposition to the final deal, but not pressing too many objections in the intervening days at the conference. India was keen for a deal as climate finance could bolster its transition to a cleaner economy. In the process, though it slammed the "paltry" \$300 billion, it did not veto the deal; and.

## Delhi HC to CBI: Appoint officer in coaching centre deaths

The directive came in response to a petition filed by Dalvin Suresh, the father of one of the deceased students, who had raised concerns over the fairness of the ongoing investigation.

NEW DELHI. The Delhi high court has directed the Central Bureau of Investigation (CBI) to appoint a senior The HC also remarked on the ACJM's officer to regularly monitor the investigation into the UPSC aspirants' death case at RAU's IAS Study Circle in Old Rajinder Nagar area. The directive

came in response to a petition filed by Dalvin Suresh, the father of one of the deceased students Nevin Dalvin, who had raised concerns over the fairness of the ongoing investigation.Justice Dinesh Kumar Sharma, in his order dated November 27, emphasised the need for balanced oversight."In order to balance the rights, director CBI is requested to appoint a senior officer to have regular monitoring of the investigation being conducted by the CBI. This court hopes and trusts that the CBI will maintain the faith of the petitioner," stated the court. The court

also acknowledged the petitioner's apprehensions about the investigation's integrity but refrained from issuing further directives. The petitioner had earlier approached the high court after his plea for replacing the investigation officer (IO) was dismissed by the Additional Chief Judicial Magistrate (ACJM), Rouse Avenue Courts.

observation that magistrates cannot monitor investigations under Section 156(3) of the Criminal Procedure Code.Justice Sharma clarified that while



magistrates cannot compel the CBI to register an FIR, they possess the authority to oversee investigations once initiated by the CBI."This Court considers that this observation of the learned MM [Metropolitan Magistrate] may not be in accordance with the law. Once the CBI has registered the case and is conducting an investigation, the concerned Court will have all the power to monitor the investigation in line with established legal principles," the court noted.Advocate Abhijit Anand, representing Dalvin Suresh, argued that the investigation lacked thoroughness, citing critical gaps

such as the failure to seize the building site plan and CCTV footage. He also alleged noncompliance with earlier high court directions."An impartial and comprehensive investigation is a fundamental right of the petitioner," the counsel said, urging the court to consider appointing an independent officer of at least Inspector General rank. The CBI refuted allegations of bias, maintaining that the investigation was conducted in a fair and lawful manner under

close supervision.It informed the court that two status reports had already been submitted to a division bench in sealed cover. Highlighting its internal monitoring mechanisms, the CBI assured the court that the investigation was being closely overseen by senior officials and monitored by the Secretary of the Central Vigilance Commission (CVC), following prior judicial directives. While dismissing the petition, Justice Sharma said, "This Court is conscious of the genuine concerns of the petitioner but trusts that the CBI will uphold its commitment to justice."

### Everything changed the day I lost my son': For 3 women whose loved ones died cleaning sewers in Delhi, justice out of reach

New Delhi: Rajkumari, Ram Kali and Salesh Devi have each lost a loved one — a husband, a son on the job. The job? Cleaning Delhi's sewers. For one of them, promises of compensation have gone unfulfilled. For all three, justice remains elusive. They are not alone. The lives lost are among the 94 sewer deaths over the past 15 years in Delhi, but in 75 of those deaths, for which records are available, only one case has led to conviction in court, according to an investigation of RTI records by The Indian Express.The Indian Express tracked down and met the three women to know how their lives changed overnight and where their case stands — it found a swell of despair and helplessness.

Background: Moved from UP's Sisamau village to Delhi in search of better work opportunities; belongs to the SC community.Case: Died cleaning a sewer in Rohini Sector 18 in 2011Case status: Accused (a junior engineer) acquittedCompensation: Rs 10 lakh received from the government"This system where people like us are expected to take up these jobs, it's unfair. But what can we do? We don't have the education to get better jobs or money to study further," Rampal's wife Rajkumari (50s), who lives in Delhi's Haiderpur village, said.

According to records, Rampal, who worked as a safai karamchari at a housing society, earning Rs 8,000 a month, died cleaning a sewer in front of the complex in Rohini's Sector 18 in 2011. In October 2018, the Rohini Metropolitan Magistrate Court acquitted the accused, a junior engineer (JE), citing a lack of evidence. It noted that the sewer had not been maintained by the Delhi Development Authority (under whom the area falls) and there were no witnesses to confirm Rampal was instructed to clean it under the JE's supervision.Rajkumari said she was unaware of the court's decision until now. "I was angry (about the way Rampal died) at first, but we just want to move on now," she said.

After Rampal's death, Rajkumari, who earned around Rs 5,000 working as a house cleaner, was left to raise their four children — Ravi, Rinki, Shivam, and Aditya — alone. Rinki completed a degree in Arts and works at a bank. The sons were forced to leave school after Class X to support the family, she said. Shivam works as a cleaner in a nearby society. Aditya is now a driver. Everything changed that day'

Manoj (19)Background: Family moved from UP's Jhinjhana to Delhi in 2008; father stayed back in village, working as a farm labourer. Belong to

the SC community. Case: Died cleaning a sewer

in Rohini's Sector 3 in 2012

Case status: Trial pendingCompensation: Family says they received only Rs 2 lakh of the Rs 10 lakh compensation amount"I moved to Delhi so I could give a good life to my children... Everything changed the day I lost my son... since my son passed away, my health has been poor," Manoj's mother Ram Kali (60), who lives

### After failing exam, man roams around wearing fake Army uniform in Gujarat

New Delhi. In a recent incident in Porbandar, a young man posing as an army officer was detained by the police after locals raised suspicions. The man was seen walking around Porbandar Chowpatty dressed in a uniform resembling that of the Indian Army. He did not interact with anyone, which caught the attention of local police officers. The police, who were passing through the area, decided to investigate further. Upon questioning the young man, he initially claimed to be a



member of the Indian Army but could not produce his ID card when asked.

He then stated that he had forgotten it at home. His evasive answers raised further doubts, leading to his detention and questioning at the police station. During the investigation, the man, identified as Sanjay Dodiya, a 10th-grade pass, confessed that although he had appeared for the army exam, he did not succeed. Driven by a strong desire to join the army, he began wearing a fake uniform, complete with a nameplate, and roamed around pretending to be an army officer. The police confirmed that he had not attempted to deceive anyone or use his fake identity for malicious purposes.Dodiya was arrested on charges of impersonating a public officer. However, as no fraudulent activities were reported, he was released

### Bihar egg seller's son overcomes odds, becomes judge despite financial struggles

NEW DELHI. Adarsh Kumar, the son of an egg seller. has become a civil judge after passing the 32nd Judicial Services Exam of the Bihar Public Service Commission (BPSC). He is from Shivganj, Aurangabad.

His father, Vijay Saw, sold eggs on a cart in the Shivganj market to support his family. Despite financial struggles, Vijay ensured that his children's education was not affected. His wife, Sunayana, also took loans from a self-help group to help fund their children's studies,



keeping the financial difficulties hidden from them. Adarsh, unaware of these sacrifices, focused on his studies. After completing a five-year BA LLB degree from Chanakya National Law University in Patna, Adarsh successfully cleared the BPSC Judicial Services

He credited his success to his parents, saying, "I owe everything to my mother and father. Their hard work inspired me to work with the same dedication."While speaking to, Adarsh Kumar's mother said she had high hopes of her son, and she's extremely proud of how he has worked despite their financial struggles.

## Jagan Reddy's party slams Pawan Kalyan over Kakinada port remarks: Theatrical

New Delhi. The YSR Congress Party (YSRCP) has taken a strong stance against Deputy Chief Minister Pawan Kalyan, criticising his remarks during his visit to the Kakinada Port.Former ministers Ambati Rambabu and Kurasala Kannababu addressed the media in separate press conferences, alleging that Pawan Kalyan's statements revealed cracks within the coalition government. The Jana Sena leader had complained about a lack of cooperation from officials at the port, a claim YSRCP leaders termed as "theatrical" and indicative of his inability to manage administrative affairs.

The Kakinada Port, a critical anchor port for rice exports, has been under scrutiny for the smuggling of Public Distribution System (PDS) rice.Officials recently seized a consignment of PDS rice, prompting Pawan Kalyan's dramatic visit and remarks. Rambabu and Kannababu



accused the Deputy Chief Minister of being either ignorant of the facts or lacking understanding of governmental operations.

'Corruption at the port has been an ongoing issue. If PDS rice has passed through the check posts set up by the Civil Supplies Department and reached the ships, it implies either official clearance or compromises by local leaders of coalition parties," the

coalition members have been openly clashing over revenuesharing issues. They pointed to disputes over liquor, sand, and other revenue streams, claiming these conflicts reflect deeper fissures within the government. Ambati Rambabu highlighted a

former ministers stated. The

YSRCP leaders alleged that

recent altercation between two Rayalaseema leaders over a fly-ash issue, necessitating the Chief Minister's intervention. They also accused coalition parties of focusing on personal gains during their tenure, with "MLA taxes" and other alleged exploitative practices burdening genuine stakeholders like exporters.

Kanna Babu also criticised the government's handling of power tariffs, contrasting the YSRCP's lower power purchase rate under YS Jagan Mohan Reddy with the higher rates under the previous Chandrababu Naidu regime.

## Delhi Weather: November Warmest In 5 years, Temperature Dip Likely Next Week

The average minimum temperature for **November** has been 14.9 degrees Celsius.

New Delhi. Continuing the trend of warmerthan-usual months, November this year emerged as the warmest in the last five years, with the highest day and night temperatures.

This is the most delayed dip below 10 degrees Celsius since 2019, when this happened on December 1, according to the India Meteorological Department (IMD) data.The average minimum temperature for November has been 14.9 degrees Celsius, nearly 2 degrees Celsius above the long-period average (LPA) of 13 degrees Celsius.Similarly, the average maximum temperature stood at 29.5 degrees Celsius, 1.1 notch above the LPA, marking this as the warmest November since 2019. The sharp decline in minimum temperature began on November 25, when it stood at 14 degrees Celsius and dropped steadily due to strengthened cold northwesterly winds and clear nighttime skies. The temperature fell to



11.9 degrees Celsius on November 26, 10.4 degrees Celsius on November 27 and 10.1 degrees Celsius on November 28, before dipping below the 10-degree Celsius mark on Friday for the first time this season. Speaking over the weather conditions, IMD officials said while the current cold spell is typical for late November, the season has been characterised by overall warmer-than-usual conditions due to a lack of significant rain

and snowfall. A temporary rise in nighttime temperatures by 1-2 degrees Celsius is expected over the weekend due to a western disturbance influencing northwest India, with another dip likely early next week as snowfall occurs in the northern hills.Meanwhile, October too had been warmer than usual, as the city recorded its warmest October this year since 1951, with both days and nights recording nearly 2 degrees Celsius higher than normal on average. The average monthly maximum and minimum temperatures in October were 35.1 degrees Celsius and 21.2 degrees Celsius respectively, the highest since they were 36.2 degrees Celsius and 22.3 degrees Celsius respectively in 1951, according to the data. Additionally, on Friday mercury dipped below the 10-degree Celsius mark for the first time this winter season, with Safdarjung, which is representative of Delhi's weather, recording.

## Reinstating bus marshals: Contentious issue that has spilled into AAP's 2025 Delhi poll campaign

**≻**To prevent incidents of misbehaviour towards women in DTC buses, the bus marshal scheme was introduced in 2015.

**NEW DELHI.** The termination of services of over 10,000 bus marshals last recruitment has become a contentious issue between the AAP government and the Opposition BJP, triggering protests and heated exchanges in the past year. More recently, it has led to disruptions during former chief minister Arvind Kejriwal's campaign rallies, making it a focal point during the Delhi polls slated for early next year. At a rally in Burari on Friday, Kejriwal's speech was interrupted by Mukesh Pal Singh, a bus marshal, as he

raised slogans and pleaded for his reinstatement.After inviting him to the stage, Kejriwal said, "This brother is a bus marshal. I and my party are the ones fighting for you; no one else will. In Gujarat, even police officers are on temporary contracts. The BJP never makes anything permanent."

November on grounds of improper On Saturday, a man named Ashok Jha, who police said was a bus marshal from



Kejriwal while he was greeting the crowd during a padyatra at Malviya Nagar in Greater Kailash.Sachin Bharwal, a representative from the Bus Marshal Pratinidhi Mandal, said: "In the fight to take credit for the redeployment of bus marshals, our futures are at stake. Both parties are deliberately creating hurdles for each other, and an issue that could have been easily solved is being delayed. Even among bus marshals, many people have started taking sides of parties, which will only weaken our movement."

Γο prevent incidents of misbehaviour towards women in DTC buses, the bus marshal scheme was introduced in 2015. Initially, 3,356 civil defence volunteers (CDVs) were deployed as marshals, and following a 2019 recommendation by a task force on women's safety, the vacancies were increased to over 13,000,

with over 10,000 appointed in subsequent years. However, in November 2023, the services of these 10,000 bus marshals were abruptly terminated after the Revenue and Finance departments said that their deployment as bus marshals did not align with the Civil Defence Act, 1968. Since then, the dismissals have fueled a blame game between the AAP-led Delhi government and the Centre-appointed L-GVK Saxena.

### "Turn To Love, Not Fear": Kate Middleton's Christmas Letter After Cancer Battle

London. Kate, Britain's Princess of Wales, says love is the greatest gift people can give each other in a message to guests who will attend her annual Christmas carol service next week at London's Westminster Abbey.

The December 6 carol concert, the fourth she has hosted, marks Kate's most prominent return to royal engagements since she underwent a course of preventative chemotherapy for cancer.

In a letter to the 1,600 invited guests, Kate, 42, the wife of heir to the throne Prince William, returned to themes of love and the need for empathy about which she has spoken in previous very personal statements and video updates on her health. Christmas, her letter said, was not only a time for celebration, but also for reflection and relief from the pressures of daily life.

She said the Christmas story reflected "our own vulnerabilities", and how much people needed each other despite their differences."Above all else it encourages us to turn to love, not fear," she wrote. "It is this love which is the greatest gift we can receive. Not just at Christmas, but every day of our lives," she said. William, who earlier this month said the year had been "brutal" for the royal family with Kate's treatment coming in the wake of his father King Charles' own cancer diagnosis, will give a reading at the service. Six-time Olympic track cycling champion Chris Hoy, who revealed he had terminal cancer himself in October, will light a candle. The "Together At Christmas" service will be broadcast on Britain's ITV on Christmas Eve.

### Hindu Spiritual Leader's Arrest Being 'Misconstrued': Bangladesh To UN Forum

United Nations. The arrest of a Hindu leader in Dhaka has been "misconstrued" and he was arrested on specific charges, Bangladesh has told a UN forum on minority issues, claiming that there has been no systematic attack on minorities in the country. Hindu priest Chinmoy Krishna Das, a former member of International Society for Krishna Consciousness (ISKCON), was arrested from Dhaka's Hazrat Shahjalal International Airport on Monday. He was denied bail and sent to jail by the Chattogram's Sixth Metropolitan Magistrate court in a sedition case on Tuesday. With utter dismay, we note that the arrest of Chinmoy Das has been misconstrued by some speakers, although he was actually arrested on specific charges. The matter is being dealt with by our court of law," Ambassador and Permanent Representative of Bangladesh to the UN Offices and other international organisations in Geneva Tareq Md Ariful Islam said. Islam made the statement during the 17th session of the Forum on Minorities Issues that took place in Geneva on November 28-29.After Das, the leader of the Hindu group Sammilita Sanatani Jote, was sent to prison, it triggered protests by Hindus in various locations, including the capital Dhaka and the port city of Chattogram. India has noted the developments with deep concern even as a diplomatic row has erupted between the two South Asian neighbours.

During the session, some Bangladeshi NGOs and individuals spoke about the situation in the country. A representative of the International Forum for Secular Bangladesh (IFSB) said that the situation right now in the country is "very alarming" and a 'very burning issue." Referring to Das' arrest, the representative said that ISKCON is a very popular and peaceful organisation but the former ISKCON leader has been arrested with "nothing accused against him. He was arrested three days before in Dhaka and now Bangladesh every day .... the police, army ... every day, they are torturing the minority."

Islam said that Bangladesh reaffirms that every Bangladeshi, regardless of religious identity, has the right to practice their respective religion or express views freely. "Ensuring safety and security of every citizen, including from the minority community, remains the cornerstone of the interim government of Bangladesh," Islam said.

### Taiwan President Gets 'Red Carpet' Welcome In US, China Reacts

Honolulu, United States. Taiwan President Lai Chingte was feted with a red carpet, garlands of flowers and "alohas" as he kicked off his two-day stopover in Hawaii on Saturday, part of a Pacific tour that has sparked fiery rhetoric from Beijing.

China claims Taiwan as part of its territory and has responded to Lai's first overseas trip as president with threats to "resolutely crush" any attempt for independence.Looking relaxed in a Hawaiian shirt, Lai flitted around the US island state, visiting a Pacific island history museum, an emergency management centre and the USS Arizona Memorial in Pearl Harbour. Earlier, he was given the "red carpet treatment" on the tarmac of Honolulu's international airport, according to his office, which said it was the first time a Taiwanese president had been given such

He was met by Ingrid Larson, managing director in Washington of the American Institute in Taiwan, Hawaii Governor Josh Green, and others. At every turn, Lai was presented with garlands of brightly coloured flowers or leaves known as leis, greetings of "aloha", and other Hawaiian gifts. In the evening, Lai is expected to deliver his first public speech of the week-long trip at a dinner attended by US government officials and Taiwanese people living abroad. Beijing opposes any international recognition of Taiwan and its claim to be a sovereign state and especially bristles at official contact between the island and the United States.Like most countries, Washington does not recognize Taiwan diplomatically but is its most important backer and biggest supplier of arms.In a statement, China's foreign ministry said it "strongly condemns" the United States for Lai's stopover and that it had "lodged serious protests with the US".

## Thanks for dinner: Trudeau's all-smiles pic with Trump amid tariff hike threat

World. Canadian Prime Minister Justin Trudeau on Saturday (local time) was all smiles as he enjoyed dinner with US President-elect Donald Trump at his Mar-a-Lago residence in Florida following talks amid the Republican leader's warning to impose 25 per cent tariffs on Canadian and Mexican imports after he takes office in January.

Trudeau made an unannounced visit to Florida on Friday evening and became the first G7 leader to meet with Trump before he begins his second term on January 20 amid fears of the US President-elect threatening tariffs on Canada and Mexico if they did not curb the flow of drugs and illegal immigration across the US's

Thanks for dinner last night, President Trump. I look forward to the work we can do together, again," Trudeau posted on X, with a picture of him and Trump beaming at dinner at the Mar-a-Lago residence. Trump described his meeting with Trudeau as "very productive" and said both of them

discussed a wide range of topics, including drug smuggling and the "massive trade deficit the US has with Canada".In a post on Truth Social, Trump said he made it very clear that the US would no longer sit idly by as its people became victims to what he called the "scourge of the drug epidemic"."I just had a very productive meeting with Prime Minister Justin Trudeau of Canada, where we discussed many important topics that will require both countries to work together to address, like the fentanyl and drug crisis that has

decimated so many lives as a result of illegal immigration, fair trade deals that do not jeopardise American Workers, and the massive trade deficit the US has with Canada," he said.

"I made it very clear that the United States will no longer sit idly by as our citizens become victims to the scourge of this drug epidemic, caused mainly by the drug cartels, and fentanyl pouring in from China.

Too much death and hardship! Prime Minister Trudeau has made a commitment Outgoing President Joe Biden slammed to work with us to end this terrible devastation to US families. We also spoke about many other important topics, like energy, trade, and the Arctic. All are vital days back in office, and before," he said.On Friday, Trudeau said in a press conference in Canada that he was taking Trump's tariff threat seriously. "Donald Trump, when he

makes statements like that, he plans on carrying them out," he said.

Trump's pledge has raised fears of a trade war with Canada and Mexico. The Republican leader is keen on using tariffs as a tool to pressurise both countries to stem the flow of illegal drugs into the US, particularly, deadly opioid fentanyl, and also migrants crossing illegally into the US.While Trump has argued that tariffs on imports would help to protect US manufacturers and boost domestic job growth, several economists have warned that the move would increase costs for US consumers.

Trump's tariff proposal, saying it was "counterproductive" and it could threaten to "screw up" the US's relations with Canada and Mexico.

issues that I will be addressing on my first Mexico President Claudia Sheinbaum warned this week that Trump's tariff plan would have dire consequences for both countries and suggested possible

## "Start With A Problem...": Tech Billionaire Ankur Jain, 34, Shares His Easy Secret To Success

World. Tech entrepreneur Ankur Jain, 34, has an estimated net worth of \$1.2 billion, according to Forbes. A former executive at the dating app Tinder, where he still holds a 36% stake. Jain launched his latest venture, Bilt Rewards, in 2002. The service allows users to earn rewards by paying rent or purchasing homes, as reported by the New York Post. Bilt is now valued at \$3.25 billion.Mr Jain, the highly successful son of former Microsoft executive Naveen Jain-who briefly became a billionaire during the rise of his company InfoSpace before the dot-com crashrecently shared advice for aspiring entrepreneurs in an interview with the Daily Mail."Start with a problem, not a perceived opportunity," Mr Jain told the UK newspaper. "Those are two very different things.""I think one of the most dangerous things that



happened to entrepreneurship was that business school graduates started going into entrepreneurship," he explained. The focus on statistics, models, and creating new opportunities has led young entrepreneurs to prioritize unnecessary goods and services- often at the expense of consumers rather than addressing genuine needs, according to a former Forbes 30 Under 30 honoree.

'They've neglected to ask what real problems they can solve for people,"

he said.Mr Jain highlighted Bilt as an example of addressing a tangible issue and making it work effectively. "It's your biggest expense, and now it's your most rewarding," he said, referencing housing costs.

According to Bilt's data, the average American renter spends roughly 30% of their income on housing each year. Jain previously shared with the New York Post that his inspiration to create Bilt- and to focus on solving real-world problems-stemmed from hearing a \$100 million pitch from a venture capitalist a few years ago. The idea? Selling virtual luxury goods on the blockchain."I'm thinking to myself: "You have the biggest housing crisis, a health care and mental health crisis here in the city... And here you are sitting, talking to me about like, digital Prada bags on the blockchain,'

### French Museum Invites **Public To Visit Art Exhibition** Naked, Here's Why

World. The Marseille Museum of European and Mediterranean Civilisations (Mucem) is currently exhibiting a comprehensive collection of artworks exploring the theme of naturism. In a novel approach to audience engagement, the museum invites visitors to view the exhibition naked, facilitating a more intimate and visceral experience of the artworks. The collection, comprising 600 pieces from both public and private collections, offers a rich exploration of the history and cultural significance of naturism."France is the world's leading tourist destination for naturists: its temperate climate and the presence of three seas have facilitated the establishment of communities, which - with the exception of Switzerland - have few real equivalents elsewhere in Europe, where naturism is practised more freely, outside established communities," the museum told the New York Times.

Today, there is a new craze for nudity in nature, a craze that goes hand in hand with the quest for healthy, vegetarian diets and the use of natural therapies, meditation and yoga in the open air. These lifestyles, along with the rejection of the diktats that weigh down our bodies, are all keys to understanding the issues at stake in the naturism of yesterday and today."Since opening in July, the museum's exhibition has attracted nearly 100,000 visitors, with around 600 attending five special viewings in the nude.

Some participants were seasoned naturists, distinguishable by their tan-line-free and often weathered appearances. Others, however, had little to no experience being nude in public, apart from the occasional skinny dip. For these individuals, nudity was typically limited to locker rooms or intimate settings. Attending the exhibit in the nude offered a unique opportunity to engage with art and their own bodies in a new way-promoting a sense of acceptance or, perhaps, neutrality.

Naked museum events aren't entirely new. Similar gatherings have taken place in cities like Paris, Vienna, Montreal, Barcelona, Milan, and even Dorchester in England. However, Mucem may be the first major museum to dedicate an entire exhibition to the history, culture, and symbolism of naturism-a movement akin to nudism but rooted in principles of self-respect, respect for others, and harmony with the natural world.

I always say that nudity is a tool - a very effective tool to get people to achieve body acceptance," said Stephane Deschenes, the president of the International

## Hamas Releases Footage Of Crying Israeli Hostage, His Mother Reacts

World.Palestinian group Hamas released a video on Saturday featuring an American-Israeli hostage, Edan Alexander. Held in Gaza since the devastating October 7, 2023 attack on Israel, Alexander directly addresses US Presidentelect Donald Trump in English and Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu in Hebrew, pleading for intervention and urging Israelis to

pressure their government for the release of hostages. The video, released by Hamas's military wing, the Ezzedine al-Qassam Brigades, has not been independently verified for authenticity or date. Yael Alexander, Edan's mother, spoke at a rally in Tel Aviv the same evening.

This video has upset me, but beyond the hope it gives us, it shows how bad the situation is for Edan and the other hostages and how much they are crying out and hoping to be saved now," she declared. She revealed that she had spoken directly with



Netanyahu, urging him to honour his commitment to secure the hostages' release. "You must keep your promise and free them. This state is strong enough to end the war and bring them all back, including my Edan," she said. Netanyahu's office later confirmed the conversation, reiterating that Israel remains resolute in its determination to bring back all hostages. Describing the video as "cruel psychological warfare," the Prime Minister said that such tactics would not deter Israel from its mission. The Hostage Families Forum, an advocacy group

weighed in, stating that the only viable solution for the return of hostages lies in a negotiated agreement. "One year after the first and only deal, it's clear to everyone: returning the hostages is only possible through a deal," the group's statement read. The October 7 attack, which sw 1,207 deaths-mostly civiliansresulted in the kidnapping of 251 hostages. Around 97 hostages remain in Gaza, including 34 whose deaths

for those captured, also

been confirmed but whose bodies have not been returned. A brief truce in November 2023 led to the release of 80 Israeli hostages in exchange for 240 Palestinian prisoners, alongside the release of 25 predominantly Thai captives. However, efforts since then to broker further exchanges or a ceasefire have largely faltered. Israel's military response has claimed the lives of 44,382 people in Gaza, according to figures from the Hamas-run health

Naturist Federation. "But it's not the objective." The exhibit, Naturist Paradises, chronicles the evolution

of naturism in Europe over the past century. It begins with its origins as a groundbreaking social health movement and explores its modern alignment with the body positivity movement. The exhibition features an array of artefacts, including vintage magazine covers, black-and-white photographs, archival videos, paintings, and informative text displays.

## Syrian rebels enter Aleppo, President Bashar al-Assad vows to defeat them

Thousands of Syrian insurgents took over most of Aleppo on Saturday, establishing positions in the country's largest city and controlling its airport before expanding their shock offensive to a nearby province. They faced little to no resistance from government troops, according to fighters and activists. A war monitor, the Syrian Observatory for Human Rights, said the insurgents led by Hayat Tahrir al-Sham seized control of Aleppo International airport, the first international airport to be controlled

by insurgents. The fighters claimed they seized the airport and posted pictures of it. Thousands of fighters also moved on, facing almost no opposition from government forces, to seize towns and villages in northern Hama, a province where they had a presence before being expelled by government troops in 2016. They claimed on Saturday evening to have entered the city of Hama.



A HUGE EMBARRASSMENT FOR

The swift and surprise offensive is a huge embarrassment for Syria's President Bashar Assad and raises questions about his armed forces' preparedness. The insurgent offensive launched from their stronghold in the country's northwest appeared to have been planned for years. It also comes at a time when Assad's allies were preoccupied with their own conflicts. In his first public

comments since the start of the offensive, released by the state news agency Saturday evening, Assad said Syria will continue to "defend its stability and territorial integrity against terrorists and their supporters." He added that Syria is able to defeat them no matter how much their attacks intensify.

Turkey, a main backer of Syrian opposition groups, said its diplomatic efforts had failed to stop government attacks on PREPARINGACOUNTERATTACK opposition-held areas in recent weeks, which were in violation of a deescalation agreement sponsored by Russia, Iran and Ankara. Turkish

security officials said a limited offensive by the rebels was planned to stop government attacks and allow civilians to return, but the offensive expanded as Syrian government forces began to retreat from their positions. The insurgents, led by the Salafi jihadi group Hayat Tahrir al-Sham and including Turkey-backed fighters, launched their shock offensive on Wednesday. They first staged a two-

pronged attack in Aleppo and the Idlib countryside, entering Aleppo two days later and securing a strategic town that lies on the highway that links Syria's largest city to the capital and the coast. By Saturday evening, they seized at least four towns in the central Hama province and claimed to have entered the provincial capital. The insurgents staged an attempt to reclaim areas they

#### controlled in Hama in 2017 but failed.

Syria's armed forces said in a statement Saturday that to absorb the large attack on Aleppo and save lives, it redeployed troops and equipment and was preparing a counterattack. The statement acknowledged that insurgents entered large parts of the city but said they have not established bases or checkpoints. Later on Saturday, the armed forces sought to dispel what it said were lies in reference to reports about its forces retreating or defecting, saying the general command was carrying out its duties in "combatting terrorist organisations.'

#### 2nd Test: Shadman hits fifty, West Indies drop 3 catches on raintruncated day 1

New Delhi. Kemar Roach gave the West Indies a strong start on the rain-affected opening day of the Kingston Test, dismissing two Bangladesh batters early. However, sloppy fielding cost the hosts crucial breakthroughs, as three dropped catches allowed Bangladesh to recover and end the day at 69 for 2. Shadman Islam, who reached an unbeaten 50, and Shahadat Hossain, not out on 12, capitalised on the missed opportunities to stabilise the innings after an initial collapse.

The match began five hours late due to a damp outfield, forcing a 3 p.m. local time start under sunny skies. Bangladesh, sent in to bat by captain Mehidy Hasan Miraz, found themselves in early trouble as Kemar Roach struck twice within the first seven overs. Roach, who continued his dominance over Bangladesh, dismissed Mahmudul Hasan Joy for two with a sharp edge caught by wicketkeeper Joshua Da Silva and then induced another edge from Mominul Haque, who departed for a duck — his fourth in the West Indies. These early blows left Bangladesh reeling at 10 for 2. However, Shadman Islam (50 not out) and Shahadat Hossain (12 not out) dug in to steady the



innings. Shadman was the beneficiary of two dropped chances, first by Alick Athanaze at slip on 15 and later by Kraigg Brathwaite at short cover on 35. Shahadat also enjoyed a reprieve on 8, thanks to a comical double-drop in the slip cordon involving Athanaze and Kavem Hodge.The slow, rain-affected outfield further hampered scoring, with several boundaries thwarted just short of the ropes. Shadman, however, managed to bring up his fifty off 100 balls, laced with three fours and a six, while Shahadat played cautiously, adding just one boundary in his 63-ball stay.

For the West Indies, Roach (2-19) was the standout performer, reaching the milestone of 50 wickets against Bangladesh. However, the home side's lackluster fielding undid much of the pressure created by their bowlers. Rain remains a looming threat fr the rest of the match, with forecasts predicting interruptions on each of the remaining days. Bangladesh will hope their overnight pair can build on the modest foundation, while the West Indies will need to regroup and capitalize on any further opportunities that come their way.

#### Gautam Gambhir's stint as India coach shouldn't be judged too soon: Ajay Jadeja

New Delhi. Former Indian batter Ajay Jadeja has urged critics to exercise patience with Gautam Gambhir, the newly appointed head coach of the Indian cricket team, amidst the backlash following India's 0-3 home Test series loss to New Zealand. Speaking at the FICCI Turf event on Saturday, Jadeja emphasised that Gambhir's performance as coach cannot be fairly evaluated within a short timeframe.

Gambhir, celebrated for his heroics in India's 2011 World Cup triumph, assumed the head coach role in July, succeeding Rahul Dravid. While the team began on a promising note with a T20I series win over Sri Lanka and a Test series victory against Bangladesh, the subsequent ODI whitewash against New Zealand raised questions about Gambhir's

Jadeja, however, believes it is premature to critique Gambhir. "I think you are being unfair to him... If you will start judging



people on the basis of their coaching role or whatever way it is being looked at, it is too short a time for people to be judged," Jadeja remarked. The former middle-order batter, who amassed over 5000 ODI runs, further elaborated, "There are phases in cricket. Sometimes you win, and sometimes you lose. Gambhir has always been a straightforward individual, and what you see now is what was expected of him. It's not time to judge him; it's time to enjoy his approach."India's morale received a significant boost with a dominant 295-run victory over Australia in the first Test of the Border-Gavaskar series in Perth, following the New Zealand debacle. Jadeja highlighted that this win showcases the team's resilience and stressed that Gambhir's leadership should be evaluated over a more extended period.

Jadeja also opened on the return of regular Test captain Rohit Sharma for the second Test in Adelaide, beginning December 6. "Rohit coming back will surely boost India's confidence.

# AUS vs IND: Why Australia will miss Josh Hazlewood badly in Adelaide Test

Border-Gavaskar Trophy: Fast bowler Josh Hazlewood played a crucial role for Australia in the Day-Night Tests, but would not be a part of their setup against India at the Adelaide Oval. Will Australia miss Hazlewood in the Adelaide Test?

New Delhi. Australia finds themselves under immense pressure following their crushing 295-run defeat to India in the series-opening Perth Test. With their confidence shaken, the Pat Cummins-led side must regroup and deliver a remarkable turnaround as they prepare for the day-night Test at the Adelaide Oval, starting December 6. Adding to their woes, the team suffered a significant setback with the injury of Josh Hazlewood, a key figure in their bowling attack, leaving them further

exposed ahead of the crucial pink-ball encounter.Hazlewood sustained a "low-grade left side injury" and would not be able to attain full fitness before the Adelaide Test. The hosts roped in Sean Abbott and Brendan Doggett, who are both yet to make their Test debuts. Statistically, Hazlewood has been a gun bowler for the Aussies, especially in Day-Night Tests. He is one of the major reasons why Australia have won 11 out of 12 Day-Night Tests until now.

In eight day-night Tests so far, Hazlewood has taken 37 wickets at an average of 18.86 with two five-wicket hauls. In fact, the pacer holds the distinction of being the first bowler to take a wicket in pink-ball Tests when he Guptill back in November 2015 in Adelaide itself. For Australia, the quartet of Mitchell Starc, Hazlewood, Nathan Lyon and Pat Cummins have dominated in day-night Tests. In Hazlewood's absence, the home team



does have Scott Boland, a proven customer in Tests, but can he make the same impact as Hazlewood?

dismissed New Zealand's Martin Hazlewood was also the standout Australian bowler in the Perth Test, where he picked up five wickets, including a four-wicket haul. In fact, it was his spell of 13-5-29-4 that helped the Aussies bowl India out for 150 in the first innings. Now, with Hazlewood

unavailable for the Adelaide Test, the pressure is on Starc and Cummins, neither of whom looked at their best in the opening game. Most wickets for Australia in Day Night Tests

Australia under the pump

Before the start of the Border-Gavaskar Trophy, Australia were placed on top of the table in the WTC 2023-25. Cummins and Co. were strong contenders to make their way through to the final to be held next year. But after losing in Perth, they lost their top spot in the table. Adding insult to injury, the Aussies dropped out of the two, invariably putting them in deeper trouble as far as playing in the summit clash is concerned. Australia slipped to third after South Africa defeated Sri Lanka by 233 runs at the Kingsmead in Durban. The Adelaide Test provides no room for complacency for Australia. If they go 0-2 down, they could eventually miss out on a spot in the final of the WTC, let alone winning the series against India.

### Rohit Sharma's hilarious exchange with fans goes viral before Pink Ball Test

Border-Gavaskar Trophy: India captain Rohit Sharma was hounded by fans in Canberra for his autograph and selfies. The incident brought out a hilarious reaction from the India captain.

⊳Rohit Sharma was hounded for autographs in Canberra >The incident brought out a

classic reaction from Rohit India are playing their warm-up game vs PM XI

Canberra. India captain Rohit Sharma was hounded by fans during training in Canberra during the team's practice session ahead of the warm-up game against Australian Prime Minister's XI. As Rohit was going for practice some eager fans surrounded him and asked him for photos and autographs. The incident elicited a hilarious response from



Rohit Sharma who asked a fan to wait for his turn as he was attending to a previous selfie while he was autographing a cricket ball, and the constant haggling had Rohit

slightly irritated. The captain responded to the fan, asking him to wait for his turn. request. Rohit was asked by the said fan for a "Ek time par ek hi kaam ho sakta hai. (Only one task can be done at a time),"

#### Barcelona vs Las Palmas: Hansi Flick slams disconnected team after 1-2 loss

New Delhi. FC Barcelona coach Hansi Flick said that his team looked disconnected in their 1-2 loss against Las Palmas on Saturday, 30 November. Barcelona are winless in their last 3 LaLiga games which has reduced the margin of their leave at the top. Barcelona are now just 2 points away from Atletico Madrid, and four points away from Real Madrid. Real have played 2 games less and will go over Barcelona if they secure 2 wins in their next 2 games. LaLiga leaders Barcelona's 125th anniversary celebrations were spoilt by Las Palmas. Flick argued that he still trusted his players and had confidence in them, however, criticised the team for not being at the optimum level.

'I don't think there is a lack of confidence in the players. Players alone can't win games, it's always about the team. We need to have good connections in defence and in attack, and today we didn't have them," Flick told reporters."I believe in the players. I have confidence in them, but things are as they are.



When I started here I told them there would be no excuses. "It's normal that some players, when they come back from injury, are not at the highest level. But if we play as a team we should be able to beat any team, but if some players are disconnected it doesn't go well."

Barcelona do not play at home again until mid-December, with their next three games away at Mallorca and Real Betis in LaLiga followed by Borussia Dortmund in the Champions League."We have to accept the slump, now another month starts. The team has the quality," Flick said. "Today it was not possible. In front of goal we were not able to score."Barca's Raphinha scored the equaliser in the second half while he also hit the crossbar and saw a free kick tipped over the bar, and the winger said they had to find a way to turn things around to get back to winning ways."We were bad in the game. We have to look at what we are doing wrong to try to improve and win the games," he said. "We have dropped the level of what we were doing

## Lique 1: Coach Luis Enrique urges PSG to stay resilient after frustrating draw

⊦Paris St Germain manager Luis Enrique lamented his team's failure to convert chances in Saturday's Lique 1 draw with Nantes, despite dominating possession, and stressed the need for persistence.

New Delhi. Paris Saint-Germain (PSG) head coach Luis Enrique was frustrated after his team's 1-1 draw with relegation-threatened Nantes in Ligue 1 on Saturday. Despite a record-setting 84.1% possession, the Parisians failed to secure a victory at the Parc des Princes, further fuelling concerns about their inability to capitalise on their

from Nuno Mendes. However, Nantes found an equaliser seven minutes before halftime when Matthis Abline broke free from Willian Pacho and scored past Reflecting on the draw, Enrique emphasised



Gianluigi Donnarumma.

The second half saw PSG control possession but struggle to break down Nantes' compact defence. Lee Kang-in hit the post, while

second minute, converting a low cross providing the assist for Hakimi's opener. However, the team's inability to create clearcut chances underscored their lack of efficiency.

the importance of resilience:

"Efficiency is the key to football. It's incredibly tough to create as many chances as we did. But it's clear that if you don't score, it becomes frustrating and draining. In the end, the solution is persistence and continued trust in our players."

The result comes after PSG's narrow midweek loss to Bayern Munich in the Champions League, leaving them teetering on the brink of

a European exit. Despite the setbacks, PSG remains undefeated in Ligue 1 this season and sits seven points clear at the top of the table, though second-placed AS Monaco has

dominance.PSG looked poised for an easy the chance to close the gap on Sunday Gonçalo Ramos—making his first start in and this is making games more difficult for us. win when Achraf Hakimi struck in the against Marseille. over three months—played the full match, India will never get someone as good as Ravindra Jadeja or R Ashwin: Pujara

→India do not have a replacement for Ravichandran Ashwin and Ravindra Jadeja, said Cheteshwar Pujara. Pujara called the duo legends of the game and said that they have contributed a lot to the Indian team.

India do not have replacements for Ravichandran Ashwin and Ravindra Jadeja, said Cheteshwar Pujara leading to the Adelaide Test match against Australia. Speaking on ESPNcricinfo, Pujara called the duo legends of the game and said that they

Ashwin and Jadeja did not play the opening Test match of the Border-Gavaskar Trophy at the Optus Stadium in Perth in a pitch that was conducive to fast bowling. Washington Sundar played as India's lone spinner in the Test match as India look to transition from this veteran duo. While they are still the preferred pair for all home Tests, India have started experimenting with other combinations overseas.

Pujara however believes that there is no chance that India can have the quality of Ashwin and Jadeja in their line-up in the

"You can't have the quality of Ashwin and Jadeja. I have seen a lot of spinners in the Indian domestic circuit, but I wouldn't say that we have actual replacements for them. Yes, we do have some young talented bowlers whom we need to groom, but those are the legends of the game. I don't think we will ever get someone as good as Ashwin or



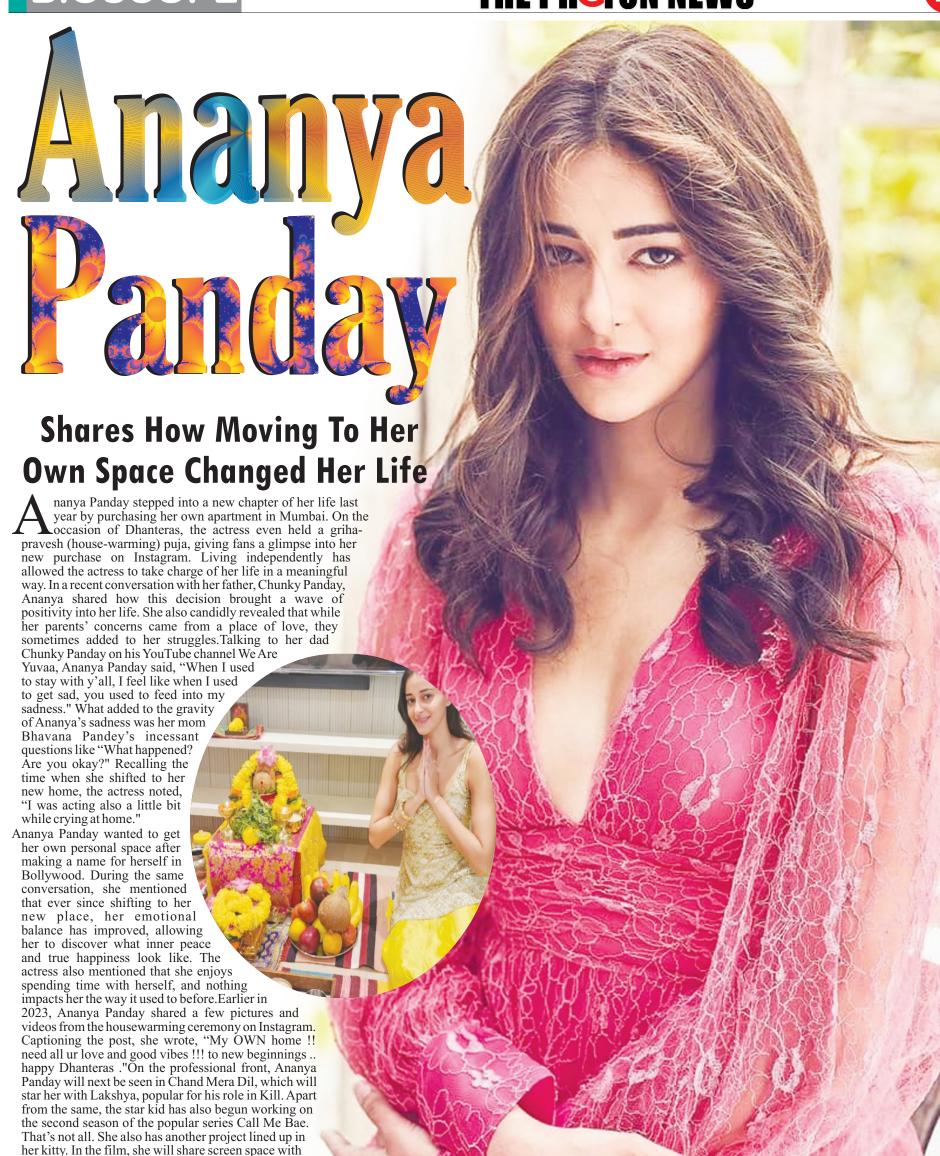
Jadeja. We might have some replacements, but I still feel those guys have contributed a lot to Indian cricket," Cheteshwar Pujara said on ESPNcricinfo. "After the WTC final, we will be travelling to England. That will be an important series. We are going to play five Test matches over there. Do you seen Ashwin and Jadeja fit into that role? Do you want one of them to be part of the playing XI? But, if

Washington Sundar is going to play in the XI, then you might as well have someone else be part of the squad,' Pujara went on to add.

After missing out on the Perth Test, Ashwin and Jadeja are unlikely to get game time in the Adelaide Test match as well. However, that has not worried India assistant coach Abhishek Nayar, who said that India are lucky to have senior players who think about the team before their personal goals.

It is only tough when you have seniors who do not understand it. When you have seniors like Jaddu and Ashwin, who understand what the team is trying to do,

I think it becomes very easy. The team follows what Gauti bhai believes in. We were very happy with how Ashwin and Jaddu were helping the younger guys do well here. I just felt that the culture of the team was focused on team India to win," Abhishek Nayar said in Canberra on Friday, November 29.



Sherlyn Chopra

Reveals Her Struggle With Lupus And The Impact On Motherhood

ctress Sherlyn Chopra has recently unveiled the illness she is struggling with. She claimed that she could never be a mother because of the illness she has been battling since 2021. She shared that she has an autoimmune disorder called Systemic lupus erythematosus (SLE), which resulted in her kidney failure in 2021.

In an interview with Bollywood Bubble, Sherlyn shared that her doctor told her to keep this health disorder under control and she needs medication for the rest of her life. Following this, she added, "I take it three times a day, morning,



Akshay Kumar and R Madhavan. On the other hand, her father, Chunky Panday, is gearing up for

> afternoon and evening. They also advised that I should never contemplate getting pregnant because it could be life-threatening for both the baby and the mother". Despite this, the actress shared her strong desire to be a mother. Though she cannot be a mother naturally, she is looking for other options and hopes to have at least three or four children. She further added that she wants her child's name to start with the letter A, as she is very fond of names starting with A. Additionally, Sherlyn added, "I think I was born to be a mother because whenever I think about children, I feel an indescribable happiness. Even before they arrive, I'm so happy. Just imagine how much joy I'll feel after they're here".

The actress further decides to balance motherhood with her career. She stated that she would continue her

work and take care of her child together. She said, "I will continue working, but I'll carry them along with me. Initially, I'd hire a nanny who could take care of my kids in my presence". She made headlines in 2012 by becoming the first Indian woman to pose for Playboy magazine. This move garnered both controversy and admiration. She began her career in Bollywood in the early 2000s and appeared in several films like Time Pass (2005), Dosti: Friends Forever (2005) and Raqeeb (2007). She also participated in several reality shows, including Bigg Boss Season 3 in 2009.

#### Janhvi And Khushi Kapoor Spread **Holiday Cheer While Decorating** Their Christmas Tree In Pyjamas



ollywood sisters Janhvi and Khushi Kapoor are the epitome of sibling goals, always inspiring with their unbreakable bond and support for each other. The duo recently gave fans a glimpse of their festive cheer when Orry shared an adorable snapshot of them decorating their Christmas tree together in cozy pajamas. The heartwarming moment not only showcases their holiday spirit but also sets the bar for sibling plans this season! Taking to Instagram Stories on November 30, Orry shared a delightful collage of Japhyi and Khushi mutting up Christmas of Janhvi and Khushi putting up Christmas decorations. The tree, adorned with elegant green and white ornaments, radiates festive

Janhvi, casually dressed in a simple t-shirt and black-and-white checkered pants, is caught mid-decoration, while Khushi assists in her comfy pajamas, adding a cozy touch to the frame. Orry, ever the playful presence, sneaks into the picture with his signature 'shy fingers' pose, capturing the fun and joy of the moment. Together, the sisters and their friend radiate holiday vibes, reminding us all to embrace the festive season with family and loved ones.In an earlier interview with Lifestyle Asia India, an earlier interview with Lifestyle Asia India, Khushi Kapoor opened up about her special bond with Janhvi. She revealed that Janhvi is her go-to person for advice and has always been a pillar of support. Whether it's life's bigger challenges or smaller dilemmas, Janhvi takes on the role of a guiding figure—sometimes even feeling like a parental presence. Khushi also shared how being Janhvi's sister has its perks, particularly being Janhvi's sister has its perks, particularly when it comes to sharing wardrobes! From pep talks to shoes, their relationship is a blend of love, wisdom, and fun.

The Archies actress, who recently made her fashion runway debut, also spoke about Janhvi's advice before the event. Speaking to ANI, Khushi revealed how her sister encouraged her to stay calm, be in the moment, and immerse herself in the music. Janhvi's words gave her the confidence to shine on the runway, further proving that their bond goes beyond just sibling camaraderie—it's a deeprooted friendship. As Janhvi and Khushi usher in the festive season with warmth and togetherness, they remind us to cherish the special relationships in our lives, making their sibling bond one to aspire to this Christmas.

## Aamir Khan's Daughter Ira Khan On How Her Parents' Divorce Changed Their Lives 'I Was 4 When We Moved Out...'



ra Khan, daughter of Aamir Khan and Reena Dutta, has been open about her mental health struggles. Aamir and Reena divorced in 2002 when Ira was five. In an interview with Pinkvilla, Ira talked about how her parents reacted to her struggles and how she dealt with their divorce. She said that both her parents were concerned when she shared her struggles."I don't think I told him (father, Aamir) that I was putting it on Instagram. When I told both my parents, they were worried. You don't figure it out all at the same time. It's not like I said one sentence and it was over. There was concern because I was studying in the Netherlands, wanting to drop out, so there were a lot of decisions to be made. My dad has put this faith or belief in us that mental health issues are not shameful," she said during a chat with Pinkvilla. Ira mentioned that while her parents, Aamir Khan and Reena Dutta, never openly blamed themselves for her struggles, she felt they might have. She recalled that when she started medication, both her parents were very worried, focused on their own fears. Ira said, "I started my medication when I came home in 2018. During that time, I could tell that both of them were extremely worried because they were going on their own fears and tangents. And I was like, 'I am the child, I need help right now, we can deal with your fears later'. They never said that or openly blamed themselves, but I am sure they felt those things. Even though they know that it's not in their control, it's a culmination of many things. I hope they don't blame themselves."When asked about how her parents' divorce affected her, Ira said it changed their lives. She said, "My parents' divorce wasn't one day, it was something that changed all our lives since that day. Many good and not good things happened since that day, many things happened that we maybe even didn't know happened."Ira added, "We moved out of the house after the divorce. I was 4 when we moved out but we lived very close by, just like 50 metres away. My dad's job involves a lot of travelling, it's a little hard to say if shifting houses affected the dynamic. I am sure it did. But, it was fine! My grandmom also lived in the same building, so were were always around there.